हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

यह हैं सबसे अधिक 56 सवाल लगाने वाले

- चरणदास महंत
- पुन्नूलाल मोहले
- धरमलाल कौशिक
- विद्यावती सिदार
- उमेश पटेल
- अटल श्रीवास्तव
- सुशांत शुक्ला
- दिलीप लहरिया
- राघवेंद्र सिंह
- व्यास कश्यप
- रामकुमार यादव
- शेषराज हरवंश
- बालेश्वर साहू
- द्वारिकाधीश यादव
- अनुज शर्मा

▶▶|शेष पेज 7 पर

बजट सत्र का रिपोर्ट कार्ड

रेणुका, नीलकंठ, अमर, भैयालाल, विक्रम, ईश्वर और भूलन सबसे कम पूछने वालों में

29 दिग्गजों ने दागे 56-56 सवाल, अजय बने 'फायर'

सात विधायक ऐसे जिन्होंने पूछे शून्य से छह सवाल

सुरेन्द्र शुक्ला ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ विधानसभा का बजट सत्र अनिश्चितकाल के लिए स्थगित हो चुकी है। सत्र के दौरान विधायकों ने अपने क्षेत्र और जनहित के मुद्दों पर कई सवाल लगाए। विधानसभा सचिवालय द्वारा विधायकों के सत्र के दौरान लगाए गए सवालों का लेखा जोखा जारी किया है। कांग्रेस और भाजपा के 29 विधायकों ने अधिकतम 56 सवालों लगाए। कम सवाल लगाने वालों में सदस्यों में भैयालाल राजवाड़े ने 2, रेणुका सिंह और नीलकंठ टेकाम ने 4-4, विक्रम उसेंड़ी और भूलन सिंह मरावी ने 5-5, अमर अग्रवाल ने एक भी नहीं और ईश्वर साहू ने 6 सवाल लगाए। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने सवाल तो 41 लगाए ▶▶|शेष पेज 7 पर

भूपेश आक्रामक अधिक, सवाल कम

सत्र के दौरान पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल विपक्ष की ओर से काफी आक्रामक रहे हालांकि उन्होंने 41 सवाल लगाए पर वे हर विधायक के जनहित के सावल पर पूरक सवाल कर अपनी उपस्थिति का अहसास मंत्रियों को कराया।वहीं अनिला भेंडिया, कविता प्राण लहरे, संदीप साहू, विक्रम मंडावी ने 53-53 सवाल लगा। ▶▶|शेष पेज 7 पर

कम प्रश्न पूछने वाले विधायक

- भैयालाल राजवाड़े ने - 2
- रेणुका सिंह - 4
- नीलकंठ टेकाम - 4
- विक्रम उसेंड़ी - 5
- भूलन सिंह मरावी - 5
- ईश्वर साहू ने - 6
- अमर अग्रवाल -0

अधिकतम 56 ही पूछ सकते थे : बजट सत्र के दौरान 14 बैठकों में प्रश्नकाल हुआ, इस दौरान एक विधायक के 4 सवाल एक दिन में लिया जाना था। उसके हिसाब से एक सदस्य पूरे सत्र ▶▶|शेष पेज 7 पर

क्षेत्र के जरूरी मामले पर लगाए सवाल-उसेंडी

भाजपा सदस्य विक्रम उसेंडी ने कम सवाल लगाए जाने के सवाल पर कहा कि विधानसभा में क्षेत्र से संबंधित जरूरी मामलों को उठाया गया। क्षेत्र में सड़क की समस्या को प्रमुखता से उठाया। अधिक सवाल इस लिए नहीं लगाया। स्थानीय प्रशासन के माध्यम से अन्य मामलों पर लगातार ध्यान दिलाते हैं। अन्य विधायकों ने कहा कि कई सवाल लगे थे पर स्वीकृत नहीं हुए कुछ सवालों को ही लिया गया। कुछ वरिष्ठ सदस्यों ने इस पर टिप्पणी करने से इंकार किया।

लोग मानते हैं कि राजस्व विभाग भ्रष्ट है, हम इस धारणा को बदलने का प्रयास कर रहे हैं

राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा के साथ हरिभूमि के प्रधान संपादक डॉ. हिमांशु द्विवेदी की बेबाक बातचीत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बलौदाबाजार

खास खबर

शहर के जिला ऑडिटोरियम में शनिवार को हरिभूमि एवं आईएनएच ग्रुप के जिला संवाद कार्यक्रम में प्रदेश की राजनीति, विकास और प्रशासनिक सुधारों को लेकर खास चर्चा हुई। कार्यक्रम में प्रधान संपादक डॉ. हिमांशु द्विवेदी और राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा आमने-सामने हुए। दोनों के बीच बेबाक सवाल-जवाब हुए। राजस्व मंत्री श्री वर्मा ने अपने राजनीतिक सफर, सरकार की नीतियों, विपक्ष पर आरोपों और जिले के विकास कार्यों को लेकर खुलकर अपनी बातें रखीं। प्रस्तुत है जिला संवाद के प्रमुख अंशः- ▶▶|शेष पेज 7 पर

- **प्रश्न** – आप जिस जगह पर है, वहां पर जिले के वरिष्ठ नेता शैलेशजी, सुरेंद्र शर्माजी और आपके शिवरतनजी यहां तक नहीं पहुंच पाए, जो दशकों से राजनीति में हैं, आप यहां तक कैसे पहुंच गए?
- **उत्तर**– 2023 के चुनाव में पार्टी नेता द्वारा मुझे अवसर दिया गया। हमारे कार्यकर्ताओं, पार्टी के नेताओं और जनता ने भाजपा पर विश्वास-भरोसा किया। मुझे इस क्षेत्र से प्रतिनिधित्व करने का अवसर मिला। आज मैं जो कुछ भी हूं, पार्टी नेतृत्व के आशीर्वाद से हूं। मैं एक छोटे से गांव का रहने वाला हूं। राजनीति में मंजा हुआ भी नहीं, राजनीति में मेरा कम समय रहा। मैं एक समाज सेवक के रूप में काम करता रहा हूं। धर्म संस्कृति संस्कार से जुड़ा हूं। मुझे यह कहने संकोच नहीं है कि जिले के कद्दावर नेता जो कई बार नेतृत्व किए और संगठन में अनुभवी है, शिवरतन शर्मा और गौरीशंकर अग्रवाल जी से काफी सीखने को मिलता है। आज मैं यहां हूं, उनका आशीर्वाद है, प्रदेश और केंद्रीय नेतृत्व का आशीर्वाद है कि हम जैसे कार्यकर्ता को मौका मिला। मैं मानता हूं कि आज भी कार्यकर्ता हूं और आने वाले समय में भी कार्यकर्ता रहूंगा।

मछली पकड़ने पहुंचे, फूलों की फोटो डाली... और बेनकाब हो गई अफीम की खेती

हरिभूमि न्यूज ▶▶| तमनार

हरिभूमि फॉलोअप

शुक्रवार को आमाघाट गांव में उजागर हुई अफीम खेती का राज धीरे-धीरे खुलने लगा है। दिवाली के बाद अफीम की खेती करने झारखंड से दो लोग इमानवेल भेंगरा और सीप्रियन भेंगरा पहुंचे थे। याने चार महीने पहले ही यहां आए थे। अभी गिरफ्तार किए गए आरोपी मार्शल सांगा के दोनों रिश्तेदार थे। मार्शल बाहर था, लेकिन फोन करके उनको बिना किराए अपने ससुराल में रहने का मकान दिलवाया था। मायके में उसकी पत्नी सुषमा खलखो रहती है। वह शादी के दो महीने बाद ही झारखंड से आमाघाट लौट आई थी। तब से अब तक वहां रह रही है। मार्शल हमेशा बाहर रहता है, कभी ओड़िशा तो कभी कर्नाटक बताता है। ससुराल के लोग भी वास्तविक रुप से वह कहां रहता है और क्या काम करता है, नहीं जानते। इतना जरुर बताते हैं कि वह काफी पढ़ा लिखा है, रेलवे में ठेकेदार के साथ पटरी बिछाने का काम करता है। हालांकि गांव वाले ओड़िशा ▶▶|शेष पेज 7 पर

- सोशल मीडिया से हुआ अफीम की खेती का खुलासा
- जब अफीम खेती की सुगबुगाहट हुई तो चुपके से दोनों निकल गए घर से
- पुलिस को मिला तकिए के नीचे आधार कार्ड और साढ़े 4 हजार रुपए

आनंद का सच्चा भाव*

18 कैरेट रेट* (75.00%)	₹106433/-
22 कैरेट रेट* (91.60%)	₹129990/-
24 कैरेट रेट* (99.99%)	₹141896/-

सोने का भाव* प्रति 10 ग्राम | GST Extra

anand Jewels Pandri, Raipur

Agriculture & Industrial Needs

We need lot of **BLUE** to remain **GREEN.**

विश्व जल दिवस

विश्व जल दिवस का इतिहास

पूरे विश्व के लोगों द्वारा हर वर्ष 22 मार्च को विश्व जल दिवस मनाया जाता है। वर्ष 1993 में संयुक्त राष्ट्र की सामान्य सभा के द्वारा इस दिन को एक वार्षिक कार्यक्रम के रुप में मनाने का निर्णय किया गया। लोगों के बीच जल का महत्व, आवश्यकता और संरक्षण के बारे में जागरुकता बढ़ाने के लिये हर वर्ष 22 मार्च को विश्व जल दिवस के रुप में मनाने के लिये इस अभियान की घोषणा की गयी थी। इसे पहली बार वर्ष 1992 में ब्राजील के रियो डी जेनेरियो में पर्यावरण और विकास पर संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन की अनुसूची 21 में आधिकारिक रुप से जोड़ा गया था और पूरे दिन के लिये अपने नल के गलत उपयोग को रोकने के द्वारा जल संरक्षण में उनकी सहायता प्राप्त करने के साथ ही प्रोत्साहित करने के लिये वर्ष 1993 से इस उत्सव को मनाना शुरू किया।

विश्व जल दिवस कैसे मनाया जाता है

पर्यावरण, स्वास्थ्य, कृषि और व्यापार सहित जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में जल के महत्व की ओर लोगों की जागरुकता बढ़ाने के लिये पूरे विश्व भर में विश्व जल दिवस मनाया जाता है। इसे विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम और क्रियाकलापों के आयोजनों के द्वारा मनाया जाता है जैसे दृश्य कला, जल के मंचीय और संगीतात्मक उत्सव, स्थानीय तालाब, झील, नदी और जलाशय की सैर, जल प्रबंधन और सुरक्षा के ऊपर स्थानीय, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर परिचर्चा, टीवी और रेडियो चैनल या इंटरनेट के माध्यम से संदेश फैलाना, स्वच्छ जल और संरक्षण उपाय के महत्व पर आधारित शिक्षण कार्यक्रम, प्रतियोगिता तथा ढ़ेर सारी गतिविधियाँ। नीले रंग की जल की बूँद की आकृति विश्व जल दिवस उत्सव का मुख्य चिन्ह है।

Contact for ad
9340808313

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

रायपुर ही नहीं, बिलासपुर, भिलाई, जगदलपुर समेत प्रदेशभर में सीवर सफाई का सिस्टम खराब, आबादी के लिहाज से मशीनें कम

राजनादंगांव में 6 मशीनें, तीन खराब, बिलासपुर में वही हाल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

रायपुर के रामकृष्ण अस्पताल में सीवरेज की सफाई में तीन व्यक्तियों की मौत ने नई बहस छेड़ दी है। अधिकतर जिलों में आबादी के लिहाज से मशीनें नहीं हैं। रायपुर में करीब 15 लाख की आबादी में 13 सीवर सक्शन मशीन हैं। आवश्यकता होने पर कई दिन बाद उपलब्ध हो पाती हैं। ऐसा ही हाल बाकी जिलों में है। राजनांदगांव ▶▶|शेष पेज 7 पर

अलग खबर

नगर पंचायतों में कई मशीनें ही नहीं, कई जगह खराब

600 करोड़ का प्रोजेक्ट अधूरा फिर भी तीन करोड़ की मशीन खरीद ली

बिलासपुर में सीवरेज का काम अधूरा होने के बावजूद नगर निगम ने सवा करोड़ रुपए की सक्शन मशीन खरीद ली है। अब यह मशीन नालियों की सफाई में काम आ रही है। इसके साथ ही अमृत मिशन योजना के बजट से नगर निगम को 4 सक्शन कम जेट मशीन मिली है। इसके जरिए पाइप में ब्लाकेज होने पर उसे हटाया जा रहा है। इसमें से दो मशीनें खराब हैं। इन मशीनों ▶▶|शेष पेज 7 पर

धमतरी के निकायों में संसाधनों की भारी कमी

धमतरी। जिले के नगरीय निकायों में संसाधनों की स्थिति चिंताजनक है। कुरूद नगर पालिका में एक फायर ब्रिगेड और एक सीवर सक्शन मशीन (वैक्यूम अपरेटस) उपलब्ध है, लेकिन बढ़ती आबादी को देखते हुए अतिरिक्त संसाधनों की आवश्यकता है। जबकि 4 लाख की आबादी और 40 वार्डों वाले धमतरी शहर में 4 सीवर सकर मशीनें हैं, जिन्हें निगम पर्याप्त बता रहा है। इसी तरह 4 फायर ब्रिगेड उपलब्ध हैं।

राजनांदगांव में 3 मशीन बीते कई महीनों से खराब

राजनांदगांव के 51 वार्ड वाले नगर निगम में लगभग हर घर शौचालय का निर्माण किया गया है। यहां प्रतिमाह लगभग 20-25 परिवारों में सेप्टिक टैंक की सफाई होती है। इसके लिए नगर निगम के पास कुल 6 सीवर सकर मशीन हैं। लेकिन वर्तमान में यहां केवल तीन मशीन चालू हालत में हैं और तीन मशीन बीते कई महीनो से खराब पड़ी हुई हैं, जिसका उपयोग नहीं हो रहा है। हालंकि वर्तमान समय में नगर निगम का स्वास्थ्य विभाग तीन सीवर सकर मशीन को शहर के लिए पर्याप्त बता रहा है।

फायर टैंकर की आवश्यकता

राजनांदगांव शहर में अग्निशमन का कार्य नगर सेना संभाल रही है। नगर सेना को नगर निगम से वर्ष 2009 मॉडल का एक फायर ब्रिगेड मिला था जो अब लगभग कंडम हो गया है। वहीं वर्तमान में नगर सेना के पास तीन फायर ब्रिगेड और एक मिनी फायर ब्रिगेड उपलब्ध है, जो भीषण आगजनी की स्थिति में पर्याप्त नहीं है। भीषण आगजनी की स्थिति स्थिति बनने पर डोंगरगांव, डोंगरगढ़, खैरागढ़, भिलाई सहित निजी टैंकरों का सहारा भी लेना पड़ता है। वहीं यहां पर ▶▶|शेष पेज 7 पर

inh 24x7

छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें

TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

कानूनी रूप से तय होगी आईपीएस की पोस्टिंग

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह सोमवार को लोकसभा में केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) से जुड़ा महत्वपूर्ण विधेयक पेश करने जा रहे हैं। यह कदम सुप्रीम कोर्ट के उस फैसले के बाद उठाया जा रहा है, जिसमें मई 2025 में सरकार को सीएपीएफ में आईपीएस अधिकारियों की प्रतिनियुक्ति को चरणबद्ध तरीके से कम करने का निर्देश दिया गया था।

राज्यों को मिलेगी अब 20 फीसदी ज्यादा गैस

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने शनिवार को राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के लिए कॉमर्शियल एलपीजी की अतिरिक्त 20% आपूर्ति को मंजूर किया है। यह 20% अतिरिक्त आपूर्ति रेस्तरां और ढाबे, होटल, औद्योगिक कैंटीन, डेयरी क्षेत्र, राज्य सरकार और स्थानीय निकाय द्वारा चलाई जाने वाली कैंटीन और कम्युनिटी किचन के लिए किया गया है। केंद्र ने जब कॉमर्शियल एलपीजी की सप्लाई में कटौती की थी तो इससे छोटे कारोबारियों पर काफी असर पड़ा था।

अमेरिका-इजरायल ने की जबरदस्त बमबारी, रेडियोएक्टिव रिसाव की खबर नहीं

महाजंग की आग और भड़की, ईरान के नतांज परमाणु केंद्र पर बड़ा हमला

एजेंसी ▶▶| तेलअवीव-तेहरान

मिडिल ईस्ट में तनाव एक बार फिर चरम पर है। जारी युद्ध का दायरा लगातार बढ़ता जा रहा है। ईरान के सबसे सुरक्षित और संवेदनशील माने जाने वाले नतांज परमाणु केंद्र पर अमेरिका-इजरायल ने शनिवार को भीषण हमला किया है, जिससे पूरे इलाके में हड़कंप मच गया। हालांकि अब तक किसी भी तरह के रेडियोधर्मी पदार्थ (रेडिएशन) के रिसाव की पुष्टि नहीं हुई है। इधर, ईरान ने भी हिंद महासागर में स्थित अमेरिका और ब्रिटेन के रणनीतिक सैन्य बेस 'डिएगो गार्सिया' पर दो मध्यम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइलें दागी हैं।

अमेरिका-इजराइल और ईरान जंग के 22वें दिन अमेरिका-इजराइल ने बड़ा अटैक करते हुए ईरान के परमाणु केंद्र को निशाना बनाया। ईरानी मीडिया ने हमले की पुष्टि की है। रिपोर्ट में कहा गया है कि इस हमले में अभी तक किसी भी तरह का रेडियोएक्टिव (खतरनाक परमाणु) रिसाव नहीं हुआ है। यानी, परमाणु कचरा फैलने जैसा जो सबसे बड़ा डर था, वह फिलहाल टल गया है। इस इलाके के आसपास रहने वाले लोगों को कोई खतरा नहीं है। इजराइल और अमेरिका ने इससे पहले 2 मार्च को भी इस प्लांट पर हमला किया ▶▶|शेष पेज 7 पर

अमेरिका-इजराइल और ईरान जंग का 22वां दिन

युद्ध के बीच मोदी ने की ईरानी राष्ट्रपति से बात

युद्ध के बीच शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ईरान के राष्ट्रपति डॉ.मसूद पेजेश्कियन से टेलीफोन पर ईद और नवरोज की शुभकामनाएं दीं और क्षेत्र में महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे पर हाल ही में हुए हमलों की निंदा की है। साथ ही इस बात पर जोर दिया कि ऐसी कार्यवाई क्षेत्रीय स्थिरता को खतरे में डालती है।

हिंद महासागर में अमेरिका ब्रिटेन के बेस पर ईरानी अटैक

ईरान ने शनिवार को हिंद महासागर में स्थित अमेरिका और ब्रिटेन के रणनीतिक सैन्य बेस 'डिएगो गार्सिया' पर दो मध्यम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइलें दागी हैं। इस हमले के तुरंत बाद दुबई में भी एयर डिफेंस सिस्टम एक्टिव होने और जोरदार धमाकों की आवाज सुनाई दी। हिंद महासागर में युद्ध का ये विस्तार 4 मार्च को अमेरिकी पनडुब्बी द्वारा ईरानी युद्धपोत 'आईआरआईएस देना' को डुबाने के बाद हुआ है, जिसमें 85 से अधिक लोग मारे गए थे। वॉल स्ट्रीट जर्नल (डब्लूएसजे) की रिपोर्ट के अनुसार, ईरानी क्षेत्र से लगभग 4,000 किलोमीटर दूर स्थित इस ठिकाने पर ये अब तक का सबसे बड़ा और दुर्लभ हमला है।

पंजाब में बड़ा सियासी भूचाल

अफसर ने मंत्री का नाम लेकर किया सुसाइड, लिया गया इस्तीफा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| चंडीगढ़

पंजाब की राजनीति में बड़ा सियासी भूचाल आ गया है। एक अफसर ने परिवहन मंत्री के कथित दबाव से त्रस्त होकर सुसाइड कर लिया है। इस पर त्वरित एक्शन लेते हुए परिवहन मंत्री का इस्तीफा ले लिया गया है। पंजाब में आम आदमी पार्टी (आप) सरकार के परिवहन मंत्री लालजीत भुल्लर का नाम लेकर सरकारी एजेंसी, वेयरहाउसिंग कॉर्पोरेशन के अमृतसर में तैनात डिस्ट्रिक्ट मैनेजर (डीएम) गगनदीप सिंह रंधावा ने हाल में जहर खाकर जान दे ▶▶|शेष पेज 7 पर

ये है मामला

वरिष्ठ अकाली नेता बिक्रम मजीठिया और अमृतसर से कांग्रेस सांसद गुरजीत औजला ने कहा- फूड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया (एफसीआई) ने मंत्री भुल्लर के इलाके में अनाज की स्टोरेज के लिए वेयरहाउस बनाया था। वेयरहाउस कॉर्पोरेशन इसकी नोडल एजेंसी थी। मंत्री लालजीत भुल्लर ने अपने पिता सुखदेव सिंह भुल्लर के नाम पर टेंडर अप्लाई किया। आरोप है कि जब पॉलिसी के हिसाब से मंत्री के पिता को टेंडर नहीं मिला तो उन्होंने घर बुलाकर डीएम गगनदीप सिंह रंधावा से मारपीट की।

सीएम साय ने किया सरगुजा ओलंपिक का शुभारंभ

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने रविवार को नवरात्रि की पावन बेला में मां महामाया की धरा से सरगुजा जिले के अंबिकापुर स्थित पीजी कॉलेज ग्राउंड में सरगुजा ओलंपिक का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा, पिछले दो वर्षों से बस्तर ओलंपिक का आयोजन हो रहा है और आज सरगुजा अंचल के साथियों को ओलंपिक के जरिए अपना हुनर दिखाने का अवसर मिला है। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ▶▶|शेष पेज 7 पर

नवरात्रि में ही खुलते हैं : 200 साल पुरानी मंदर माई मंदिर की अनोखी परंपरा

यशवंत साहू ▶▶| धमतरी

शहर के मराठापारा स्थित मंदर माई मंदिर अपनी अद्भुत और रहस्यमयी परंपरा के कारण श्रद्धालुओं के बीच विशेष आस्था का केंद्र बना हुआ है। यहां देवी-देवताओं के विग्रह पूरे वर्ष झांपी (टोकरी) में विश्राम करते हैं और केवल नवरात्र ▶▶|शेष पेज 7 पर

खास खबर

परंपरा में समाहित है आदिवासी आस्था

क्वांर नवरात्रि की पंचमी तिथि को चकमक पत्थर से जोत प्रज्वलित करने की परंपरा आज भी जीवंत है। विजयादशमी के बाद देव विग्रहों को पुनः विश्राम के लिए झांपी में रखा जाता है, जहां वे अगले नवरात्र तक विराजमान रहते हैं। इस प्रकार वर्ष में केवल दो बार ही भक्तों को दर्शन का ▶▶|शेष पेज 7 पर

देशभर से पहुंचते हैं श्रद्धालु

मंदर माई मंदिर में नवरात्र के दौरान हजारों की संख्या में श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचते हैं। छत्तीसगढ़ के अलावा महाराष्ट्र, मुंबई, ओडिशा, मध्यप्रदेश और उत्तरप्रदेश से भी भक्त यहां जोत जलाने और मनोकामना पूर्ण करने की आस्था लेकर आते हैं।

राज्यसभा चुनाव में क्रॉस वोटिंग की मिली सजा

बड़ा एक्शन, बीजद ने अपने 6 विधायकों को किया सस्पेंड

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भुवनेश्वर

ओडिशा की राजनीति में शनिवार को बड़ा उलटफेर देखने को मिला है। बीजू जनता दल (बीजद) ने 21 मार्च को अपने 6 विधायकों को तत्काल प्रभाव से पार्टी से निलंबित कर दिया। इसका कारण राज्यसभा चुनाव में क्रॉस वोटिंग और अन्य दल-विरोधी गतिविधियां बताई जा रही है। पूर्व सीएम नवीन पटनायक की अध्यक्षता ▶▶|शेष पेज 7 पर

4 में से एक सीट ही जीत सकी थी बीजद

निलंबित विधायकों में चक्रमणि कन्हार (बालीगुड़ा), नबकिशोर मलिक (जयदेव), सौविक बिस्वाल सुभासिनी जेना (बस्ता), रामकांत भुईं (तिरतोल) और देवी रंजन त्रिपाठी (बांकी) शामिल हैं। ओडिशा में 16 मार्च को राज्यसभा की चार सीटों के लिए चुनाव हुए थे। भाजपा ने दो, बीजेडी ने एक सीट जीती थी। एक सीट निर्दलीय उम्मीदवार दिलीप राय को मिली थी। बीजेडी के आठ विधायकों पर क्रॉस वोटिंग का संदेह जताया गया था, लेकिन छह पर कार्रवाई हुई है।

केरल

केरल में कांग्रेस ने सांसदों को नहीं दिया विधानसभा का टिकट

एजेंसी ▶▶| कोच्चि

केरल चुनावों के लिए 37 उम्मीदवारों की दूसरी और फाइनल लिस्ट जारी कर कांग्रेस ने ये साफ कर दिया कि इन चुनावों में किसी भी सांसद को टिकिट नहीं दिया जाएगा, सीटों के बंटवारे को लेकर हंगामे और सांसदों की मांगों के बीच कांग्रेस ने 37 उम्मीदवारों की सूची में लोकसभा के किसी सदस्यों को टिकट नहीं मिला है। कांग्रेस सांसद के सुधाकरण कन्नूर सीट से टिकट मांग रहे थे वहां टी ओ मोहनन को उतारा गया है जबकि कोन्नी से टिकिट मांगने वाले एमपी अडूर प्रकाश को भी निराशा हाथ लगी वहां पार्टी ने प्रोफेसर सतीश कोच्चरम्बील को जगह दी है।

अधिकांश विधायकों को रखा बरकरार

कांग्रेस पार्टी ने अंबलपुझा, तलिपरम्बु, पय्यनूर और ओट्टपालम में उम्मीदवारों की घोषणा नहीं की है, जहां सीपीएम के विद्रोही नेता जी सुधाकरन, टी के गोविंदन, वी कुन्हीकृष्णन और पीके ससी मैदान में हैं। कांग्रेस ने त्रिपुनिथरा और पेरुंबावूर को छोड़कर अपने अधिकांश मौजूदा विधायकों को बरकरार रखा है। केरल विधानसभा के 140 सदस्यों में से पार्टी 92 सीटों पर चुनाव लड़ेगी, जबकि तीन निर्वाचन क्षेत्रों में वह उन बागी नेताओं को समर्थन देगी जिन्होंने सीपीएम से बगावत की है।

पूर्व भाजपा नेता को भी टिकट

कांग्रेस ने त्रिपुनिथरा में के बाबू के स्थान पर दीपक जाय को टिकट दिया गया है। कुट्टनाड से निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ने की धमकी देने वाले साजी जोसेफ को पूंजार से टिकट दिया गया है। युवा कांग्रेस नेता अबिन वर्गी अरनमुला से भाजपा के कुम्मनम राजशेखरन के खिलाफ चुनाव लड़ेंगे। वहीं नेमम से भाजपा प्रदेश अध्यक्ष राजीव चन्द्रशेखर के सामने पार्टी ने अपने युवा चेहरे और अरुविकरा से पूर्व एमएलए केएस सबरीनाथन को मैदान में उतारा है। कांग्रेस में शामिल हुए पूर्व भाजपा नेता संदीप वारियर को भी कासरगोड के त्रिकारिपुर से टिकट दिया गया है।

केरल : भाजपा ने 11 उम्मीदवारों की तीसरी सूची जारी की

भाजपा ने केरल विधानसभा चुनाव के लिए 11 उम्मीदवारों की अपनी तीसरी सूची शनिवार को जारी की। पार्टी ने तिरुवनंतपुरम से करमना जयन को उम्मीदवार बनाया है। सूची के अनुसार, पुथुपल्ली से रवीन्द्रनाथ वकत्थानम को, चवरा से के आर राजेश को, चदयामंगलम से आर एस अरुण राज को और पीरुमाडे सीट से वी रतीश चुनाव मैदान में उतरेंगे। विवेक गोपन को अरुविक्करा सीट, टी एन सुरेश को कोवलम और एस राजशेखरन नायर को नेय्याट्टिनकारा सीट से उम्मीदवार बनाया गया है। पार्टी ने मावेलिक्करा सीट से अजिमोन, चिरायिनकीझु से बी एस अनूप और अदूर सीट से पंडालम प्रतापन को उम्मीदवार बनाया है।

पुडुचेरी

एनडीए में सीट शेयरिंग का तय हुआ फार्मूला, 10 सीटों पर लड़ेगी भाजपा

पुडुचेरी। केंद्र शासित प्रदेश पुडिचेरी की 30 सीट के लिए एनडीए में सीट शेयरिंग का काम पूरा हो गया है। पुडुचेरी में एनडीए का नेतृत्व करने वाली एआईएनआरसी कांग्रेस 16 सीटों पर चुनाव लड़ेगी, जबकि भारतीय जनता पार्टी 10 सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारेगी। एआईएडीएमके को 2 सीट और लक्ष्य जननायगा कक्षी को 2 सीट दी गई हैं। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन में प्रमुख दल ऑल इंडिया एन.आर. कांग्रेस और भाजपा हैं। साथ ही एआईएडीएमके और लक्ष्य जननायगा कक्षी एक साथ मिलकर एनडीए के तहत चुनाव लड़ रही हैं।

एआईएनआरसी के नेता एन. रंगासामी मुख्यमंत्री हैं। एनडीए का मुख्य आधार एआईएनआरसी कांग्रेस है। जो कि गठबंधन का सबसे बड़ा दल है।

पुडुचेरी में हैं 30 विधानसभा सीट

केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी की विधानसभा में कुल 30 निर्वाचित सीटें हैं। इनमें से 5 सीटें अनुसूचित जाति (SC) के लिए आरक्षित हैं। इसके अलावा केंद्र सरकार द्वारा 3 सदस्य नामांकित किए जाते हैं, जिससे विधानसभा की कुल ताकत 33 हो जाती है। विधानसभा में बहुमत के लिए कम से कम 16-17 सीटों की जरूरत पड़ती है।

तमिलनाडु

चुनाव से पहले साथ आए शशिकला और रामदास सभी सीटों पर साथ लड़ने की तैयारी, फार्मूला तय

चेन्नई। तमिलनाडु की राजनीति में 2026 के विधानसभा चुनाव से पहले हलचल तेज हो गई है। एक नई राजनीतिक साझेदारी की चर्चा जोर पकड़ रही है, जिसने राज्य की सियासत को और दिलचस्प बना दिया है। पूर्व मुख्यमंत्री जे जयललिता की करीबी सहयोगी वीके शशिकला ने हाल ही में अपनी नई पार्टी ऑल इंडिया पुराची थलाइवर मक्कल मुनेत्र कषगम बनाई है। शशिकला ने घोषणा की है कि उनकी पार्टी 2026 के तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में अन्य समान विचारधारा वाले दलों के साथ मिलकर चुनाव लड़ेगी। वीके शशिकला की नई पार्टी और पीएमके संस्थापक एस रामदास की मुलाकात ने नए गठबंधन के संकेत दिए हैं। दोनों नेता साथ मिलकर 234 सीटों पर चुनाव लड़ने की तैयारी में हैं। इस संभावित गठबंधन से राज्य की सियासत में हलचल बढ़ गई है और माना जा रहा है कि यह आने वाले चुनाव में बड़ा असर डाल सकता है।

पिता और बेटे के साथ राजनीतिक मतभेद

इस बीच, रामदास के बेटे अनबुमणि रामदास ने अलग राजनीतिक रास्ता अपनाते हुए राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन में शामिल होकर अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम के साथ समझौता किया है। इस वजह से पिता और बेटे के बीच राजनीतिक मतभेद की भी चर्चा हो रही है।

असम

टीएमसी ने जारी की पहली लिस्ट

असम। विधानसभा चुनाव से पहले राजनीतिक हलचल भी काफी तेज हो गई है। बता दें कि असम में टीएमसी का सीधा मुकाबला भाजपा और कांग्रेस से होगा। इस बीच अखिल भारतीय तृणमूल कांग्रेस ने असम विधानसभा चुनाव के लिए 17 उम्मीदवारों के नाम का ऐलान कर दिया है। इस लिस्ट में कुल 17 केंडिडेट्स के नाम हैं।

टीएमसी के इन प्रत्याशियों के नाम का ऐलान

टीएमसी की ओर से जारी प्रत्याशियों की लिस्ट में बाओखुंगरी से दांगी नार्जरी, बिलासीपारा से मोमिनूर इस्लाम, जलेश्वर से आरिफ अख्तर अहमद, अभयपुरी से कौशिक रंजन दास, बजली से कल्याणी कलिता, चमरिया से दालू अहमद, बोको चायगांव से भोगलाल राभा, पालास्बरी से बिकास नाथ योगी, बरखेत्री से अमिरुल इस्लाम, गोरेश्वर से रंजन चौहान, मंगलादाई से हरे कृष्णा डेका, धेमाजी से नरेंद्र कुमार पॉ, दिग्बोई से जितेन नाग, माकुम से दिलीप मोरन, उधारबोंद से तापस दास, काटीगोरा से फजलूर रहमान लश्कर और सोनाई सीट से शाहजहां लश्कर का नाम है।

पश्चिम बंगाल

ममता बोलीं- मोदी खुद ही सबसे बड़े घुसपैठिया, आपका मतदान अधिकार नहीं छीनने देंगे

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शनिवार सुबह ईद के मौके पर एक सभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने राज्य में चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण की आलोचना की। मुख्यमंत्री ने सीधे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा और आरोप लगाया कि इस पूरी प्रक्रिया के पीछे असली दिमाग उन्हीं का है। मुख्यमंत्री बनर्जी ने कहा, मैं भाजपा या प्रधानमंत्री को कभी भी आपके मतदान के अधिकार छीनने नहीं दूंगी। वे अक्सर कुछ लोगों को घुसपैठिया बताते हैं। खुद वह सबसे बड़े घुसपैठिया हैं। सऊदी अरब की यात्रा के दौरान हाथ मिलाते समय या दुबई की यात्रा के दौरान गले मिलते समय वे हिंदू-मुस्लिम मुद्दों को क्यों भूल जाते हैं? लेकिन जब भी वह देश लौटते हैं, तो मतदाता सूची से कुछ लोगों के नाम हटाने के बारे में सोचते हैं। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल में संशोधन प्रक्रिया के दौरान कई नाम मतदाता सूची से हटा दिए गए हैं। इस बुराई के खिलाफ मेरी लड़ाई जारी है। नामों को अंधाधुंध हटाने के इस मामले को लेकर मैंने सुप्रीम कोर्ट तक का रुख किया है। मतदाता सूची से नामों को अंधाधुंध हटाने के खिलाफ मेरी लड़ाई जारी रहेगी।

'प. बंगाल का हिंदू पीड़ित' सुवेंदु अधिकारी ने लगाए गंभीर आरोप

कोलकाता। पश्चिम बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता सुवेंदु अधिकारी ने राज्य की तृणमूल कांग्रेस सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल में हिंदू पीड़ित हैं। यहां हिंदू समाज और साधु-संतों के ऊपर हमले होते हैं। उन्होंने सरकार और पुलिस पर दूसरे पक्ष के लोगों को संरक्षण देने के भी आरोप लगाए। सुवेंदु अधिकारी ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा, हम हिंदू हैं और सनातन धर्म के अनुयायी हैं। जो लोग हिंदुओं के हितों के लिए काम करेंगे, वही भविष्य में बंगाल पर राज करेंगे। यहां हिंदुओं की हालत अच्छी नहीं है। उन पर अत्याचार हो रहा है। हिंदू समाज की रक्षा करना सरकार की जिम्मेदारी है, लेकिन वह ऐसा नहीं कर रही है। उन्होंने कहा, /''बंगाल का हिंदू पीड़ित है। बंगाल की मुख्यमंत्री एक हिंदू होने के नाते भी दूसरे धर्मों के लोगों को संरक्षण देने का काम कर रही हैं। वे तुष्टिकरण की राजनीति करती हैं।

विपक्ष में बैठने की तैयारी करें ममता बनर्जी : महतो

पुरुलिया। पश्चिम बंगाल से भाजपा सांसद ज्योतिर्मय सिंह महतो ने टीएमसी के घोषणा पत्र पर तंज कसा। उन्होंने कहा कि ममता बनर्जी को अब सत्ता की नहीं, विपक्ष में बैठने की तैयारी करनी चाहिए। सांसद महतो ने कहा कि मुख्यमंत्री घोषणा पत्र नहीं बना सकतीं। लेकिन, पश्चिम बंगाल की टीएमसी सरकार में सब कुछ संभव है, लेकिन मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को समझना चाहिए कि चुनाव परिणाम के बाद उन्हें विपक्षी खेमे में बैठना है। जनता 15 साल इनके धोखे में रही है, अब जनता टीएमसी सरकार को आगे बर्दाश्त नहीं कर सकती है।

मथुरा में हुआ जमकर बवाल

फरसे वाले बाबा की मौत पर हंगामा, सेना ने संभाला मोर्चा

एजेंसी ▶▶| मथुरा

उत्तर प्रदेश के कान्हा की नगरी मथुरा में शनिवार को उस वक्त युद्ध जैसे हालात बन गए, जब विख्यात गो-सेवक बाबा चंद्रशेखर उर्फ 'फरसा वाले बाबा' की मौत की खबर फैली।

आक्रोशित ग्रामीणों और गो-सेवकों की भीड़ ने दिल्ली-आगरा हाईवे पर कब्जा कर लिया और पुलिस पर जमकर पथराव किया। स्थिति इतनी बेकाबू हो गई कि पुलिस को आंसू गैस के गोले दागने पड़े और अंततः सेना की टुकड़ी को मोर्चा संभालना पड़ा। इस मामले में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। सीएम ने घटना के लिए जिम्मेदार अपराधियों को तत्काल गिरफ्तार करने के निर्देश दिए। बाबा की मौत के बाद उनके कुछ समर्थकों और अन्य लोगों ने उनके शव को लेकर हाईवे जाम कर दिया था। एसपी ग्रामीण सुरेश चंद्र रावत ने कहा कि स्थिति नियंत्रण में है।

कंटेनर से कुचलने का आरोप, पुलिस ने कहा- कोहरे से घटना

आरोप लगाया जा रहा है कि गोतस्करों ने उन्हें कंटेनर से कुचल दिया है, जिसमें उनकी मौत हो गई है। इस घटना को लेकर आगरा रेंज के डीआईजी शैलेश पांडे ने बताया कि तड़के सुबह बरसाना थाना क्षेत्र के रहने वाले बाबा ने कुछ अन्य लोगों के साथ मिलकर मवेशियों की तस्करी के शक में एक ट्रक को रोक लिया था। उस समय घना कोहरा था और पीछे से आ रहे एक दूसरे ट्रक ने रुके हुए ट्रक में टक्कर मार दी। इस दुर्घटना में फरसे वाले बाबा घायल हो गए और बाद में उनकी मौत हो गई है। गुस्साए लोगों ने सड़क उतर कर दिल्ली-आगरा हाईवे को जामकर जमकर बवाल काटा है।

एक्स्ट्रा-चार्ज ना लेने का विरोध

एयरलाइंस बढ़ा सकती हैं किराया बोलीं- मजबूरन लेना पड़ेगा फैसला

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

इंडिगो, एअर इंडिया और स्पाइस जेट ने फ्लाइट्स की 60% सीटों पर एक्स्ट्रा चार्ज न वसूलने के सरकार के फैसले विरोध किया है। एयरलाइंस का कहना है कि इस कदम से उन्हें अपनी खोई हुई कमाई की भरपाई के लिए हवाई किराया बढ़ाने पर मजबूर होना पड़ेगा।

तीनों एयरलाइंस का प्रतिनिधित्व करने वाली फेडरेशन ऑफ इंडियन एयरलाइंस ने सिविल एविएशन मिनिस्ट्री से इस फैसले को वापस लेने का आग्रह किया है। क्या है सरकार के आदेशदरअसल, एविएशन मिनिस्ट्री ने बुधवार को भारत में हवाई यात्रा को ज्यादा सुविधाजनक बनाने के लिए नए नियम जारी किए थे। नए आदेश के मुताबिक एयरलाइंस की हर फ्लाइट में कम से कम 60% सीटें बिना किसी एक्स्ट्रा चार्ज के बुक होंगी। ये निर्देश घरेलू फ्लाइट्स पर लागू होंगे।

वित्तीय स्थिति प्रभावित होगी : फेडरेशन

फेडरेशन ऑफ इंडियन एयरलाइंस ने कहा कि इस निर्देश से एयरलाइंस की वित्तीय स्थिति काफी प्रभावित होगी। एयरलाइंस के लिए सीट चुनने का शुल्क कमाई का एक वैध (सही) तरीका है। एयरलाइंस बहुत कम मुनाफे पर काम करती हैं, इसलिए उन्हें अतिरिक्त सेवाओं (जैसे सीट चयन) से कमाई करनी पड़ती है। ईंधन, रखरखाव और एयरपोर्ट शुल्क जैसे खर्च लगातार बढ़ रहे हैं। अगर सीट चयन शुल्क पर रोक लगाई गई तो एयरलाइंस की कमाई कम हो जाएगी और उनका कामकाज प्रभावित होगा।

नवरात्र में भीड़ के कारण वैष्णो देवी यात्रा स्थगित

जम्मू। चैत्र नवरात्र के कारण उमड़ी भीड़ के बीच शनिवार को वैष्णो देवी तीर्थयात्रा तीर्थयात्रा स्थगित कर दी गई। शनिवार को शाम चार बजे तक 39,000 श्रद्धालुओं ने गुफा मंदिर में पूजा-अर्चना की। उन्नीस मार्च से शुरू हुए चैत्र नवरात्र के कारण भीड़ बढ़ गई है। नवरात्र पर्व 27 मार्च तक चलेगा। श्राइन बोर्ड के एक अधिकारी ने कहा, ''भवन में भारी भीड़ के कारण यात्रा को अस्थायी रूप से स्थगित कर दिया गया है। भारी भीड़ के कारण शनिवार को शाम 4 बजे यात्रा स्थगित कर दी गई।

घमंडी - दर्द का दुश्मन 25 दर्द की एक दवा
सिर दर्द, कमर दर्द, पसली दर्द या किसी भी अंग के आकस्मिक दर्द पर, दांत-दाढ़ के दर्द पर, चोट, मोच, सूजन पर, सर्दी- जुकाम पर, खांसी व श्वास (दमा) पर, न्यूमोनिया पर, गांठ (मांस की गांठ पड़ जाने पर), गिल्सी पर, टांसिल बढ़ने पर, कुलंग वात (सायटिका) पर, गठिया वात पर, चिकनगुनिया के दर्द पर, पेट फूलने पर, पेट दर्द व गैस पर, ताजे घाव का खून बंद करने के लिए, पके घाव के चारों और सूजन पर, खाज-खुजली पर, उठती हुई फुड़िया, बिस्कुटी आदि पर, खुर्रा पर, बिबाई फटने पर, बर्र काटने पर, बिच्छू काटने पर, थकावट पर असरकारक है।
गैस आउट सिरप
गैस, अरुचि, कब्ज़, अफरा, अपचन में तुरंत असरकारक नैचुरल आयुर्वेदिक है
सुगर के मरीज भी ले सकते हैं...
HMS देखकर खरीदें
एक बार उपयोग कर देखें
94060-21769

हरिभूमि HEALTH CARE
छत्तीसगढ़ के मेडिकल विशेषज्ञ

डायबिटिज मधुमेह का सर्वोत्तम इलाज - अब दिल्ली, मुंबई, चेन्नई क्यू जाना
मधुमीत डायबिटिज हॉस्पिटल | डॉ राका शिवहरे MBBS, MD FNIC FIPA | भर्ती सुविधा उपलब्ध
Ecg, Echo, Tmt, Doppler, Carotid, Doppler, Insulin, Pump, Cgms, Homa IR
शिव मंदिर चौक, अवंति विहार, रायपुर, मो. 8269885003, मो. 7389485756

अहलूवालिया हॉस्पिटल
81031 28515, 0771-4050006
नेमीचंद गली, रामसागर पारा, स्टेशन रोड रायपुर
• कान, नाक, गला रोग • Hearing Aids • दंत रोग • मुख के कैंसर/प्लास्टिक सर्जरी • चक्कर, खर्राटे

श्री सांई केयर हॉस्पिटल
डॉक्टर से सेकंड ओपिनियन, बिना किसी फीस हर सोमवार शाम।
फ्री ओपीडी सेवा महीने के प्रत्येक सोमवार समय: शाम 5 बजे से 7 बजे तक
उपलब्ध सेवाएं: कैंसर केयर, डायबिटिक केयर, पाईल्स केयर
आयुष्मान कार्ड द्वारा निःशुल्क ईलाज सुविधा उपलब्ध
शिव मंदिर के पास, अवंती विहार, तेलीबांधा, रायपुर (छ.ग.) | बुक अपॉइंटमेंट : 0771-4020089, 9630067422

डॉ. राठौर चेस्ट क्लिनिक
दमा, टी.बी., छाती एवं एलर्जी रोग विशेषज्ञ
सुविधाएं स्पेशलिस्ट: पी.एफ.टी., ब्रांकोस्कोपी, स्लीप स्टडी, खांसी, श्वांस, दमा, टी.बी., निमोनिया, एलर्जी फेफड़े का कैंसर, खर्राटे व नींद
समय दोपहर 2.00 बजे से शाम 7.00 बजे तक (रविवार अवकाश)
गरचा कॉम्प्लेक्स, कचहरी चौक, जेल रोड, रायपुर मो. 7999450384, 7042974029

डॉ. नरेन्द्र अग्रवाल
चर्म एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
सुविधाएं: • लेजर हेयर रिमूवल • हाइड्रोफेशियल • कार्बन फेशियल • केमिकल पीलिंग • रेडियोफ्रिक्वेंसी • एलर्जी टेस्ट
रविवार अवकाश
क्लीनिक : छत्तीसगढ़ कॉलेज के सामने, सिविल लाईन, बैरनबाजार, रायपुर (छ.ग.) समय : सुबह 10:00 से 2:00 बजे तक
सिटी कोतवाली के पास, छोटापारा रोड, रायपुर (छ.ग.) शाम 5:00 से 8:30 बजे तक, फोन : 0771-2546760, 9300323131

डायबिटिक क्लीनिक
Dr. Satyajeet Sahu Advance Dibetes & Thyroid care centre
डायबिटीज / शुगर संबंधी सभी समस्याएं, थायराइड, मोटापा, प्रेग्नेंसी डायबिटिस, फुलबॉडी चेकअप, डायबिटिक सेक्स रोग, नसों की सुन्नता।
Appointments No. 7724035770 9329004557 9303724304
17, गुरूकुल कॉम्पलेक्स, कालीबाड़ी रायपुर, समय - सुबह 10 से 5, शाम 6 से रात 9 बजे तक

कान, नाक, गला, एलर्जी एवं वर्टिगो (चक्कर) कोअब्लेशन एवं लेजर सर्जरी हॉस्पिटल
डॉ. जाऊलकर ई.एन.टी. हॉस्पिटल
सेन्ट्रल एवेन्यू चौबे कालोनी प्रगति कॉलेज रायपुर (छ.ग.) (ISO 9001-2000 Certified)
फोन: 0771-4044551 समय: सुबह 9.30 से 4.30 तक

Vrinda वृन्दा चेस्ट एंड एलर्जी मल्टीस्पेशियलिटी हॉस्पिटल
छाती, एलर्जी एवं सांस से जुड़ी सभी बीमारियों का आधुनिक एवं विशेषज्ञ उपचार एक ही स्थान पर
50 बिस्तरों का सर्वसुविधायुक्त हॉस्पिटल 24 घंटे आपात चिकित्सा
अवंति बाई चौक, लोधीपारा, पंडरी रोड, कांपा, रायपुर (छ.ग.) संपर्क : 8962566221, 07714916125, 7223065604

अग्रवाल हॉस्पिटल (मल्टीस्पेशियेलिटी सेन्टर)
उपलब्ध विशेषताएं • लेप्रोस्कोपिक एवं जनरल सर्जरी • जनरल मेडीसीन • ऑर्थोपेडिक्स • जोड़ प्रत्यारोपण सर्जरी • ऑन्कोलॉजी (सर्जिकल) • गायनेकोलॉजी
लेप्रोस्कोपिक सर्जरी में सभी प्रकार की हार्निया, अपेन्डिक्स, पित की थैली, बच्चादानी आदि से संबंधित ऑपरेशन सभी तरह की कैंसर सर्जरी एवं कीमोथेरेपी की सुविधा उपलब्ध
जी.ई.रोड, आर.के.सी. कॉम्पलेक्स के सामने, रायपुर (छ.ग. 492001)
फोन: +91-0771-4088107/108, ईमरजेंसी नंबर 9109187755, डॉ. सजन अग्रवाल - 9329101037 OPD समय - शाम 4 से 6 बजे

निवेद चेस्ट & आई केयर
डॉ. देवी ज्योति दास M.D. DNB PULMONARY MEDICINE (DELHI) (Gold medalist)
उपलब्ध सुविधायें: एलर्जी, अस्थमा, निमोनिया, फिजीयोंथेरेपी, धूम्रपान नियंत्रण स्लिप स्टडी और आईसीयू केयर
आई केयर सुविधायें: मोतियाबिंद, काला मोतिया, डायबिटिक रेटिनॉपैथी और मेडिकल रेटिना
डॉ. नमित नंदे MS Ophthalmology
24, Central Avenue, Ground Floor, Below SBI Personal Banking Branch, Choubey Colony, Raipur (C.G.), Mob.: 0711-4337888,7697752001

अष्टविनायक हॉस्पिटल
बच्चों एवं महिलाओं का अस्पताल
• प्रसूति • नवजात • शिशु रोग • बांझपन • सोनोग्राफी • आयुष्मान कार्ड • बच्चों एवं बड़ों के आपरेशन • अनुभवी डॉक्टर्स प्रतिदिन
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.), 9826182221 9301744425

सिंघानिया स्किन केयर
सभी प्रकार के स्किन एवं बाल संबंधी समस्याओं का निदान, मुंहासे, झांई, झुर्रियों का इलाज, अनचाहे बालों हेतु लेजर ट्रीटमेंट
36, प्रथम तल, गुरूकुल कॉम्पलेक्स कालीबाड़ी, रायपुर 0771-4053311
Email:bsinghania111@yahoo.co.in
Makeover Skin, Hair & Aesthetic Cente
रानी सती मंदिर के पास, कैनाल लिंकिंग रोड, रवीनगर, राजातालाब, रायपुर
मो. 94252-14479 0771-4020411
www.makeoverraipur.com
त्वचा व बाल संबंधी समस्याओं का इलाज

डॉ. मनोज अग्रवाला
एमडी (सीएमसी वेल्लोर) (गोल्ड मेडलिस्ट)
स्किन क्लिनिक
सेवाएं • मुहासें • सोरासिस • स्किन एलर्जी • पिगमेंटेशन • विटिलियो / ल्यूकोडरमा • पीआरपी थेरेपी • एलोपेसिया • अर्टीकेरिया • फंगल इंफेक्शन • टेली कंसल्टेशन • लेजर थेरेपी
चौबे कॉलोनी, रायपुर (छत्तीसगढ़) 0771-4003777, 77778-76292

मोतियाबिंद
आयुष्मान कार्ड सुविधा
SBH साईं बाबा नेत्र हॉस्पिटल
छोटी लाईन ब्रिज के पास, फाफाडीह, रायपुर 9644099925

वैरिकोज वेन्स & VASCULAR clinic
वैरिकोज वेन्स & वैस्कुलर क्लिनिक
डॉ. प्रशांत पोटे MD DNB FVIR Interventional Radiologist
• वैरिकोज वेन्स • पैर का अल्सर • डीवीटी • फाइब्रॉइड • थायरॉइड/गॉइटर
पता- 309, लालगंगा बिजनेस पार्क, पचपेड़ी नाका, रायपुर, मोबाईल : 7400628099

पाइल्स
क्षारकर्म (लेप विधि) विशेषज्ञ
(ना कोई सुई, ना भर्ती 2 घंटे के बाद डिस्चार्ज)
राज-राजेश्वरी आयुर्वेदिक वेलनेस सेंटर
25 वर्षों का अनुभव
13000 से ऊपर सफल चिकित्सा
फाफाडीह / पंडरी, रायपुर, मो. 9039050422

विज्ञापन हेतु संपर्क करें:-
7987119756, 9303508130

500 करोड़ के क्लब में शामिल होने बढ़ रही 'धुरंधरः द रिवेंज'

मुंबई। रणवीर सिंह स्टारर इस फिल्म ने अपने शुरुआती दो दिनों में ही वह करिश्मा कर दिखाया है जो बड़े-बड़े ब्लॉकबस्टर्स के लिए हफ्तों का काम होता है। फिल्म ने महज दो दिनों में घरेलू बाजार में 200 करोड़ के क्लब में एंट्री कर ली है। ट्रेड वेबसाइट के मुताबिक, फ़िल्म ने शुक्रवार को लगभग 80.72 करोड़ (नेट) की कमाई की, जिससे भारत में दो दिनों का कुल कलेक्शन 226.27 करोड़ तक पहुंच गया है। 103 करोड़ और 146 करोड़ की शानदार ओपनिंग के बाद, शनिवार और रविवार दोनों दिन की कमाई शुरुआती अनुमानों से ज़्यादा रहने की उम्मीद है। 'धुरंधरः द रिवेंज' अपने ओपनिंग वीकेंड के आखिर तक दुनिया भर में प्रतिष्ठित 500 करोड़ क्लब में शामिल होने का लक्ष्य लेकर चल रही है।

लाइफ Style

उल्का

'केरला स्टोरी-2' समाज का आईना

एजेंसी ▶▶ मुंबई

अभिनेत्री उल्का गुप्ता इन दिनों अपनी हालिया रिलीज फिल्म 'केरला स्टोरी-2' को लेकर सुर्खियों में छाई हुई हैं। इस फिल्म में तीन अलग-अलग राज्यों की कहानी को दिखाया गया है, जिसमें धोखे से धर्मांतरण कराया गया है।

अभिनेत्री उल्का गुप्ता ने फिल्म को समाज का आईना बताया। उल्का ने कहा कि फिल्में समाज का आईना होती है और समाज में जो हो रहा है, क्रिएटर्स या मेकर्स उसे अपने अंदाज में दिखाते हैं। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि अलग-अलग तरह की फिल्में या कहानियां बनती रहनी चाहिए क्योंकि कभी-कभी हम फिल्में मनोरंजन के लिए, तो कभी शिक्षा के लिए, तो कभी ड्रामा या रोमांस के लिए देखते हैं और जहां भी मुझे लगता है कि कहानी या फिर उसका किरदार पसंद आएगा, तो मैं उसमें हिस्सा लेना पसंद करती हूं। 27 फरवरी को फिल्म 'केरल स्टोरी 2' रिलीज हुई थी और इसके पहले से ही फिल्म को लेकर विवाद, चर्चा और सोशल मीडिया पर बहस तेज हो गई थी। कई लोगों ने फिल्म को प्रोपेगेंडा करार दिया था, तो कुछ ने इसे गंभीर सामाजिक मुद्दे पर बनी फिल्म बताया था। हालांकि, काफी जगह से फिल्म को लेकर सकारात्मक रिस्पॉन्स भी देखने को मिल रहा है। फिल्म को मिल रही प्रतिक्रिया को लेकर अभिनेत्री का कहना है, यह फिल्म 27 फरवरी को रिलीज हुई थी और धीरे-धीरे अब पूरे देश से बहुत पॉजिटिव फीडबैक मिला है। मेरा परिवार और दोस्त मुझे बता रहे हैं कि इस फिल्म का उन पर बहुत गहरा असर पड़ा है।

मैं हर हेयर वीविंग कंपनी का सपना हूं : अनुपम

मुंबई। बॉलीवुड के दिग्गज एक्टर अनुपम खेर फैंस के बीच एक अलग ही पहचान रखते हैं। उन्होंने कई फिल्मों में काम किया है, लेकिन अधिकतर उनका बाल्ड लुक ही देखने को मिला है। रियल लाइफ में एक्टर हमेशा बाल्ड लुक में ही नजर आते हैं। ऐसे में अब एक्टर का बाल्ड लुक ही उनकी पहचान बन गया है। वहीं, हाल ही में अनुपम खेर ने खुलासा किया कि उन्हें हेयर ट्रांसप्लांट का कभी बार ऑफर हुआ, लेकिन उन्होंने बाल नहीं लगवाए। हाल ही में एक इंटरव्यू में अनुपम खेर ने बताया कि कई हेयर वीविंग कंपनियों और डॉक्टरों ने उन्हें हेयर ट्रांसप्लांट कराने के लिए पैसे ऑफर किए थे, लेकिन उन्होंने मना कर दिया। उन्होंने कहा, मैं हर हेयर वीविंग कंपनी का सपना हूं। बहुत से लोग पैसे देने को तैयार हैं कि बस बाल लगवा लो। लेकिन मैंने उन्हें ये मौका नहीं दिया। अनुपम का कहना है कि कितने भी पैसे की जरूरत हो, वह बाल नहीं लगवाएंगे क्योंकि ऐसा करने से वह खुद को बदल देंगे और वही अनुपम खेर नहीं रहेंगे। इस दौरान एक्टर ने एक मजेदार किस्सा भी सुनाया। उन्होंने बताया कि जब उनके बेटे सिकंदर छोटे थे, तो एक बार वह पढ़ रहे थे, जिसमें हेयर ऑयल का विज्ञापन था। सिकंदर ने सोचा पिताजी बाल लगवाने के बारे में सोच रहे हैं, तो उन्होंने कहा, 'पिताजी, सोचना भी मत।' अनुपम खेर का कहना हैं कि युवा उन्हें 'सर' या 'अंकल' न कहकर 'एके' या 'अनुपम जी' कहें। अनुपम को 'अंकल जी' कहलाना पसंद नहीं क्योंकि इससे वह एक खास उम्र की कैटेगरी में बंध जाते हैं। वे रूढ़ियों को तोड़ना चाहते हैं।

पीरियड ड्रामा में नजर आएंगी सई

मुंबई। एक्टर महेश मांजरेकर की बेटी व बॉलीवुड एक्ट्रेस सई मांजरेकर जल्द ही एक ऐसी दुनिया में कदम रखने जा रही हैं, जो आज के समय से बिल्कुल अलग है। वह इन दिनों प्री-इंडिपेंडेंस दौर पर आधारित पीरियड ड्रामा की तैयारी कर रही हैं। यह प्रोजेक्ट उनके लिए एक बड़ा बदलाव है। सई का कहना है कि इस फिल्म की तैयारी काफी चुनौतीपूर्ण और उनके लिए बिल्कुल नया अनुभव रही है। फिल्म के बारे में सई मांजरेकर ने बताया कि इस किरदार ने उन्हें एक्टिंग को एक अलग नजरिए से समझने के लिए प्रेरित किया है। उस दौर के सामाजिक और सांस्कृतिक माहौल को समझने से लेकर अपनी बॉडी लैंग्वेज, बोलने का तरीका और हाव-भाव बदलने तक, उन्होंने इस किरदार के लिए काफी रिसर्च और मेहनत की है ताकि वह उस समय को सही तरीके से पर्दे पर दिखा सकें। अपने अनुभव को लेकर सई ने कहा, यह प्रोजेक्ट मेरे लिए अब तक की सबसे चुनौतीपूर्ण और रोमांचक यात्राओं में से एक रहा है। खासकर प्री-इंडिपेंडेंस दौर पर आधारित पीरियड ड्रामा के लिए सिर्फ डायलॉग याद करना और सेट पर पहुंच जाना काफी नहीं होता।

44 की उम्र में विवाह बंधन में बधेंगी

मुंबई। एक्ट्रेस अनुष्का शेट्टी की पर्सनल लाइफ सुर्खियों में है। उनकी शादी की खबरों ने उनके फैंस के बीच काफी हलचल मचा दी है। अगर रिपोर्ट्स पर यकीन करें, तो अनुष्का 44 साल की उम्र में घर बसाने के लिए तैयार हैं। वैसे, यह पहली बार नहीं है जब उनकी शादी को लेकर अफवाहें सामने आई हैं। पहले भी उनकी शादी और लव लाइफ को लेकर काफी अटकलें लगाई गई थीं। 'बाहुबली' के बाद, एक्ट्रेस का नाम उनके को-स्टार प्रभास के साथ जोड़ा गया था। यहां तक कि यह भी अफवाह थी कि दोनों अपने रिश्ते को ऑफिशियल कर सकते हैं। हालांकि, बाद में प्रभास और अनुष्का दोनों ने इन रिपोर्ट्स को गलत बताया और साफ किया कि वे सिर्फ अच्छे दोस्त हैं।

अगर अनुष्का की शादी की खबर सुनकर आपको लगा कि उनके होने वाले पति फिल्म इंडस्ट्री से हैं। तो चलिए हम आपकी यह गलतफहमी अभी दूर कर देते हैं। कई रिपोर्ट्स के मुताबिक, उनके होने वाले दूल्हे एक बिजनेसमैन हैं और साथ ही उनके परिवार के दोस्त भी हैं। फिलहाल, इससे ज़्यादा कोई और अपडेट सामने नहीं आया है। अनुष्का शेट्टी ने खुद भी अपनी शादी को लेकर अभी तक कोई ऑफिशियल बयान नहीं दिया है।

सड़क किनारे इस्तरी करते दिखे सुनील

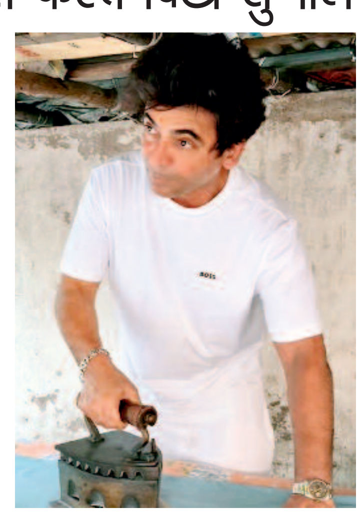

मुंबई। अभिनेता और कमीडियन सुनील ग्रोवर हर बार अपने अभिनय से लोगों को हैरान कर देते हैं। अपने किरदार में इस तरह डूब जाते हैं कि बड़े-बड़े स्टार भी उन्हें देखकर चौंक जाते हैं। उन्होंने अपना नया टैलेंट दर्शकों के सामने पेश किया। दरअसल, अभिनेता ने अपने इंस्टाग्राम पर एक मजेदार वीडियो पोस्ट किया। इसमें वे सड़क के किनारे एक छोटी दुकान पर पैंट पर प्रेस कर रहे हैं। वीडियो में वे बिल्कुल आम प्रेस वाले की तरह काम कर रहे हैं। पहले उन्होंने कपड़े पर थोड़ा पानी छिड़का, फिर पुरानी कोयले वाली प्रेस से सारी सिलवटें बिल्कुल साफ कर दीं। इसे देखकर लग रहा है कि जैसे वे रोजमर्रा की जिंदगी में इसे आराम से करते हों। वहीं, वीडियो के बैकग्राउंड में सुनील ने पुरानी फिल्म का गाना 'कौन है, तेरा मुसाफिर' ऐड किया। सुनील ने वीडियो पोस्ट कर लिखा, हेलो दोस्तों! अच्छे कपड़े पहन लो। सुनील के पोस्ट शेयर करने के बाद इंडस्ट्री के दोस्तों और साथी कलाकारों ने तुरंत प्रतिक्रिया दी और कमेंट सेक्शन में प्यार और शुभकामनाओं की बौछार कर दी। कई लोगों ने हार्ट और फायर के इमोजी कमेंट किए।

बच्चों को प्यार और सही माहौल देना सबसे जरूरी : नकुल

मुंबई। टेलीविजन से लेकर ओटीटी की दुनिया में अपने अभिनय से दर्शकों के दिलों में राज करने वाले अभिनेता नकुल मेहता ने हाल ही में पेरेंटिंग पर खुलकर बात की। एक्टर ने

इंस्टाग्राम स्टोरीज सेक्शन में एक पॉडकास्ट क्लिप शेयर किया, जिसमें उन्होंने माता-पिता बनने की जिम्मेदारी को खेती-किसानी से जोड़कर बहुत ही खूबसूरत तरीके से समझाया। नकुल ने कहा, माता-पिता भी एक किसान जैसे हैं। किसान अपने खेतों में जैसे बीज बोता है, पानी देता है, धूप-बारिश का ख्याल रखता है और फसल को जानवरों-कीड़ों से बचाता है, वैसे ही माता-पिता भी अपने बच्चों की देखभाल करते हैं। हमारा काम है बच्चों को सही माहौल देना। उन्हें ढेर सारा प्यार, देखभाल और अच्छी परवरिश देना, ताकि वे मजबूत और अच्छे इंसान बनकर बड़े हो सकें। नकुल ने कहा कि आज के समय में बच्चे इंटरनेट और सोशल मीडिया की दुनिया में बड़े हो रहे हैं। ऐसे में उन्हें सही राह दिखाना बेहद जरूरी है। नकुल ने भविष्य की चुनौतियों का जिक्र करते हुए कहा, हमारे बच्चे एक ऐसी दुनिया में बड़े हो रहे हैं, जहां एआई का इस्तेमाल बहुत बड़ा असर डालेगा। हम नहीं जानते कि कल की दुनिया कैसी होगी, इसलिए हमें उन्हें हर चीज सिखाना जरूरी नहीं है, लेकिन हम उनकी जिंदगी में आत्मविश्वास, खुद पर भरोसा और बहुत सारा प्यार भर सकते हैं। अगर हम उन्हें भावनात्मक सुरक्षा दे दें, तो वे किसी भी परिस्थिति का सामना करने के लिए मजबूत बन जाएंगे। अभिनेता दो बच्चों के पिता हैं। 28 जनवरी 2012 को प्रोड्यूसर और सिंगर जानकी पारिख से शादी करने के बाद उन्होंने साल 2013 में पहले बेटे सूफी का स्वागत किया था, जबकि दूसरे बेटे का स्वागत साल 2025 में किया था।

अमेरिका-इज़राइल वर्सेज ईरान युद्ध ने दुनिया जहान को ऊर्जा के खतरे में डाल दिया है। ईरान द्वारा होर्मुज स्ट्रेट बंद किए जाने से खाड़ी मुल्कों को जो जबर्दस्त आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है, उसको सिर्फ स्थायी तौर पर युद्ध विराम के माध्यम से ही रोका जा सकता है। भारत अपनी आवश्यकता की लिक्विड नेचुरल गैस का आयात कतर से करता रहा है। कतर और यूएई से आने वाली लिक्विड नेचुरल गैस का कार्गो हार्मुज स्ट्रेट से गुजरता है। भारत के एलएनजी आयात का लगभग 50 प्रतिशत हिस्सा इसी रास्ते से गुजरकर आता है। खाड़ी देशों में छिड़ने वाला संघर्ष न केवल कच्चे तेल की कीमतों में आग लगा रहा है, अपितु यह उर्वरक संकट के माध्यम से भारत जैसे कृषि प्रधान देशों के रसोई घर तक अपनी तपिश पहुंचा रहा है, जिससे भविष्य में अनाज की पैदावार और उपलब्धता भी प्रभावित हो सकती है। भारत, चीन और ब्राजील जैसे दुनिया के तीन सबसे बड़े कृषि प्रधान देश अपनी मिट्टी की उत्पादकता को जीवित रखने के लिए भारी मात्रा में खाड़ी क्षेत्र से नाइट्रोजन, फास्फोरस और पोटाश का आयात करते हैं। पश्चिम एशिया में जारी इस जंग से बहुत दूर रहते हुए भी भारत को इसके परिणामों को भुगतना पड़ेगा। तेल और गैस आयात पर अत्यधिक निर्भरता को देखते हुए हमें न केवल तेल के भंडार बढ़ाने होंगे, बल्कि नए रास्ते तलाशने की दिशा में प्रयास और तेज करने होंगे। इन्हीं हालातों की पड़ताल करता आजकल का यह खास अंक...

युद्ध से खतरनाक होंगे इसके परिणाम

विश्लेषण

प्रभात कुमार रॉय

विदेशी मामलों के जानकार

अमेरिका और इज़राइल द्वारा 28 फरवरी को संयुक्त रूप से ईरान पर आक्रमण का अंजाम दिया गया। इस विनाशकारी युद्ध ने ईरान द्वारा इजराइली शहरों और पश्चिम एशिया के इलाके में विद्यमान अमेरिका सैन्य ठिकानों पर ड्रोनों और मिसाइलों द्वारा आक्रमण अंजाम देकर भयंकर प्रतिउत्तर प्रदान किया गया। ईरान द्वारा खाड़ी मुल्कों में अमेरिका के निकट सहयोगी मुल्कों के तेल और गैस के प्लांट्स को भी अपनी मिसाइलों से निशाना बनाया। बादशाही राजकाज वाले खाड़ी मुल्कों को यह अंदाजा भी नहीं था कि उनको ऐसे भीषण विध्वंसक युद्ध में उलझा दिया जाएगा। अमेरिका द्वारा खाड़ी देशों के बादशाही मुल्कों को सैन्य हिफाजत का आश्वासन ईरान द्वारा तहस-नहस कर दिया गया। आखिरकार अब खाड़ी मुल्कों के पास क्या विकल्प बच गया है? यही कि युद्ध जितनी जल्दी खत्म हो जाएगा, उनका नुकसान उतना ही कम रहेगा।

> **आक्रामक मिसाइलों के विध्वंसकारी प्रहारों से पहले से ही कमजोर हो चुकी दुनिया जहान की ऊर्जा हिफाजत और अधिक गंभीर खतरे में चली गई है। कतर, बहरीन, सऊदी अरब आदि खाड़ी मुल्कों मुल्कों पर ईरान की मिसाइलें कहर बनकर टूट पड़ी है। तेल की कीमतों में जबरदस्त उछाल लगातार देखा जा रहा है। क्रूड ऑयल के विपरीत भारत के पास लिक्विड नेचुरल गैस का कोई भी स्ट्रैटेजिक भंडार नहीं है। पश्चिम एशिया में जारी जंग से बहुत दूर रहते हुए भी भारत को इस जंग के परिणामों को भुगतना पड़ेगा।**

खाड़ी मुल्कों को आर्थिक हानि

होर्मुज स्ट्रेट बंद हो जाने से खाड़ी मुल्कों को जो जबर्दस्त आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है उसको सिर्फ स्थाई तौर पर युद्ध विराम के माध्यम से ही रोका जा सकता है। खाड़ी देशों के बादशाही मुल्क अपना भूगोल परिवर्तित नहीं कर सकते, उनको 9 करोड़ आबादी वाले एक विशाल पड़ोसी देश ईरान के साथ सह-अस्तित्व का रास्ता निकालना ही होगा ! अन्यथा अमेरिका उनकी सैन्य हिफाजत नहीं कर सकता, यह विकट स्थिति वर्तमान युद्ध से सिद्ध हो चुकी है। हालांकि अमेरिका से दूर चले जाना बादशाही खाड़ी मुल्कों के लिए कदापि आसान नहीं होगा, क्योंकि अनेक सैन्य संधियां कम से कम 20 वर्ष की अवधि की होती है। खाड़ी मुल्कों के बड़े-बड़े क्रूड तेल और गैस उत्पादक इलाकों और भंडारों पर निरंतर अंजाम दिए जा रहे हैं। आक्रामक मिसाइलों के विध्वंसकारी प्रहारों से पहले से ही कमजोर हो चुकी दुनिया जहान की ऊर्जा हिफाजत और अधिक गंभीर खतरे में चली गई है। कतर, बहरीन, सऊदी अरब आदि खाड़ी मुल्कों मुल्कों पर ईरान की मिसाइलें कहर बनकर टूट पड़ी हैं। तेल की कीमतों में जबरदस्त उछाल लगातार देखा जा रहा है।

क्रूड तेल, गैस की कीमतें बढ़ी

युद्ध प्रारंभ होने से पहले एशिया में शुरुआती ट्रेड में क्रूड तेल की कीमतें केवल 70 डॉलर प्रति बैरल थी। युद्ध के निरंतर जारी रहते किसी को ज्ञात नहीं है कि क्रूड तेल और गैस की कीमतें कहां जाकर रुकेंगी। विश्व की सबसे बड़ी नेचुरल गैस फील्ड में से एक है ईरान की साउथ पार्स गैस फील्ड।

ईरान की साउथ पार्स फील्ड पर इजरायल ने जोरदार आक्रमण अंजाम दिया। इसके तत्पश्चात ईरान ने कतर के पास रस लाफान की नेचुरल गैस फील्ड (एलएनजी) पर मिसाइल आक्रमण का अंजाम दिया। इन विध्वंसकारी आक्रमणों के तत्पश्चात तो गैस और तेल की कीमत में जबरदस्त उछाल दर्ज किया गया है। रास लाफान में अंजाम दिए गए ईरानी मिसाइल आक्रमण के बाद अमेरिका राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बयान दिया कि इजराइल भविष्य में ईरान के साउथ पार्स गैस फील्ड पर आक्रमण अंजाम नहीं देगा। इसके साथ ही डोनाल्ड ट्रंप ने यह चेतावनी भी दे दी कि अगर भविष्य में ईरान ने दोबारा कतर के रास लाफान पर आक्रमण अंजाम दिया तो अमेरिका ईरान के समस्त ऊर्जा ढांचे को तहस-नहस करके रख देगा।

तेल व्यापार हुआ बाधित

उल्लेखनीय है कि ईरान के साउथ पार्स गैस फील्ड पर अंजाम दिए गए आक्रमण के जवाब में ईरान ने सऊदी अरब, यूएई और कतर के तेल क्षेत्रों पर आक्रमण अंजाम देने की चेतावनी पहले से जारी कर दी थी। अमेरिका-इजराइल विरुद्ध ईरान युद्ध के कारण समस्त पश्चिम एशिया के हालात बहुत अधिक विध्वंसक हो गए हैं। होर्मुज स्ट्रेट के बंद कर दिए जाने से इस जलडमरूमध्य से गुजरने वाला दुनिया का 22 प्रतिशत तेल व्यापार जबरदस्त तौर से बाधित हो गया है। उल्लेखनीय है कि भारत सहित दक्षिण एशिया के समस्त देश तेल और गैस की आपूर्ति के लिए होर्मुज स्टेट और खाड़ी देशों पर अत्याधिक तौर से निर्भर रहे हैं। कतर की रास लाफान पर अंजाम दिए गए भयानक आक्रमण से भारत की नेचुरल गैस आपूर्ति पर जबरदस्त असर पड़ने वाला है। कतर द्वारा लिक्विड नेचुरल गैस (एलएनजी) फील्ड को विकसित करने के लिए अरबों डॉलर का निवेश किया गया। ईरान द्वारा अंजाम दिए गए भीषण आक्रमण के बाद कतर का रास लाफान प्लांट बंद हो गया है। इसके करण यूरोप और दक्षिण एशिया में नेचुरल गैस की कीमतें बहुत बढ़ गई है। हालांकि कतर का एलएनजी उत्पादन एशिया के ही मुल्कों को सप्लाई किया जाता है। उल्लेखनीय है कि यह इलाका सबसे बड़े नेचुरल गैस फील्ड में एक है, जहां पर 51 ट्रिलियन क्यूबिक मीटर नेचुरल गैस का विशाल भंडार है। इस संपूर्ण क्षेत्र को ईरान और कतर दोनों समान रूप से साझा करते हैं। ईरान के आधिपत्य वाले नेचुरल गैस फील्ड को साउथ पार्स फील्ड कहा जाता है और कतर की तरफ वाले फील्ड को उत्तरी फील्ड कहा जाता है। ईरान दुनिया के पटल पर ऐसा चौथ मुल्क है जो कि अमेरिका, चीन और रूस के पश्चात गैस का सबसे बड़ा उपभोक्ता मुल्क है, साउथ पार्स फील्ड से अपनी जरूरत का तकरीबन अस्सी फ़ीसदी गैस प्रयोग करता है।

भारत पर जंग का पड़ेगा असर

ईरान ने भी लिक्विड नेचुरल गैस उत्पादन का एक शक्तिशाली ढांचा बनाने की कोशिश अंजाम दी थी, लेकिन परमाणु कार्यक्रम के कारण आयाद किए गए वैश्विक प्रतिबंधों के कारण उसे बहुत अधिक सफलता नहीं मिल पाई है। भारत अपनी आवश्यकता की लिक्विड नेचुरल गैस का आयात कतर से करता रहा है। कतर और यूएई से आने वाली लिक्विड नेचुरल गैस का कार्गो हार्मुज स्ट्रेट से गुजरता है। भारत के एलएनजी आयात का लगभग 50 प्रतिशत हिस्सा इसी रास्ते से गुजरकर आता है। विनाशकारी युद्ध के बाद भी कतर के गैस प्रोसेसिंग प्लांट को दोबारा शुरू करने में तकरीबन दो हफ्ते से अधिक लग जाएंगे। क्रूड ऑयल के विपरीत भारत के पास लिक्विड नेचुरल गैस का कोई भी स्ट्रैटेजिक भंडार नहीं है। महंगी लिक्विड नेचुरल गैस भारत नहीं खरीद सकता है। पश्चिम एशिया में जारी जंग से बहुत दूर रहते हुए भी भारत को इस जंग के परिणामों को भुगतना पड़ेगा।

उर्वरकों पर खतरा यानी रोटी पर संकट

संकट

दिनेश शर्मा 'दिनेश'

वरिष्ठ स्तंभकार

खाड़ी क्षेत्र में जारी युद्ध केवल सैन्य संघर्ष नहीं हैं, बल्कि यह उस 'खाद्य युद्ध' की पदचाप है जो खेतों की उर्वरता और वैश्विक पेट की भूख को सीधे प्रभावित कर सकती है। दरअसल युद्ध अपने साथ केवल प्रत्यक्ष विनाश, रक्तपात और विस्थापन ही नहीं लाता, बल्कि यह वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला की उन सूक्ष्म धमनियों को भी बाधित करता है, जिनसे दुनिया की अर्थव्यवस्था और खाद्य सुरक्षा संचालित होती है। खाड़ी देशों में छिड़ने वाला संघर्ष न केवल कच्चे तेल की कीमतों में आग लगा रहा है, अपितु यह उर्वरक संकट के माध्यम से भारत जैसे कृषि प्रधान देशों के रसोई घर तक अपनी तपिश पहुंचा रहा है, जिससे भविष्य में अनाज की पैदावार और उपलब्धता पर प्रभावित हो सकती है। भारत, चीन और ब्राजील जैसे दुनिया के तीन सबसे बड़े कृषि प्रधान देश अपनी मिट्टी की उत्पादकता को जीवित रखने के लिए भारी मात्रा में खाड़ी क्षेत्र से नाइट्रोजन, फास्फोरस और पोटाश का आयात करते हैं। भारत के संदर्भ में यह निर्भरता रणनीतिक रूप से अत्यंत संवेदनशील और जोखिम भरी है। भारत अपनी यूरिया की कुल खपत का लगभग 25 प्रतिशत हिस्सा सीधे आयात करता है, जिसमें ओमान, सऊदी अरब और कतर जैसे देशों की भूमिका अहम है। यदि ईरान और खाड़ी देशों में जारी तनाव लंबा चलता है या पूर्ण युद्ध में बदलता है, तो यह भारत की 'खाद सुरक्षा' के लिए चिंतनीय होगा। वर्तमान स्थिति में सबसे पहली और घातक बाधा 'लॉजिस्टिक्स' और समुद्री परिवहन के मोर्चे पर आ रही है। दुनिया का लगभग एक-तिहाई समुद्री व्यापार हॉर्मुज जलडमरूमध्य के एक संकरे और तनावग्रस्त मार्ग से गुजरता है।

> **भारत अपनी यूरिया की कुल खपत का लगभग 25 प्रतिशत हिस्सा सीधे आयात करता है। यदि ईरान और खाड़ी देशों में जारी तनाव लंबा चलता है या पूर्ण युद्ध में बदलता है, तो यह भारत की 'खाद सुरक्षा' के लिए चिंतनीय होगा।**

यदि यह जलमार्ग युद्ध के कारण अवरुद्ध होता है, तो उर्वरकों से लदे जहाज या तो बंदरगाहों पर फंस जाएंगे या उन्हें 'केप ऑफ गुड होप' (अफ्रीका) का चक्कर लगाकर हजारों मील लंबा रास्ता तय करना होगा। इससे परिवहन इतना महंगा हो जाएगा कि बंदरगाह पर उतरने वाली खाद की बोरी की कीमत किसान की पहुंच से बाहर हो जाएगी। उर्वरक संकट का दूसरा गहरा और तकनीकी संबंध 'प्राकृतिक गैस' की कीमतों से जुड़ा है। खाड़ी में युद्ध का अर्थ है वैश्विक गैस पाइपलाइनों और एलएनजी आपूर्ति में भारी व्यवधान। जब गैस की कीमतें अंतरराष्ट्रीय बाजार में बढ़ेंगी, तो भारत के घरेलू उर्वरक संयंत्रों की उत्पादन लागत भी अनियंत्रित रूप से बढ़ जाएगी। इसके साथ ही, चीन और ब्राजील जैसे देशों से मिलने वाली वैश्विक प्रतिस्पर्धा इस संकट को और गहरा कर देगी। यदि फसल सीजन के दौरान उर्वरक की समय पर आपूर्ति नहीं हुई, तो इसके परिणाम भयावह हो सकते हैं।

खाद की कमी का सीधा अर्थ है प्रति एकड़ पैदावार में 25 से 40 प्रतिशत तक की गिरावट। उत्पादन कम होने का अर्थ होगा बाजार में अनाज की कमी, जमाखोरी और उसके परिणामस्वरूप बेतहाशा खाद्य मुद्रास्फीति। इसके अतिरिक्त, सरकार पर 'उर्वरक सब्सिडी' का बोझ इतना बढ़ जाएगा कि वह देश के बुनियादी ढांचे और विकास कार्यों के बजट में कटौती करने पर मजबूर हो जाएगी। इस संभावित त्रासदी से बचने के लिए भारत को अब केवल 'प्रतिक्रियात्मक' नहीं बल्कि 'निवारक' रणनीति पर काम करना होगा। हम अब मोरक्को, जॉर्डन, रूस और कनाडा जैसे देशों के साथ दीर्घकालिक आपूर्ति समझौते कर रहे हैं ताकि खाड़ी क्षेत्र पर हमारी शत-प्रतिशत निर्भरता न रहे।

साथ ही, 'पीएम-प्रणाम' जैसी योजनाओं के माध्यम से वैकल्पिक उर्वरकों और नैनो यूरिया को बढ़ावा दिया जा रहा है, जो तरल रूप में होने के कारण कम मात्रा में अधिक प्रभावी होते हैं और जिन्हें भंडारित करना आसान है। भारत को अपनी 'सल्फर कोटेड यूरिया' जैसी तकनीकों को और विस्तार देना होगा ताकि मिट्टी की सेहत भी बनी रहे और आयात पर बोझ भी कम हो। खाड़ी देशों का यह संभावित युद्ध केवल मिसाइलों और टैंकों का मुकाबला नहीं है, बल्कि यह करोड़ों किसानों के हल और आम आदमी की थाली पर होने वाला प्रहार है। आवश्यकता है कि भारत अपनी 'खाद्य संप्रभुता' को सुरक्षित करने के लिए उर्वरक के क्षेत्र में 'आत्मनिर्भर भारत' अभियान को युद्ध स्तर पर गति दे।

वैश्विक संकट और कांग्रेस की सस्ती राजनीति

विचार

पंकज झा

देशद्रोह केवल वही नहीं होता जहां सीधे तौर पर देश से गद्दारी की जाय, देशद्रोह वह भी होता है जहां कोई राजनीतिक दल अपने देश की विदेश नीति के विरुद्ध ही गाल बजाना शुरू कर दे, विदेशों में जा-जा कर अपनी ही चुनी हुई सरकार के विरुद्ध प्रोपगंडा करे, अपनी ही सरकार को निराधार ही सरेंडर, कम्प्रोमाइज्ड आदि बताये। ऐसा ही देशद्रोह लगातार कांग्रेस सांसद और पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी कर रहे हैं। कांग्रेस के अन्य नेता भी उन्हीं के रास्ते पर चलते हुए स्वयं को प्रासंगिक बनाए रखने में देश की सुरक्षा और शान्ति को दांव पर लगाने से नहीं चूकते। कठिन वैश्विक परिस्थिति, भीषण युद्ध की स्थिति में भी जो देश के पक्ष में खड़ा नहीं रहे, जो जनता को भड़काने के हर जतन में लगे रहे, जो लगातार झूठ और फरेब परोसता रहे विशेषकर ऐसे समय में, उसे न केवल देशद्रोही अपितु लोकद्रोही भी कहना चाहिए। कांग्रेस रसोई गैस और पेट्रोलियम आदि के मामले में यही करती नजर आ रही है। कांग्रेस की हर संभव कोशिश यही है कि किसी न किसी तरह जनता में अनरेस्ट फैले। उसके बाद ये अराजकता फैलाएं और फिर अपनी रोटी सेंक सकें। बाहरी कोशिश के बतौर तो लगातार वे कर ही रहे हैं, देश के भीतर भी भय फैलाना अब कांग्रेस ने अपनी अघोषित नीति के तहत शुरू कर दिया है। कांग्रेस महासचिव और पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने लगातार गैस संकट का दुष्प्रचार करने, किंतु विफल रहने के बाद सोशल मीडिया पर जनमत संग्रह कराना शुरू किया। मानो वे कांग्रेस के जमाने के पीएम हों और गैस संकट तब का जम्मू-कश्मीर। उन्हें लगा कि अपने लोगों द्वारा वे यह सबित करने में सफल हो जायेंगे कि देश में त्राहिमाम बचा है। पर हजारों लोगों ने स्वतः स्फूर्त ढंग से उनके पोस्ट पर उन्हें बताया कि आपूर्ति सुचारू है और सबको समय से मिल जा रहा है। जाहिर है, कांग्रेस की ऐसी हर हरकत उसके वोट बैंक में एक-दो प्रतिशत की सेंध तो लगा ही देता है। ऐसा कुछ भी करने से इनका उल्लू सीधा नहीं हो पा रहा है, यह तय है। फिर भी इनकी ऐसी हरकत जारी है। विदेशी परिस्थितियों को भी साम्प्रदायिक रंग देते रहने की कोशिश समेत ऐसे तमाम कृत्यों से कांग्रेस देश को कमजोर करने या दिखाने की कोशिश लगातर कर रही है। इसमें बुरी तरह विफल होते रहने के बावजूद उसके अस्तित्व के लिए शायद यही एकमात्र विकल्प है कि वह झूठ फैलाते रहे। कांग्रेस के पूरे प्रोपगंडा का हेतु यही है कि वह आपूर्ति में कमी का रोना रोये ताकि लोग डर कर अधिक से अधिक पैनिक बुकिंग करें ताकि सिस्टम फेल हो सके। जाहिर है अत्यधिक आसामान्य मांग पैदा होने पर संकट खड़ा होता ही है, कांग्रेस इसी कोशिश में लगी है जिसका शिकार वास्तविक ज़रूरतमंद हो सकते हैं, दुखद यह है कि कांग्रेस को कभी उसकी परवाह रही भी नहीं है। आज जहां तमाम वैश्विक चुनौतियों के बावजूद देश में स्थिति सामान्य है, वहीं याद कीजिए खाड़ी युद्ध का दौर। भारत में तब कांग्रेस की सरकार थी और आपूर्ति श्रृंखला लगभग चौपट हो गयी थी। अभी से लगभग चौथाई से कम तब पेट्रो पदार्थों की मांग थी (1990 में लगभग 58 मिलियन टन – 2025 में लगभग 250 मिलियन टन), क्योंकि न तो इतने अधिक रसोई गैस कनेक्शन थे, न ही इतनी सारी गाड़ियां ही थी। फिर भी देश भर में हाहाकार मचा हुआ था। कई-कई किलोमीटर लम्बी कतार लग रही थी तब पेट्रो पदार्थों के लिए। तब अपेक्षाकृत अल्प चुनौतियों के बावजूद अपने कुप्रबंधन और भ्रष्ट व्यवस्था के कारण ऐसा लड़खड़ायी थी कांग्रेस सरकार जिसकी बुरी यादें आजतक ताजा है। नौबत यहां तक आ गयी थी कि अपमानजनक ढंग से कांग्रेस (और उसकी समर्थित) सरकार को भारत का 67 टन सोना बकायदा फिजिकल रूप में देश के बाहर गिरवी रखने भेजना पड़ा था। और वह फिजिकल सोना कांग्रेस ला नहीं पायी फिर देश वापस। फिर भी तब का विपक्ष संयत रहा था और देश की विदेश नीति के साथ खड़ा रहा, भले घरेलू मामलों में कांग्रेस की नाक में दम किए रहा था। इसके इतर भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने देश में सन 2024 में ब्रिटेन से 100 टन सोना लाकर अपने स्वर्ण भण्डार को मजबूत किया। आज जिस तरह सोने के भाव आसमान पर हैं, ऐसे में आप ऐतिहासिक सौ टन सोना के आने के निर्णय की कल्पना कीजिये। कोई भी गर्व करना चाहेगा अपनी सरकार पर। कांग्रेस का ऐसा ही गैर जिम्मेदाराना रवैया कोरोना जैसी मानव सभ्यता के ज्ञात इतिहास की सबसे बड़ी महामारी के समय भी देखने को मिला था। उस अकल्पनीय संकट के समय भी भारत में आपूर्ति श्रृंखला न केवल चमत्कारिक रूप से सुचारू रहा था बल्कि मोदीजी की सरकार ने अपने अनाज का गोदाम जनता के लिए खोल दिया था, जो आज तक जारी है। मोदीजी की सरकार ने उस 'प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना' को अब स्थायी ही कर दिया है और आज देश के 81.35 करोड़ लोग निःशुल्क पेट भर अनाज अपनी सरकार से अपने ही घर में पा रहे हैं।

बढ़ाना ही होगा इलेक्ट्रिक वाहनों का चलन

चुनौती

उमेश चतुर्वेदी

राजनीतिक समीक्षक

ईरान पर अमेरिकी और इजराइली कार्रवाई के बाद पेट्रोलियम पदार्थों के आयात में न सिर्फ भारत, बल्कि पूरी दुनिया को कई तरह की परेशानियों और रुकावटों का सामना करना पड़ रहा है। अगर खाड़ी संकट जल्द नहीं थमा तो पहले से ही करीब अस्सी अरब डॉलर सालाना खर्च करने वाले भारत की ऊर्जा क्षेत्र की चुनौतियां और बढ़ सकती हैं। पेट्रोलियम कारोबार पर निगाह रखने वाले वैश्विक संस्थानों को आशंका है कि अगर ईरान-इजराइल-अमेरिका युद्ध लंबा खिंचा और इससे कच्चे तेल की कीमतों में प्रति बैरल दस डॉलर की भी बढ़ोत्तरी हुई तो भारत का पेट्रोलियम आयात खर्च पंद्रह हजार करोड़ डॉलर सालाना बढ़ सकता है।

पेट्रोलियम आयात पर होने वाली इस बढ़ोतरी के चलते भारत पर नए सिरे से आर्थिक दबाव बढ़ेगा । ऐसे में जरूरी है कि देश अपनी ऊर्जा जरूरतों को लेकर नए सिरे से विचार करे और वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों की तलाश की दिशा में न सिर्फ आगे बढ़े, बल्कि शोध और विकास पर भी जोर लगाए। खाड़ी संकट के बाद सिर्फ भारत ही नहीं, पूरी दुनिया को इस दिशा में सोचने को मजबूर किया है। तमाम देश वैचारिक स्तर पर पेट्रोलियम पदार्थों के विकल्पों की खोज में जुटने लगे हैं। इलेक्ट्रिक वाहनों की ओर दुनिया का बढ़ता ध्यान इसी बदलती सोच का प्रतीक है। चीन ने इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने पर पिछले कुछ वर्षों में इतना जोर दिया है कि वहां एक तरह से इलेक्ट्रिक वाहन क्रांति ही आ गई है। भारत ने साल 2030 तक कुल वाहनों में इलेक्ट्रिक वाहनों की हिस्सेदारी तीस प्रतिशत तक बढ़ाने का लक्ष्य रखा है। ईरान संकट के पहले से ही इलेक्ट्रिक वाहनों के चलन को बढ़ावा देने की सरकारी कोशिशों से सालाना पेट्रोलियम आयात में करीब 25 हजार करोड़ की बचत होने लगी है। जिस तरह पेट्रोलियम उत्पादक खाड़ी के क्षेत्र में हालात बदल रहे हैं, उससे देश को पेट्रोलियम के विकल्प ढूंढने की दिशा में तेजी लाने और इस सिलसिले में शोध और विकास को भी गति देने की जरूरत बढ़ी है। ऐसा किए बिना देश के लिए पेट्रोल और डीजल के आयात के लिए

> **मार्च 2026 तक के आंकड़ों के अनुसार भारत में रोजाना करीब 87 करोड़ लीटर पेट्रोल की खपत होती है। जबकि देश में इसका उत्पादन महज 9.65 करोड़ लीटर ही होता है।**

विदेशी मुद्रा के भारी खर्च पर लगाम लगाना आसान होगा। भारत के संदर्भ में देखें, तो रसोई गैस के मोर्चे में देश ने पिछले दस वर्षों में बड़ी क्रांति को देखा है। देश के रसोई घरों में पीएनजी यानी पाइप्ड नेचुरल गैस और एलपीजी यानी लिक्विफाइड पेट्रोलियम गैस की खपत बढ़ी है। मौजूदा आंकड़ों के अनुसार, देश में प्राकृतिक गैस की रोजाना खपत करीब 189 मिलियन घन मीटर है, लेकिन घरेलू उत्पादन महज 97.5 मिलियन घन मीटर रोजाना ही है। करीब साठ फीसद गैस बाहर से आयात करनी पड़ती है। देश में करीब 33 लाख एलपीजी कनेक्शन हैं। इनमें दस लाख 33 हजार कनेक्शन प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत दिए गए हैं। इन कनेक्शनों पर सालाना 312 लाख टन गैस खर्च होती है। इस गैस का साठ फीसद हिस्सा आयात किया जाता है। जाहिर है कि देश का बड़ा गैस खर्च भी आयात पर ही निर्भर है। आंकड़ों के अनुसार देश की ऊर्जा स्रोत के रूप में सबसे ज्यादा खपत डीजल की है, जो कुल पेट्रोलियम खर्च का करीब करीब 38.5 फीसद है। इसके बाद पेट्रोल का नंबर आता है, जिसकी कुल ऊर्जा स्रोत के खपत में करीब 18 प्रतिशत की भागीदारी है, जबकि तीसरे नंबर पर करीब चौदह फीसद हिस्सेदारी के साथ प्राकृतिक गैस है। भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय के मार्च 2026 तक के आंकड़ों के अनुसार देश में रोजाना करीब 87 करोड़ लीटर पेट्रोल की खपत होती है। जबकि देश में इसका उत्पादन महज 9.65 करोड़ लीटर ही होता है। देश की कुल पेट्रोलियम खपत का करीब 87 फीसद हिस्सा आयात करना पड़ता है। कुल एलपीजी खर्च का 60 फीसद हिस्सा आयात से पूरा किया जाता है। भारत में पारंपरिक रूप से लकड़ी के चूल्हे पर खाना पकाने का चलन रहा है। इसके लिए जलावन पारंपरिक तौर पर फसलों के साथ ही पेड़ों और जंगलों से मिलता रहा है। उन्हें बाद में स्वास्थ्य के लिए खराब माना जाने लगा। अब बदले हालात में जरूरी है कि पारंपरिक चूल्हों को विकसित करके उनकी ओर भी लौटा जाए। इसके लिए ऐसे उन्नत चूल्हे बनाए जाएं, जिससे धुआं कम से कम निकले और उनसे ऊर्जा ज्यादा मिले। समुद्री लहरों के जरिए भी बिजली बनाने पर शोध हो रहा है, इस दिशा में भी तेजी लाई जानी चाहिए। तभी जाकर हम आने वाले दिनों में ऊर्जा के वैकल्पिक स्रोतों का ज्यादा इस्तेमाल कर सकेंगे, तब हम आयात के भारी-भरकम खर्च से बचेंगे।

ईरान युद्ध से सबक लेकर आत्मनिर्भर बने भारत

दृष्टिकोण

रवि शंकर

स्वतंत्र पत्रकार

पश्चिम एशिया में भड़की जंग ने दुनिया को ऐसे मोड़ पर ला खड़ा किया है जहां हर अगला दिन एक नए खतरे का संकेत दे रहा है। यह सिर्फ दो देशों के बीच का टकराव नहीं रहा, बल्कि पूरी वैश्विक ऊर्जा व्यवस्था को सीधे निशाने पर ले आया है। देखा जाये तो इजराइल ने जब ईरान के साउथ पार्स गैस क्षेत्र पर हमला किया, तो यह सीधा उस नस पर वार था जिससे पूरी दुनिया की ऊर्जा आपूर्ति चलती है। जवाब में ईरान ने भी देर नहीं की और कतर के रास लफान गैस केंद्र को निशाना बना दिया। यह वही केंद्र है जो दुनिया की कुल गैस आपूर्ति का बड़ा हिस्सा संभालता है। यानी अब जंग सिर्फ सीमाओं पर नहीं, बल्कि दुनिया की रसोई और उद्योगों तक पहुंच चुकी है। तेल बाजार में हाहाकार मच गया।

कीमतें अचानक उछलकर एक सौ बीस डॉलर के करीब पहुंच गईं। यह सिर्फ आर्थिक उतार-चढ़ाव नहीं था, बल्कि उस डर का इजहार था कि फारस की खाड़ी अब बारूद का ढेर बन चुकी है, जहां से किसी भी वक्त पूरी दुनिया प्रभावित हो सकती है। बता दें, भारत अपने कच्चे तेल का 90 प्रतिशत दूसरे देशों से आयात करता है, जबकि एलपीजी 60 प्रतिशत और एलएनजी का आधे से अधिक आयात होता है। यह आपूर्ति मुख्यत खाड़ी देशों से ही होती है। इस आयात का ज्यादातर हिस्सा केवल एक अस्थिर क्षेत्र यानी पश्चिम एशिया से आता है। यही कारण है कि इस क्षेत्र में किसी भी रुकावट को नीति निर्माताओं और तेल कंपनियों के लिए तत्काल चिंता का विषय बना देता है। फिर भी, भारत के ऊर्जा योजनाकारों का तर्क है कि 1970 दशक के खाड़ी संकटों की तुलना में आज देश ऐसी बाधाओं से निपटने के लिए बेहतर स्थिति में है। पिछले कुछ वर्षों में भारत किसी एक क्षेत्र पर अत्यधिक निर्भरता कम करने के लिए जानबूझकर अपनी कच्चे तेल की स्रोत रणनीति में विविधता लाया है। सबसे बड़ा बदलाव रूस से आयात में वृद्धि है, जो यूक्रेन संघर्ष के बाद से भारत का सबसे बड़ा कच्चे तेल का आपूर्तिकर्ता बनकर उभरा है। साथ ही, भारतीय रिफाइनरियों ने अमेरिका, ब्राजील, मैक्सिको और पश्चिम अफ्रीका के उत्पादकों से तेल की खरीद बढ़ा दी है। ये सभी देश मिलकर अब भारत के कच्चे तेल की कुल मात्रा का लगभग आधा हिस्सा पूरा करते हैं, जिससे खाड़ी देशों से तेल की आपूर्ति धीमी होने पर रिफाइनरियों को आपूर्ति को संतुलित करने की सुविधा मिलती है।

हालांकि, भारत के लिए खाड़ी क्षेत्र भविष्य के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण है। इराक, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात और कुवैत जैसे देश भारत के दीर्घकालिक कच्चे

> **इराक, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात और कुवैत जैसे देश भारत के दीर्घकालिक कच्चे तेल अनुबंधों का एक बड़ा हिस्सा आपूर्ति करते हैं।**

तेल अनुबंधों का एक बड़ा हिस्सा आपूर्ति करते हैं। इन देशों से आने वाला तेल जामनगर, वडीनार और पारादीप जैसे भारतीय बंदरगाहों तक पहुंचने से पहले होर्मुज स्ट्रेट से होकर गुजरता है। ऐसे में इस जलमार्ग के लंबे समय तक बंद रहने से भारत की ऊर्जा सुरक्षा और व्यापार संतुलन पर गंभीर प्रभाव पड़ेगा। साफ है, वर्तमान की इन अल्पकालिक चुनौतियों के बीच, यह संकट आयातित जीवाश्म ईंधन पर भारत की निर्भरता कम करने की आवश्यकता को मजबूती से रेखांकित करता है। भारत बढ़ती ऊर्जा मांग के बीच तेल आयात पर निर्भरता कम करने और स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देने की दिशा में तेजी से कदम बढ़ाया है। इथेनॉल मिश्रण, ग्रीन हाइड्रोजन मिशन और 500 गीगावाट नॉन-फॉसिल क्षमता लक्ष्य से देश ऊर्जा आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहा है। लेकिन प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन से निपटने के प्रयासों के बीच हमने जीवाश्म ईंधन के घरेलू उत्पादन को कम महत्त्व दिया है। जबकि अगले दो दशकों में जीवाश्म ईंधन काफी महत्वपूर्ण रहने वाला है क्योंकि यह वह समय है, जब भारत को अपने जनसांख्यिकीय लाभांश का अधिकतम लाभ उठाना होगा। होर्मुज स्ट्रेट में आपूर्ति बाधित होने पर हमें वैकल्पिक स्रोतों की आवश्यकता होगी। पश्चिम एशिया पर निर्भरता हमारे लिए केवल अस्थायी विकल्प है। हमें तेल और गैस के घरेलू अन्वेषण और उत्पादन में तेजी लानी चाहिए। हमें खाना पकाने के लिए उपयुक्त चूल्हों का उपयोग करते हुए एथनॉल के इस्तेमाल में भी तेजी लानी चाहिए। दरअसल, इस जंग ने पूरी दुनिया को यह बताया कि अब ऊर्जा खुद एक हथियार बन चुकी है। गैस संयंत्र, तेल क्षेत्र और बंदरगाह अब सैन्य निशाने हैं। अगर यह सिलसिला जारी रहा तो दुनिया को एक ऐसे ऊर्जा संकट का सामना करना पड़ सकता है जो पहले कभी नहीं देखा गया। यह संकट सिर्फ पेट्रोल या गैस की कीमतों तक सीमित नहीं रहेगा। इसका असर हर घर, हर उद्योग और हर देश पर पड़ेगा। महंगाई बढ़ेगी, आपूर्ति टूटेगी और अर्थव्यवस्थाएं हिल जाएंगी। अब सवाल यही है कि क्या इस आग को बुझाने का कोई रास्ता बचा है। सच यह है कि इस समय केवल अमेरिका ही ऐसा देश है जिसके पास दोनों पक्षों को रोकने की ताकत है। लेकिन क्या ट्रंप ऐसा करना चाहते हैं, यह सबसे बड़ा सवाल है।

बहरहाल, ईरान और इजरायल-अमेरिका युद्ध का नतीजा चाहे जो भी निकले, मगर एक बात तो तय है कि भारत को अब अपनी ऊर्जा निर्भरताओं पर नए सिरे से गंभीरता से विचार करना होगा। ईरान और इजरायल-अमेरिका युद्ध इस बात की तरफ स्पष्ट इशारा है कि ऊर्जा पर आत्मनिर्भरता देश के लिए कितनी जरूरी हो गई है। ईंधन की किल्लत रक्षा क्षेत्र में एक सीमित झटके से भी कहीं अधिक राजनीति को प्रभावित कर सकती है। तेल और गैस आयात पर अत्यधिक निर्भरता को देखते हुए हमें न केवल तेल के भंडार बढ़ाने होंगे, बल्कि नए रास्ते तलाशने की दिशा में प्रयास और तेज करने होंगे।

तरकश

संजय के. दीक्षित

बजट 9500...खर्च 3000 करोड़

छत्तीसगढ़ का सिस्टम कितना फास्ट वर्क कर रहा है, इसका जीता-जागता नमूना है पीडब्लूडी। ढाई साल गुजर जाने के बाद भी यह विभाग जहां से चला था, वहीं पर खड़ा है। जाहिर है, किसी भी सूबे में पीडब्लूडी सबसे बड़ा और महत्वपूर्ण विभाग इसलिए माना जाता है कि गरीब हो या अमीर, सड़कों से सबको वास्ता पड़ता है। अगर किसी विभाग का काम धरातल पर बिना चश्मा लगाए दिखता है तो वह पीडब्लूडी ही है। इसीलिए, इस विभाग का बजट सबसे अधिक रखा जाता है। छत्तीसगढ़ में इस विभाग को 2025-26 में सबसे अधिक 9500 करोड़ का बजट मिला था। लेकिन, इसमें से खर्च कितना हुआ? जवाब सुन आप अपना माथा पकड़ लेंगे। मात्र 3000 करोड़। जबकि, मार्च क्लोजिंग में अब सिर्फ सात रोज बच गए हैं। ये भी 3000 करोड़ खर्च तब हुआ, जब वित्त विभाग सभी विभागों को पत्र लिख बजट खर्च करने तगादा किया और मुख्य सचिव विकास शील लगातार डंडा चला रहे थे। छत्तीसगढ़ के सबसे बड़े बजट वाले इस विभाग की हालत ये है कि मुख्यमंत्री को पीडब्लूडी के रिव्यू में बड़ी तल्खी के साथ कहना पड़ा...पीडब्लूडी का काम कहीं दिखता नहीं तो वहां बैठे सारे लोग सकपका गए थे।

सड़क और दिग्विजय सिंह की हार

2003 के विधानसभा चुनाव में मध्यप्रदेश में दिग्विजय सिंह सरकार की करारी हार हुई, उसमें खराब सड़कों की बड़ी भूमिका रही। अजीत जोगी के दौर में छत्तीसगढ़ में इतनी अच्छी सड़कें बन गई थी कि बार्डर पर के रोडों को देख समझ में आ जाता था कि कहां से मध्यप्रदेश की सीमा चालू हो रही है। छत्तीसगढ़ में भी कमोवेश अभी वही हाल है। पीडब्लूडी के अफसरों को कायदे से उल्टा लटका देना चाहिए। इसलिए कि अपने विभागीय मंत्री और सूबे के मुखिया के इलाके की भी उन्हें परवाह नहीं। पीडब्लूडी मिनिस्टर के गृह जिले मुंगेली आपको जाना है तो नांदघाट से जाने पर भगवान राम याद आ जाएंगे। लोगों को 40 किलोमीटर का एक्स्ट्रा चक्कर लगा सरगांव के आगे से पथरिया होकर मुंगेली जाना पड़ रहा है। यही हाल अंबिकापुर से जशपुर जाते समय बतौली से चरईडांड के बीच है। कई जगह पर सड़कों के नाम पर गड्ढे पाएंगे आप। कायदे से अब समय भी नहीं बच गया है। अभी टेंडर का प्रॉसेज प्रारंभ भी हुआ तो फायनल होते-होते बरसात आ जाएगा। फिर अक्टूबर के बाद चुनाव में सिर्फ डेढ़ साल बच जाएगा। तब तक सिस्टम के खिलाफ इतना नैरेटिव बन जाएगा कि मोदीजी, अमित शाह और नितिन नबीन के लिए भी मामला पेचिदा हो जाएगा।

अमित शाह का भी खौफ नहीं

बस्तर पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का पूरा फोकस है तो राज्य सरकार भी कोई कसर नहीं रख रही। खुद मुख्यमंत्री अभी तक बस्तर के 100 दौरे कर चुके हैं। इसके बाद भी सरकारी एजेंसी की रिपोर्ट है कि बस्तर के तीन जिलों के कलेक्टर, एसपी और डीएफओ कार्टेल बनाकर सड़कों में डंके की चो टपर कमीशन खा रहे हैं। दिल्ली का ठेकेदार परेशान है, क्योंकि, इन तीनों के अलावा एक मंत्रीजी को भी पैसा चाहिए। समझ में नहीं आता कि आईबी और इंटेलिजेंस का इतना बड़ा अमला यहां क्या कर रहा है। बहरहाल, एक कलेक्टर तो जाते ही शुरू...उनका परिवार फूड डिपार्टमेंट के खेल में फंसते-फंसते बचा है...या यों कहें कि बचाया गया है वरना कलेक्टर बिरादरी की बदनामी हो जाती। बहरहाल, सवाल यह भी कि सड़क ठेकेदार इतना पैसा बांट देगा तो फिर क्वालिटी कैसे मेंटेन करेगा? छत्तीसगढ़ का दुर्भाग्य ही कहें कि इतने सारे अफसरों के जेल जाने के बाद भी उन्हें सद्बुद्धि नहीं आ रही। वो भी तब हो रहा, जब सूबे के चीफ सिकरेट्री से लेकर पीएस टू सीएम, डीजीपी, खुफिया चीफ चारों की छबि पर कोई सवाल नहीं उठा सकता।

आईएएस अफसरों का दिल्ली कूच

छत्तीसगढ़ के साथ विडंबना है कि पिछली सरकार में भी अच्छे अफसर दिल्ली भागने लगे थे और इस सरकार में भी आईएएस अधिकारियों को दिल्ली जाने का सिलसिला रुका नहीं है। अभी तक अंबलगन पी, अलरमेल मंगई, प्रियंका शुक्ला, सौरव कुमार, फकीर भाई अय्याज तंबोली, दीपक सोनी, सर्वेश भूरे, नम्रता गांधी, ऋचा प्रकाश चौधरी, हरीश जैसे कई अफसर दिल्ली जा चुके हैं। अमित अग्रवाल, गौरव द्विवेदी, मनिंदर कौर द्विवेदी, अलेक्स पाल मेनन, संगीता पी, नीरज बंसोड़ पहले से प्रतिनियुक्ति पर हैं। 2005 बैच के मुकेश बंसल ने भी सरकार को पत्र लिख एनओसी मांगा है। मुकेश रिजल्ट देने वाले अफसर हैं, उनका फिर दिल्ली जाना सरकार के लिए झटका माना जाएगा। उधर पिछले कई साल से राज्य से बाहर रह रहीं श्रुति सिंह इस समय दिल्ली में रेजिडेंस कमिश्नर हैं, वे भी फिर से डेपुटेशन के लिए एनओसी मांग रही हैं। कांकेर कलेक्टर नीलेश क्षीरसागर ने भी आवेदन लगाया हैं।

सरकार की सख्ती

छत्तीसगढ़ में आईएएस अधिकारियों की संख्या जरूर बढ़ गई है, मगर काम वाले मुट्ठी भर ही हैं। अभी सीपीआर समेत कई विभागों में सिकेट्री बदलना है, मगर ढंग के आदमी दिख नहीं रहे। सरकार को बाहर गए अफसरों के मामले में सख्ती दिखानी चाहिए। क्योंकि, कई अफसर दिल्ली जाने के बाद लौटना नहीं चाह रहे। रमन सिंह के दौर में बीवीआर सुब्रमणियम को पीएमओ से वापिस बुलाने के लिए तत्कालीन मुख्यमंत्री डॉ० रमन सिंह तक ने पत्र लिखा था। जबकि, उस समय विरोधी पार्टी की सरकार थी। बार-बार तगादे के बाद मनमोहन सिंह को फिर कहना पड़ा था कि क्या प्रधानमंत्री को इतना भी अधिकार नहीं कि अपने पसंद के किसी अफसर को अपने सचिवालय में रख सकें। तब जाकर सरकार शांत हुई थी। मगर 2014 में जैसे ही केंद्र में बीजेपी की सरकार आई, सुब्रमणियम को बुला लिया गया। जाहिर है, सारे अफसर दिल्ली चले जाएंगे तो फिर छत्तीसगढ़ में काम कौन करेगा। श्रुति सिंह कई साल यूपी में रहीं। फिर वहीं से सीधे छत्तीसगढ़ भवन में पोस्टिंग कराई और अब फिर से डेपुटेशन पर जाना चाह रहीं। ऐसे में, सवाल यह कि अंकित आनंद ने क्या गुनाह किया कि उन्हें रोक लिया गया।

प्रवासी सिकेट्री

छत्तीसगढ़ के कई आईएएस प्रवासी हो गए हैं। उनमें एक नाम वर्तमान सिकेट्री का भी जुड़ गया है। सरकार ने उनके साथ उदारता बरतते हुए दिल्ली में एडिशनल पोस्टिंग दे दी, ताकि उसकी आड़ में उन्हें दिल्ली में मकान मिल जाए। मगर सरकार की यह उदारता उल्टी पड़ गई। सिकेट्री साब को जब से दिल्ली में आवास मिला है, रायपुर में टिक ही नहीं पा रहे। हर तीसरे दिन पता चलता है साब दिल्ली में हैं। यहां विभाग को वॉट लगा हुआ है। छह महीना और यही हाल रहा तो लोगों में त्राहि माम मच जाएगा। क्योंकि, सवाल सेहत से जुड़ा हुआ है।

2005 बैच बदनाम!

दिसंबर 2023 में सरकार बदलने के बाद पोस्टिंग के मामले में आईएएस का 2005 बैच काफी चर्चाओं में रहा। मगर मुकेश बंसल को अगर सरकार ने प्रतिनियुक्ति के लिए हरी झंडी दे दी तो फिर सिचुएशन 180 डिग्री की दिशा में घूम जाएगा। सरकार को नया वित्त और जीएसटी सचिव की तलाश करनी होगी। वैसे भी जीएसटी में सचिव से अधिक कमिश्नर का रोल रहता है और वित्त में पूछपरख के अलावा चवन्नी नहीं मिलता। ऐसा कह सकते हैं...मुकेश जवानी के दिनों में पैसा कमाने की जगह अपने मित्र के लिए वित्त विभाग में हमाली कर रहे हैं। हालांकि, सुबोध सिंह के दिल्ली से आने के बाद अब यह नहीं कहा जा सकता कि पोस्टिंग में असंतुलन हैं। उन्होंने सबको कुछ-न-कुछ दिया है। शहला निगार जूनियर होने के बाद भी एपीसी जैसे पद संभाल रही, जो दीगर राज्यों में एसीएस या पीएस लेवल के अफसर के नीचे किसी को मिलता नहीं। बड़े विभागों की बात करें तो पीडब्लूडी कमलप्रीत सिंह देख रहे तो उर्जा रोहित यादव के पास है। हालांकि, रोहित इस समय ओवरलोडेड हैं। बिजली कंपनियों के चेयरमैन के साथ उनके पास उर्जा, जनसंपर्क और टूरिज्म भी है। रीना बाबा कंगाले फूड जैसे अहम विभाग संभाल रही हैं। अंकित आनंद पौल्यूशन बोर्ड के चेयरमैन के साथ सिकेट्री आवास पर्यावरण और एमडी स्टेट कैपिटल रीजन हैं। कहने का मतलब यह कि मुकेश अगर दिल्ली गए तो 2005 बैच में रजत के पास उद्योग, शंगीता आर के पास आबकारी और एस प्रकाश के पास ट्रांसपोर्ट बच जाएगा। इनमें उद्योग ही एक काम का विभाग है। बाकी ट्रांसपोर्ट और आबकारी में कोई डेवलपमेंट वर्क नहीं होता। सिवाय पेटी और खोखा का हिसाब कर इधर-उधर पहुंचवाने के।

मंत्रालय में बड़ी उठापटक

विधानसभा का बजट सत्र समाप्त हो गया है। इस बार सुशासन तिहार नहीं होगा। ऐसे में अगले हफ्ते प्रशासनिक हलको में बड़ी उठापटक होने के संकेत मिल रहे हैं। मंत्रालय में कई विभागों के सिकेट्री बदलेंगे। स्पेशल सिकेट्री टू सीएम डॉ० रवि मित्तल के दिल्ली जाने के बाद एक या दो आईएएस अफसर को सीएम सचिवालय में पोस्ट किया जाएगा। जिन सचिवों के दो साल से अधिक हो गए हैं, उनके विभाग बदले जाएंगे। एसीएस मनोज पिंगुआ को गृह विभाग में साढ़े तीन साल हो गया है। सुनने में आ रहा कि वे अब डेपुटेशन पर दिल्ली न जाने पर सोच रहे हैं। अगर वे नहीं गए तो गृह विभाग में भी बदलाव होगा। सरकार चेंज होने के बाद पहली लिस्ट में जिन्हें पोस्टिंग मिली थी, उनमें निहारिका बारिक, कमलप्रीत सिंह, सिद्धार्थ परदेशी, अब्दुल कैसर हक और शम्मी आबिदी शामिल हैं। कमलप्रीत के पास पीडब्लूडी, परदेशी के पास स्कूल शिक्षा, कैसर हक के पीएचई और शम्मी आबिदी महिला और बाल विकास है। हो यह भी सकता है, प्रमुख सचिव बन गए सोनमणि बोरा को फेरबदल में कोई और अहम विभाग दिया जाए। या फिर किसी विभाग का अतिरिक्त प्रभार। पीडब्लूडी में वीरेंद्र सहवाग टाईप किसी फास्ट बैट्समैन को उतारा जा सकता है।

कलेक्टर, एसपी, डीएफओ भी

सरकार का ढाई साल यानी इंटरवल है। अभी जो अफसर पोस्ट होंगे, वे अगले विधानसभा चुनाव तक कार्य करेंगे। इसलिए सरकार इस बार ठोक बजाकर रिजल्ट देने वाले अफसरों को मैदान में उतारेगी। सबसे पहले जनसंपर्क आयुक्त बनाने की चुनौती है। चुनौती इसलिए क्योंकि सोशल मीडिया के दौर में सरकार की छबि बनाना कठिन टास्क है और फिर अभी जो सीपीआर बनेगा, जाहिर तौर पर वही अगले विधानसभा चुनाव तक रहेगा। इसके लिए आरआर में अवनीश शरण, रजत बंसल, गौरव सिंह, प्रभात मलिक का नाम चर्चा में हैं। प्रमोटी में जीतेंद्र शुक्ला और संजय अग्रवाल के नाम पर भी विचार किया जा सकता है। इसके साथ कई जिलों के कलेक्टर, एसपी, डीएफओ और जिला पंचायत सीईओ भी चेंज होंगे।

भर्ती बोर्ड में सीनियर आईएएस

कर्मचारी चयन मंडल बनने के बाद व्यापम का अस्तित्व अब समाप्त हो जाएगा। भर्ती बोर्ड के एक्ट के अनुसार व्यापम मंडल में मर्ज हो जाएगा और जो भर्तियां व्यापम में प्रक्रियागत थी, उसे अब कर्मचारी चयन मंडल करेगा। इसमें भी शीघ्र ही नियुक्तियां होंगी। मंडल का चेयरमैन प्रमुख सचिव या उसके उपर का होगा। वो वर्तमान भी हो सकता है या रिटायर्ड भी। इसके अलावे तीन मेंबर होंगे। इसमें ज्वाइंट सिकरेट्री स्केल वाले लोग नियुक्त होंगे। इसमें रिटायर अफसर से लेकर प्रोफेसर या अन्य सर्विसों से रिटायर लोग भी मेंबर बन सकते हैं।

चार बड़े बिल

विधानसभा का बजट सत्र नए कानून बनाने के मामले में बड़ा महत्वपूर्ण रहा। वैसे तो इस बार कई विधेयक पेश्ज्ञ किए गए मगर चार विधेयक छत्तीसगढ़ के लिए मिल का पत्थर साबित होंगे। पहला मुख्यमंत्री के विभाग जीएडी का कर्मचारी चयन बोर्ड और नकल प्रकरण विधेयक। व्यापम को भंग कर कर्मचारी चयन मंडल बनाना सरकार का बड़ा फैसला है। अभी लोग इसे समझ नहीं पा रहे मगर नौकरी में फास्ट भर्तियों के लिए इसे याद किया जाएगा। इसका ड्राफ्ट खुद पीएस टू सीएम सुबोध सिंह ने तैयार किया है। फार्म भरने से लेकर परीक्षा और रिजल्ट के लिए अब युवाओं को भागीरथी प्रतीक्षा नहीं करनी पड़ेगी। सब कुछ बेहद फास्ट होगा। वहीं व्यापम से लेकर पीएससी तक घालमेल को लेकर शुरू से बदनाम रहा है। इसी व्यापम में पीएमटी का पर्चा लीक होने की वजह से दो बार परीक्षा रद्द करनी पड़ी थी। नकल विधेयक कानून के बाद अब परीक्षाओं में गड़बड़ियों पर अंकुश लगेगा। तीसरा विधेयक रहा मंत्री ओपी चौधरी के हाउसिंग बोर्ड को पीडब्लूडी और आरईएस के समकक्ष बनाने का। सरकार ने अब पीडब्लूडी की लेटलतीफी को देखते हाउसिंग बोर्ड को विकल्प के तौर पर पेश कर दिया है। इस विधेयक को लेकर ओपी इतना गंभीर थे कि विधानसभा में पारित होने के 24 घंटे के भीतर नोटिफिकेशन जारी हो गया। और चौथा गृह मंत्री विजय शर्मा का धर्मान्तरण विधेयक। धर्मांतरण को लेकर अब कड़े कानून बनाए गए हैं। निश्चित तौर पर इस बिल के पास होने से धर्मांतरण पर कंट्रोल होगा।

बीजेपी का अनुशासन

भारतीय जनता पार्टी अनुशासन के नाम से जानी जाती है मगर छत्तीसगढ़ में उल्टा हो रहा है। विधानसभा में मंत्रियों को बार-बार आगाह किए जाने के बाद सदन में जाकर हथियार डालने का सिलसिला थमा नहीं। रमन सिंह के दौर में 15 बरस मंत्री रहे मंत्री अगर जवाब देने के लिए पन्ना पलटते रह जाएं तो फिर बीजेपी को सोचने पर मजबूर करेगा। उपर से पार्टी का विधायकों पर भी कंट्रोल नहीं रह गया है। सदन में परफर्मेंस को लेकर विधायकों की बैठक बुलाई गई, उसमें पता चला है, छह-सात विधायक गायब रहे। हो सकता है, दो-एक को कोई अपरिहार्य काम आ गया हो मगर छह-छह, सात-सात एमएलए नदारत हो जाए तो ये पार्टी के अनुशासन पर प्रश्नचिन्ह लगा रहा है।

डेपुटेशन में ओवरकांफिडेंस?

पीएमओ में डिप्टी सिकेट्री के लिए दो आईएएस अधिकारी रवि मित्तल और प्रभात मलिक का नाम कैसे और किसने भेजा यह तो रहस्य की बात है। इस पर से जब पर्दा उठेगा तब देखा जाएगा। मगर वहां दोनों अफसरों का प्रेजेंटेशन हुआ, उसके बाद सतर्क हो जाना था, मगर ऐसा नहीं हुआ। प्रभात मलिक को उनके लोगों ने दिल्ली में फील्डिंग कर बचा लिया मगर बेचारे रवि मित्तल का आदेश निकल गया। रवि मित्तल सीएम के जिले में कलेक्टर रह चुके हैं और उनके विश्वस्त भी थे। जनसंपर्क और सीएम सचिवापलय की पिच पर ठीकठाक जम भी गए थे। मगर आश्चर्यजनक तौर पर उन्हें यहां से पीएमओ बुला लिया गया तो सभी सन्न रह गए

एसपी हो तो ऐसा

छत्तीसगढ़ के सारे पुलिस अधीक्षक भ्रष्ट और रीढ़विहीन नहीं हैं। एक जिले के कप्तान की पोलिसिंग इतनी तगड़ी है कि खुद पुलिस वाले परेशान हैं। नेताओं को उनसे उल्टे सीधे काम की सिफारिश करने में घबराहट होती हैं। उनका एक वाकया आजकल बड़ी चर्चा में है। रुलिंग पार्टी के एक विधायक जी एसपी से उनके ऑफिस में मिलने गए। उन्होंने जिला बदर वाले क्रिमिनल की वकालत करते हुए कहा, चुनाव में वह 600 से 700 वोट दिलवाता है...उसके यहां पारिवारिक फंक्शन है...वो आएगा तो जरा देख लीजिएगा। एसपी ने उन्हें दो टूक कह दिया...वो यहां आया तो एनकाउंटर हो जाएगा। विधायक जी अब अपनी पीड़ा लोगों को बता रहे हैं। हालांकि, वो यह नहीं समझते कि शातिर क्रिमिनल को पनाह देकर 600 वोट की जगह अपना हजारों वोट खराब कर रहे हैं। छत्तीसगढ़ के वोटर ऐसे जनप्रतिनिधियों को कभी पसंद नहीं करते जो अपराधियों को संरक्षण देते हैं।

अंत में दो सवाल आपसे?

1. वित्त मंत्री ओपी चौधरी के साथ काम करने के लिए अफसर तत्पर क्यों रहते हैं?
2. कर्मचारी भर्ती बोर्ड का प्रथम चेयरमैन किस आईएएस को बनाया जाएगा?

epaper : www.haribhoomi.com

हरिभूमि CLASSIFIED

Email : response.haribhoomi@gmail.com

आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact for advertisment booking :
Raipur- 6263818152
79871-19756

Appointment
आवश्यकता

टेलीकॉलर

Requirment- Creditsea Finance Hiring Telecaller - Collection Associates (Hindi, English, Tamil, Telugu, Kannada, Malayalam). Salary 15,000–25,000; Male/Female; Complete Desk Job.3rd floor, Radhey Chambers, Pandri. Contact HR : 9109165137, 7999611198, 9131205196; Freshers, Experienced apply Immediately now. (RO-7243)

महिला कुक

आवश्यकता है- न्यू राजेंद्रनगर रायपुर में घर में शाकाहारी खाना बनाने के लिए कुशल महिला की आवश्यकता है। काम का समय सुबह 8 से 1 शाम 4 से 7, वेतन 8000/- सम्पर्क करें- 8120289207 एवं 7893045289. (RO-6607)

ऑफिस/बॉय

आवश्यकता है- हरिभूमि भिलाई कार्यालय में ऑफिस बॉय की आवश्यकता है योग्यता 8वीं/10वीं, वेतन योग्यतानुसार संपर्क करें:- उषा टावर के सामने राधा पैथोलॉजी के ऊपर प्रथम तल सुपेला भिलाई फोन नं.- 0788 - 4091720, 9303508147 (आरो - 4142)

मैनेजर/सेल्समैन

आवश्यकता है- पंडरी स्थित मैंस वेयर क्लॉथ/एथनिक शोरूम में काम करने हेतु आवश्यकता है - 1 मैनेजर, 2 सेल्समैन, 3 हेल्पर, 1 कंप्यूटर ऑपरेटर, 1 मास्टर (ट्रायल लेने हेतु) । सैलरी+इनसेंटिव । संपर्क : 9039709007, 9009110300. (RO-7394)

मशीन ऑपरेटर

टेक्सटाईल स्पिनिंग (धागा) मिल, रायपुर (छत्तीसगढ़)
नई टेक्सटाईल धागा मिल में साफ व ठंडे वातावरण में मशीन चलाने हेतु नये/पुराने अनुभवी वर्कर्स, लेबर ऑफिसर, कांट्रेक्टर, क्वालिटी डिपार्टमेंट (ग्रेजुएट) एवं प्रोडक्शन सुपरवाइजर (ग्रेजुएट) चाहिए।
रहने की उत्तम सुविधा व कैंटीन मिल में उपलब्ध।
पहले दिन से PF/ESIC कवरेज व पेमेन्ट सीधे बैंक खाते में। 240 दिन से अधिक हाजरी पर छुट्टी का पैसा अलग।
संपर्क करें। 9827163216 8462933820

ड्राइवर/कुक

आवश्यकता है- वीआईपी चौक, तेलीबांधा में निजी / घरेलू कार चलाने हेतु न्यूनतम 5 वर्ष अनुभवी ड्राइवरों और शुद्ध शाकाहारी भोजन बनाने हेतु कुक की आवश्यकता है। बीड़ी - सिगरेट / शराब - गुटखा निषेध। 9300593000. (RO-7248)

हमाल

आवश्यकता है- उरला स्थित राइस मिल हेतु परमानेंट कार्य के लिए हेमाल गैंग की आवश्यकता है। कुल 40 हेमाल, सम्पर्क करें- मो. नं. 9826136200. (RO-064)

ड्राइवर

आवश्यकता है- ऑटोमेटिक कार चलाने हेतु ड्राइवर की आवश्यकता है। 35 साल से अधिक उम्र का होना अनिवार्य है। ड्यूटी टाईम प्रतिदिन सुबह 9 से रात 8:30 बजे तक , रविवार ड्यूटी टाईम सुबह 9 से शाम 6:00 बजे तक (सूचना :- जेसीबी, हाइड्रा, आदि जैसी गाड़ी चलाने वाले संपर्क ना करें) सैलरी 25,000/-प्रतिमाह । रहने, खाने-पीने, बाइक, पेट्रोल की व्यवस्था नहीं दी जाएगी । जो तत्काल जॉइन कर सके वही संपर्क करें, बेवजह कॉल ना करें। पता - सिविल लाईन्स, रायपुर, कॉल करने का समय सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक संपर्क :- 9644720222. (आरो-26)

हरिभूमि क्लासीफाईड

आवश्यकता है- घरेलू वाहन चलाने हेतु ड्राइवर की आवश्यकता है स्थान राजा तालाब रायपुर 9009108903, 6260966634.(RO-178)

दुकान कार्य

आवश्यकता है- कपड़ा दुकान में काम करने के लिए मेहनती एवं व्यवहारिक लड़कों की आवश्यकता है। आकर्षक वेतन, संपर्क करें – पूजा साड़ी हाउस, महालक्ष्मी कपड़ा मार्केट, पंडरी, रायपुर। (आरो-512)

आवश्यकता है- दुकान में काम करने स्टाफ एवं हम्माल की आवश्यकता सैलरी 10000 -12000. हम्माल की सैलरी 15000। दुकान के काम के लिए ड्राइवर सहित ई-रिक्शा चाहिए। बजाज इंटरप्राइजेज , स्टेशन रोड, रायपुर 8109799778, 9425843865.(RO-221)

आवश्यकता है- पढ़े लिखे युवक की जो पूल टेबल गेम की दुकान में कार्य कर सके वेतन योग्यतानुसार मिलने का समय शाम 4 से 8:30 बजे स्थान पूल वेली शॉप नंबर 179 न्यू सिविक सेंटर भिलाई (आरो नं.-10420)

आवश्यकता है- होलसेल खिलौना दुकान बंजारी चौक गोल बाजार के पास कार्य हेतु मेहनती लड़कों एवं लड़कियो की आवश्यकता है संपर्क रायपुर 8349712577 9827918086. (RO-835)

आवश्यकता है- रायपुर रेल्वे स्टेशन के पास हार्डवेयर शॉप व गोडाउन में काम करने हेतु मेहनती लड़के- 4 पद की आवश्यकता है। आकर्षक वेतन गुढ़यारी/रामनगर निवासी को प्राथमिकता। संपर्क:- 9425286528. (RO-778)

हेल्पर

आवश्यकता है- पंडरी में मेंस वियर होलसेल शॉप काम करने के लिए हेल्पर की आवश्यकता। कृपया अनुभवी ही संपर्क करे। शादीशुदा को प्राथमिकता। समय -full day Salary -upto 15k मो- 9981105000. (RO-183)

सेल्सकर्मी

आवश्यकता है- रेडीमेड गारमेंट्स और साड़ी शॉप (पंडरी) में काम करने के लिए स्टाफ लड़का/ लड़की की आवश्यकता है एवं सेल्समैन की आवश्यकता है। सम्पर्क करें-7076048454. (आरो-6604)

आवश्यकता है- पेट्रोल पंप में कार्य करने हेतु युवक/युवतियों की आवश्यकता है। अनुभवी को प्राथमिकता इच्छुक व्यक्ति अपने बायोडाटा सहित सम्पर्क करें। डागा पेट्रोल पंप, फाफाडीह चौक, स्टेशन रोड, रायपुर। मो.- 8109135400. (RO-733)

सेनेटरी शोरूम कार्य

आवश्यकता है- टाइल्स एवं सेनेटरी के शोरूम में कार्य करने हेतु युवको की आवश्यकता है। संपर्क - मनन इंटरप्राइजेज, विधानसभा रोड, मोवा , थाने के सामने, रायपुर मोबाइल : 9827109679. (RO- 524)

सेल्समैन/कम्प्यूटर आप

आवश्यकता है- विरदी साड़ी शोरूम हेतु पुरुष और महिला , सेल्समेन, कम्प्यूटर ऑपरेटर, ड्राईवर, सभी रायपुर निवासी अनिवार्य, अनुभवी को प्राथमिकता, विरदी साड़ी कंकालीपारा रोड , रायपुर संपर्क समय 10:30 - 9:00, 9425522577 , 9425522576. (RO-827)

ड्राइवर

आवश्यकता है- प्रिंटिंग प्रेस मशीन हेतु मेहनती कर्मठ (महिला/पुरुष) एवम अनुभवी ड्राइवर की आवश्यकता है।आवास भोजन सुविधा उपलब्ध, इच्छुक व्यक्ति सम्पर्क करें- रिंग रोड न.3, पिरदा चौक, रायपुर 9827116606, 9753672550. (RO-404)

नोट - विज्ञापन प्रकाशन के पहले दिन ही करेक्शन मान्य होगा।

शिक्षक

आवश्यकता है- महारानी लक्ष्मीबाई विद्यापीठ उच्चतर माध्यमिक विद्यालय तीन दर्शन मंदिर कैंप वन भिलाई को प्राइमरी मिडिल हाई स्कूल में इंग्लिश मीडियम को पढ़ने वाले शिक्षकों की आवश्यकता है संपर्क करें (आरो नं.-238)

मार्केटिंग

आवश्यकता है- मार्केटिंग एक्जीक्यूटिव की आवश्यकता है (5-8 वर्ष का अनुभव)। कविता पॉलीमर्स, यूनिट-2, उरकुरा रेल्वे स्टेशन रोड, भनपुरी,रायपुर मो नं. 9425202114.(RO-0361)

Requirment- Perfume manufacturing company require marketing executive for chattisgarh area Contact today with biodata: 9049000343.(RO-23003)

देख-भाल

आवश्यकता है- कुत्ते के आश्रम में जिम्मेदार स्टाफ चाहिए। कुत्तों को खाना देना, देख-भाल, मल मूत्र सफाई का कार्य. रू. 10,000 मासिक वेतन, रहना व खाना उपलब्ध। चंदखुरी रायपुर, छत्तीसगढ़ 7225888800.(RO-067)

आवश्यकता है- पढ़ी लिखी महिला की जो बेसहारा, विधवा, अकेली हो रायपुर स्थित घर की देखभाल करने, रहने खाने की सविधा के साथ हमारे संस्था में काम करे हर महीने सैलरी उम्र अधिकतम 35 वर्ष संपर्क व्हाट्सएप:- 8777261838. (RO-A)

दुकान कार्य

आवश्यकता है- युवा मेहनती लड़कों की आवश्यकता है। हार्डवेयर दुकान और गोडाउन में काम करने के लिए। साथ ही, अकाउंट्स और कंप्यूटर में रुचि रखने वालों के लिए भी अवसर है। वेतन 14000/- से शुरू होगा, योग्यतानुसार। स्थान: बॉम्बे मार्केट, राज टॉकीज के सामने। संपर्क करें: 9302702087 . (RO-4091)

सुपरवाइजर

आवश्यकता है- ट्रांसपोर्ट ऑफिस में (सुपरवाइजर) ट्रांसपोर्ट / लॉजिस्टिक्स फील्ड अनुभव आवश्यक जिम्मेदारी: गाड़ियों का संचालन, ड्राइवर मैनेजमेंट, रूट मॉनिटरिंग (कंप्यूटर ऑपरेटर) Data Entry योग्यता: बेसिक कंप्यूटर नॉलेज (MS Excel, Word आदि)- जिम्मेदारी: डेटा एंट्री, रिपोर्ट तैयार करना कार्य स्थल: Hamara Transport Co., Near Head Post Office, Durg वेतन: अनुभवानुसार अतिशीघ्र संपर्क - 9329021777, 7879665758 (आरो नं.-241)

टेक्निकल

आवश्यकता है- केबल टीवी एवं इंटरनेट कार्य हेतु रायपुर में टेक्निकल लड़को की आवश्यकता अनुभवी और फ्रेशर संपर्क करे वेतन 8 से 10 हजार मोबाइल 9589616300, 9754200143.(RO-840)

रिकवरी एक्जीक्यूटिव

REQUIRED - RECOVERY EXECUTIVE REQUIRED Bold Confident Male Required for Field Recovery Work. Must have Strong Commuunication Skills & Commanding Voice. Experience Preferred. Gujrati Tall, Raipur, Arya Rathore 8917345167.(RO-7269)

इलेक्ट्रीशियन/मेकेनिक

आवश्यकता है- परमानेंट जॉब सभी इंजीनियर, वेल्डर कटर, फिटर, गार्ड, कम्प्यूटर ऑपरेटर, आफिस कार्य-10, ड्राइवर, चपरासी-20, स्टोर कीपर, हेल्फर, सुपरवाईजर, 5वीं- ग्रेजुएट वेतन 11000-30000 रहना फ्री, सम्पर्क- व्यापार विहार बिलासपुर 6232429364.(आरो-40095)

हरिभूमि क्लासीफाईड

कंप्यूटर आपरेटर

आवश्यकता है- कम्पनी अधिकृत एलजी वोल्टास के सर्विस सेंटर में कंप्यूटर ऑपरेटर के कार्य के लिए ऑपरेटर की आवश्कता है। संपर्क, MIG 12, सेक्टर 2, शंकर नगर, रायपुर । मोबाइल -9826190214, 7566600066.(RO-Meet)

आवश्यकता है- कम्प्यूटर ऑपरेटर- बिलासपुर में 2पद, राजनांदगांव में 2पद (पुरुष), इलेक्ट्रिकल (बाहरी) फील्ड सुपरवाइजर राजनांदगांव में 2पद (पुरुष) सिविल इंजीनियर बिलासपुर में 1पद (पुरुष), बायोडाटा 9303023570 पर भेजें (RO-40285)

होटलकर्मी

आवश्यकता है- होटल के लिए हलवाई, मिस्त्री की तत्काल आवश्यकता है पेमेंट 18000 से 30000 सम्पर्क करें- राजपाल स्वीट्स यदुनंदन नगर तिफरा बिलासपुर 9300521234.(RO-40270

अन्य

आवश्यकता है- Merchant Ny को कंपनी द्वारा 750 लड़के लड़कियों की योग्यता 10वीं पास से स्नातक तक सैलरी (35500-85500) रहना खाना बीमा फ्री इच्छुक व्यक्ति अपने Documents WhatsApp करें अधिक जानकारी हेतु कॉल करें- 7521088984. (RO-1350)

Finance
फायनेंस

फाइनेंस -प्रगति फाइनेंस द्वारा सभी प्रकार लोन उपलब्ध बिजनेस , पर्सनल, कृषि महिला समूह , मकान , दुकान, लघु उद्योग, पर्सनल लोन, आधार कार्ड , पैन कार्ड प्रति उपलब्ध (2% ब्याज), (30% छूट) संपर्क:- 7489545029.(RO-1354)

हरिभूमि क्लासीफाईड
छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

Property
प्रापर्टी

प्लाट

प्लॉट बेचना है - रायपुरा वृंदावन कॉलोनी के पास आवासीय 800 वर्गफीट एवं 1000 वर्गफीट पूर्व पश्चिम दिशा का प्लाट बेचना हैं। सम्पर्क करें- पारस कंसट्रक्शन, मो. 9827192035, 9204936794.(आरो-057)

वैवाहिकी

वर/वधु चाहिए

वर/वधु चाहिए-28 वर्षीय वधु के लिए वर तथा दो 32 वर्षीय वर के लिए वधू तथा 65 वर्षीय वर के लिए वधू चाहिए जाति बंधन नहीं सम्पर्क करें- 7400556967, 7400556967 (10411)

वर चाहिए

वर चाहिए- 33वर्ष, 5' 2'', B.E.Civil. Mtech, Structural Desing Engineer, पुणे में कार्यरत, 5 लाख वार्षिक पैकेज सुंदर सुशील कन्या हेतु नौकरी पेशा, समकक्ष साहू वर चाहिए, मैरिज ब्यूरो क्षमा करें। संपर्क करें:- मो.-99261-98299 (240)

वधु चाहिए

वधू चाहिए
इकरार साह खान
उर्म: 50 वर्ष, जिला दुर्ग. केला बाड़ी मजार के पास. (दिल्ली) बिजनेश मैन हेतु वधू चाहिए. जाति बन्धन नही. तुरंत सम्पर्क करे. लड़की डायरेक्ट बात करे.
93033 96004
88512 89207

विज्ञापन बुकिंग टाइम
सुबह 10:30 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक

विज्ञापन प्रकाशन हेतु संपर्क करें
62638-18152

आवश्यक सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पुर्ण जानकारी लेवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

Healthcare

गुप्त रोगी स्वयं मिले

शादी से घबराहट गुप्त रोग
- शीघ्र पतन से शारीरिक कमजोरी
- शारीरिक एवं मानसिक नपुंसकता
- लिंग में ढीलापन, छोटापन, पतलापन
- लिंग में टेढ़ापन
- वीर्य में शुक्राणु की कमी
- बढ़ती उम्र में सेक्स की कमी
- पेशाब में धातु जाना
- शुगर से सेक्स में आई हुई कमजोरी

संपर्क जे.जे. अहमद दवाखाना
सरकारी आई.टी.आई. पॉवर हाऊस अंबेडकर चौक, सी मार्ट के सामने बस स्टैण्ड, भिलाई
प्रतिदिन - सोम से शनि
समय - 9 बजे से 5 बजे तक
रविवार - 9 बजे से 2 बजे तक
9098889899

रील एडिक्शन
हेल्थ-लाइफ के लिए हार्मफुल

सोशल मीडिया पर रील्स की भरमार मौजूद रहती है। हर उम्र के लोग इसकी लत के शिकार हो रहे हैं। इससे उनके शारीरिक ही नहीं, मानसिक स्वास्थ्य और जीवन की गुणवत्ता पर भी प्रभाव पड़ रहा है। इससे बचने के लिए घर-बाहर अनुशासित रहते हुए कुछ नियमों का पालन करना जरूरी है। आप सभी के लिए बहुत जरूरी सलाह।

कवर स्टोरी / रजनी अरोड़ा

वर्तमान डिजिटल युग में वर्चुअल दुनिया की लत, नई महामारी के रूप में तेजी से उभर रही है। जिसके विभिन्न प्लेटफॉर्मों के मोहपाश में अमूमन हम सभी बंधे हुए हैं। जेन-जी कहलाने वाली युवा पीढ़ी तो रियल वर्ल्ड के बजाय आर्टिफिशियल रील वर्ल्ड में घूम रही है। सोशल मीडिया पर वायरल होने, ख्याति पाने, फॉलोअर्स बढ़ने और पैसा कमाने की मंशा से रोज कंटेंट क्रिएट करने या फन रील्स बनाने की रैट रेस में शामिल हैं। इसके चलते न सिर्फ अभद्र आचरण, बल्कि अमर्यादित भाषा-डांस का भी सहारा लेते हैं। यही नहीं कई बार खुद अपनी और दूसरों की जान भी खतरे में डालने से गुरेज नहीं करते हैं। इसी वजह से आए दिन सोशल मीडिया को लेकर कई दुखद खबरें सुर्खियों में रहती हैं। ऐसे में डिजिटल एडिक्शन से बचने के लिए प्रभावी कदम उठाने जरूरी है।

बर्बाद होता है कीमती समय गौर करें तो अधिकांश सोशल मीडिया रील्स में कोई तर्क, तथ्य नहीं होता है। स्वस्थ और मर्यादित मनोरंजन भी नहीं होता। लेकिन इनकी लत ऐसी है कि लाखों-करोड़ों लोगों का कीमती वक्त रील्स देखने में गुजर जाता है। असल में टेक्नीक बेस्ड सोशल मीडिया कंपनियों का एल्गोरिदम, व्यूअर्स को खुद से जोड़े रखने के लिए पसंद के मुताबिक रील्स एक के बाद एक दिखाता रहता है। एक रिपोर्ट के मुताबिक दुनिया भर में इंस्टाग्राम के लगभग 240 करोड़ यूजर्स हैं, जिनमें से तकरीबन 50 करोड़ भारत में हैं। जो रोजाना तकरीबन 1 करोड़ 76 लाख घंटे रील्स देखने में बिताते हैं और 350 करोड़ रील्स दूसरों से शेयर करते हैं। टिकटॉक पर तो यह आंकड़ा 10 गुना ज्यादा है यानी रोजाना 19 करोड़ 78 लाख घंटे रील्स देखने में बिताते हैं। वहीं मेटा के हिसाब से फेसबुक और इंस्टाग्राम पर रोज तकरीबन 20 हजार करोड़ रील्स देखी जाती हैं।

क्या होता है असर: बहुत ज्यादा रील्स देखने से हमारे ब्रेन में डोपामाइन का विस्फोट होता है। यह एक न्यूरोट्रांसमीटर है, जो हमारी हैप्पीनेस के लिए जिम्मेदार है और यह रिवार्ड सिस्टम की तरह काम करता है। लाइक्स, ज्यादा से ज्यादा व्यूअर, फॉलोअर और सब्सक्राइबर मिलने से डोपामाइन बढ़ जाता है। यह और ज्यादा रील्स देखने के लिए मजबूर करता है। वहीं आपकी पोस्ट पर अगर ज्यादा लाइक्स या अच्छे कमेंट्स नहीं मिलते, तो हीन भावना से ग्रस्त हो जाते हैं, खुद को दूसरे से कमतर समझने लगते हैं और नेगेटिविटी का शिकार हो जाते हैं।

रिश्तों से बढ़ रही दूरी: रील बनाने के जुनून ने युवाओं की सोच और जीवनशैली पर गहरा असर डाला है। रील्स न बनाने वाले को आजकल पुराने जमाने या जेन एक्स की सोच वाला माना जाता है। ऐसे लोग वास्तविक जीवन में सार्थक बातचीत और अनुभवों को साझा करने के बजाय सोशल मीडिया में लगे रहते हैं। जिसके चलते वे अपने रिश्ते-नातों, अपनी जिम्मेदारियों से मुंह मोड़ रहे हैं। सामाजिक अलगाव, तनावपूर्ण रिश्ते और वास्तविक दुनिया में सामाजिक मेलजोल में कमी आ रही है।

बढ़ रही हैं शारीरिक समस्याएं: खेलने या फिजिकल एक्टिविटी करने के बजाय घर की चारदीवारी में मोबाइल या टैब पर घंटों बैठे रहते हैं। आउटडोर गेम्स खेलने से दूर होते जा रहे हैं। गतिहीन जीवनशैली की वजह से मोटापा और स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं हो रही हैं। आंखों में तकलीफ होती है, ड्राई आई विजन जैसी समस्याएं हो सकती हैं। गलत पोश्चर में काम करने से गर्दन और पीठ में दर्द की शिकायत रहती है। स्क्रीन से निकलने वाली ब्ल्यू रेज से नींद में खलल पड़ सकता है, नींद की क्वालिटी प्रभावित होती है।

ऐसे छूटेगी रील एडिक्शन: सोशल मीडिया की लत, उसके नकारात्मक प्रभावों को कम करने के लिए एक सुरक्षित और अधिक सकारात्मक ऑनलाइन वातावरण को बढ़ावा देना जरूरी है। इसके लिए आपको कुछ बातों का ध्यान रखना जरूरी है।

स्क्रीन टाइम सीमित रखें: जानें कि आप अपने डिवाइस का इस्तेमाल क्यों कर रहे हैं और इससे आप क्या हासिल करना चाहते हैं? मैच्योर माइंड से दिन में टाइम लिमिट निर्धारित करें। दृढ़ संकल्प लें कि सोशल मीडिया का उपयोग कम से कम करना है। दिनचर्या नियत करें, जिसमें सोशल मीडिया के लिए नियत समय या एकाध घंटा निर्धारित करें। खुद के लिए समय निकालें। सभी फैमिली मेंबर्स खुद से कमिट करें कि उन्हें कुछ मिनट या अधिकतम आधे घंटे स्क्रीन देखना है।

डिजिटल लिट्रेसी है जरूरी: पैरेंट्स के लिए डिजिटल दुनिया की उपयोगिता, डिजिटल-स्पेस, इंटरनेट की अच्छाइयों, बुराइयों को जानना जरूरी है। ध्यान रखना चाहिए कि बच्चे किसी गेमिंग या गेंबलिंग एप का हिस्सा न बन रहे हों। बच्चों में रियल लाइफ के रिश्तों और रील लाइफ की आभासी दुनिया और सही-गलत में अंतर करने की समझ विकसित करनी चाहिए। डिजिटल गैजेट्स टाइम पास या गेम खेलने के बनिस्पत बच्चों की जरूरतों को पूरा करने के लिए उपयोग में लाना सिखाना चाहिए।

इसके अलावा पैरेंट्स की जिम्मेदारी बच्चों को सिर्फ अच्छी सुख-सुविधाएं देना ही नहीं हैं, अनुशासन, कानून का सम्मान और जिम्मेदारी सिखाना भी है। बच्चों को यह समझाना भी है कि सोशल मीडिया पर हिट होने के लिए अपनी या किसी दूसरे की जिंदगी को खतरे में न डालें।

स्कूलों में हो डिजिटल एजुकेशन: फिजिकल एजुकेशन की तरह डिजिटल एजुकेशन भी कंपल्सरी होनी चाहिए। बच्चों को सोशल मीडिया की लत के नुकसान हैं, इनको देखने में खराब होते टाइम के बारे में समझाया जाना चाहिए। पाठ्यक्रम में डिजिटल सिटिजनशिप प्रोग्राम की शुरुआत करनी चाहिए। जिसमें छात्रों को ऑनलाइन सुरक्षा, नैतिकता और सकारात्मक डिजिटल फुटप्रिंट बनाए रखने के महत्व के बारे में शिक्षित किया जाना चाहिए। बच्चों को जिम्मेदार सोशल मीडिया के उपयोग और ऑनलाइन शिष्टाचार पर मार्गदर्शन के साथ-साथ अनुचित सामग्री साझा करने के परिणामों के बारे में जानकारी देनी चाहिए।

माइंडफुल प्रैक्टिस है जरूरी: उन ट्रिगर्स से अवगत रहें, जो रील के अत्यधिक उपयोग का कारण बनते हैं। डिजिटल गैजेट्स का समझदारी से उपयोग करें। ताकि प्रोडक्टिव रहें और मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाए रखें।

करें सेल्फ कंट्रोल एक्सरसाइज: अपना फोन अपने से 15 फीट दूर चार्ज करें और संभव हो तो आप जिस रूम में हों, वहां चार्ज न करें। यह डिस्टेंस आपको फोन से अलग काम करने के लिए प्रोत्साहित करेगा। फोन में फालतू के एप्स खासकर सोशल मीडिया का नोटिफिकेशन बंद कर दें। घर में कुछ जगह नियत करें जहां फोन का इस्तेमाल नहीं करना है जैसे खाना खाते समय, काम के समय या पढ़ते समय।

दूसरी एक्टिविटीज में हों शामिल: पैरेंट्स को बच्चों का रोल मॉडल बनना चाहिए। सोशल मीडिया पर निर्भरता कम करने के लिए ऑफलाइन शौक विकसित करने चाहिए और फिजिकली एक्टिव रहना चाहिए। खासकर बच्चे को फिजिकल एक्टिविटीज करने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए। स्पोर्ट्स से वो हार-जीत की भावना तो सीखता ही है, शारीरिक, मानसिक तौर पर फिट रहता है।

नींद को महत्व दें: सोने का समय निर्धारित करें और सोने से करीब एक घंटा पहले स्क्रीन से दूर रहें। ब्ल्यू लाइट फिल्टर का इस्तेमाल करें। खासकर रात को स्क्रीन पर ब्ल्यू लाइट फिल्टर लगाएं। ताकि नींद न आने की समस्या से बचाव हो सके।

लें मदद: लत पर काबू पाने के लिए मार्गदर्शन और मदद के लिए दोस्तों, परिवार या मनोचिकित्सक से संपर्क करें। *

(फोर्टिस एस्कॉर्ट हार्ट इंस्टीट्यूट, दिल्ली में साइकोलॉजिस्ट डॉ. भावना बर्मी से बातचीत पर आधारित)

मनोरोगों के हो रहे शिकार

आज के दौर में युवाओं के मन में दूसरों से पीछे न रह जाएं, आउटडेटेड न दिखें, टेकसेवी न कहे जाने की मानसिकता के चलते सोशल मीडिया पर फोटो या रील्स डालने का पियर प्रेशर रहता है। इसकी वजह से कई तरह की समस्याएं आती हैं। ध्यान में कमी, रील्स देखने से ध्यान और एकाग्रता में कमी होना, जरूरी काम या रचनात्मक गतिविधियों में ध्यान न लगा पाना, काल्पनिकता में जीना, दूसरों से तुलना करना और खुद को कमतर मानना, आत्मविश्वास में कमी जैसी समस्याएं देखी जा रही हैं। हॉर्वर्ड मेडिकल स्कूल की रिसर्च के मुताबिक सोशल मीडिया पर रील्स देखने या बनाने की लत को वैज्ञानिक मास साइकोजेनिक इलनेस कहा जा रहा है। रील्स उन्हें मनोरोगी बनाने का कारण रही है। किसी से अपने मन की बात शेयर नहीं कर पाते हैं, जिसकी वजह से उनमें स्ट्रेस, एंजाइटी, आक्रोश, गुस्सा बहुत बढ़ रहा है। नाकाम होने पर कई बार अपने को संभाल नहीं पाते और डिप्रेशन का शिकार हो रहे हैं।

इस बात में संदेह नहीं कि एआई तकनीक में कई तरह कमाल की क्षमताएं मौजूद हैं। जहां कुछ लोग इसका मिसयूज कर रहे हैं। वहीं बहुत से लोग इसे पॉजिटिव तरीके से यूज करके नाम कमा रहे हैं, अपने जीवन को नई दिशा दे रहे हैं। जरूरत है एआई के संयमित और सही तरीके से उपयोग करने की।

एआई का पॉजिटिव यूज कर सकता है कमाल

टेक्नोलाइफ
डॉ. मोनिका शर्मा

आमतौर पर एआई के गलत इस्तेमाल के समाचार आते हैं। इसकी गलत सलाहों की भी खूब चर्चा होती है। हम सदा से सुनते आए हैं कि किसी भी वस्तु या सेवा की अच्छाई या उसके उपयोग के परिणाम इस बात से तय होते हैं कि उसका इस्तेमाल कैसे किया जाता है? उसके उपयोग की मंशा क्या है? इस मोर्चे पर एआई के सही इस्तेमाल को लेकर एक टेक प्रोफेशनल हसन ने प्रेरणादायी उदाहरण सामने रखा है। हसन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा की अपनी पोस्ट में बताया कि उन्होंने सिर्फ तीन महीनों में 27 किलो वजन कम कर लिया। ध्यान देने वाली बात है कि अपनी इस फिटनेस यात्रा में हसन ने चैट जीपीटी के सात प्रॉम्प्ट्स को यूज किया। जिम, सप्लीमेंट्स, पर्सनल ट्रेनर और बिना किसी महंगे फिटनेस एप के एआई की सहायता से एक सधा हुआ प्लान तैयार कर इस फिटनेस गोल को उन्होंने हासिल किया।

सकारात्मक हो इरादा: असल में आधुनिक तकनीक के इस्तेमाल का इरादा पॉजिटिविटी लिए हो तो परिणाम भी सकारात्मक मिलते हैं। इस मोर्चे पर यूजर्स का अनुशासन और आत्म नियमन तकनीक के मिली सुविधाओं का सार्थक इस्तेमाल करने के लिए आवश्यक है। चैट जीपीटी जैसे टूल्स मोटिवेट भी कर सकते हैं और मनोबल भी तोड़ सकते हैं। सब कुछ इस बात पर निर्भर है कि टेक्निकल सहूलियत का उपयोग कितने सधेपन से हो रहा है? कैसी जानकारियां मांगी जा रही हैं? किन विषयों पर सलाह ली जा रही है?

प्रश्न सही तो उत्तर सही: जैसा प्रश्न वैसा ही जवाब। यह बात वर्चुअल या असल सलाहों के मामले में अकसर लागू होती है। तकनीकी टूल्स के मामले में सबसे अहम यही है कि आप उनसे क्या पूछ रहे हैं? टेक प्रोफेशनल के मामले में यह बात गहराई से समझने योग्य है। सबसे पहले उन्होंने अपना वजन, उम्र, हाइट और टार्गेट डालकर चैट जीपीटी से अपने शरीर का एनालिसिस करवाया। साथ ही 12 हफ्तों का ऐसा फिटनेस और डाइट प्लान मांगा, जिसमें जिम जाने की जरूरत न पड़े। अपने रुटीन को ध्यान रखते हुए बहुत व्यावहारिक लक्ष्य रखे। खाने के लिए हाई प्रोटीन, फिक्स कैलोरी वाला साप्ताहिक प्लान का चार्ट बनाकर उसे फॉलो किया।

इस पहल पर एआई ने उन्हें डेली स्नैक्स की लिस्ट दी। इतना ही ओवरईटिंग रोकने के लिए खुद से बात करने वाले छोटे-छोटे मैसेज भी बनाए। कुल मिलाकर देखा जाए तो एआई ने जिम, महंगे खाने और भारी-भरकम रुटीन के बजाय एक ऐसी जीवनशैली का प्रारूप दिया, जिसके हिसाब से चलना मुश्किल न हो। आम जिंदगी में भी देखने में आता है कि वजन कम करना हो या कोई दूसरा लक्ष्य पाना, मुश्किल रुटीन को शुरू करने वाले लोग उसे बहुत दिन तक फॉलो नहीं कर पाते। यह वाकया बताता है कि पहले खुद अपनी एक चेकलिस्ट बनाकर तकनीकी टूल्स से मदद लेना बेहतर है। इससे मिलने वाली सही और टिकाऊ योजना न केवल लंबी चलती है बल्कि सफल भी होती है।

यूजर्स का अनुशासन अहम: एआई के इस्तेमाल में यूजर्स का अनुशासन सबसे अहम है। इन दिनों 'रेस्पॉन्सिबल एआई' शब्द भी चर्चा में है। इस शब्द का अर्थ उन नैतिक सिद्धांतों और शासन के नियमों से जुड़ा है, जिनका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि एआई टेक्नोलॉजीज का विकास और उपयोग इस तरह से किया जाए, जिससे समाज को लाभ हो। इनके इस्तेमाल से नुकसान कम हो। समझना कठिन नहीं यूजर्स का अनुशासन ही उपयोग को सार्थक बना सकता है। इन दिनों जब एआई के कुछ टूल्स का गलत इस्तेमाल कुछ लोग करते हैं। वहीं बहुत से लोग तकनीक के माध्यम से अपने पुरखों की तस्वीरों को नया रूप भी दे रहे हैं। अपने आइडियाज सुंदर सकारात्मक संदेश देने वाले वीडियो में ढाल रहे हैं। एआई के उपकरण दिव्यांगों की सहायता करते हैं। सिरी और एलेक्सा जैसे वर्चुअल असिस्टेंट रोजमर्रा के कई कामों को आसान बनाते हैं। कनाडा के युवा उद्यमी तुआन ले का उदाहरण भी इस मामले में एक मिसाल ही है। बिना किसी कॉलेज डिग्री या प्रोफेशनल कोर्स यूट्यूब से स्किल सीखने की जिद ने तुआन को एक कामयाब उद्यमी बना दिया। वीडियो एडिटिंग से करियर की शुरुआत करने वाले इस युवा ने यह स्किल पूरी तरह यूट्यूब से सीखी। फिर छोटे कारोबारियों के लिए बहुत कम फीस लेकर वीडियो बनाए।

कोविड काल में काम पर असर भी पड़ा पर फिर क्लाइंट बढ़ते गए। तुआन ने धीरे-धीरे अपने काम को 12 करोड़ रुपए के बिजनेस में बदल दिया। हाल ही में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भी 'स्किल द नेशन एआई चैलेंज' कार्यक्रम में कहा कि 'कृत्रिम बुद्धिमत्ता विश्वभर की अर्थव्यवस्थाओं और समाजों को नया आकार दे रही है। यह हमारे सीखने, काम करने, आधुनिक सेवाओं तक पहुंचने और मानवता की सबसे बड़ी चुनौतियों का सामना करने के तरीकों को बदल रही है।'

राष्ट्रपति ने यह भी कहा कि भारत जैसे युवा राष्ट्र के लिए एआई केवल एक तकनीक नहीं, बल्कि सकारात्मक बदलाव का बहुत बड़ा अवसर है। *

कविता
विक्रम सिंह

आंखों की रोशनी

बस इतनी सी हसरत थी
कि बेटा पढ़-लिख जाए,
अपनी तनख्वाह से
घर का राशन ले आए।
दफ्तर जाने को
एक छोटा सा स्कूटर हो,
और बच्चों की फीस
समय पर भर पाए।
ख्वाब बस इतना था
कि शहर में उसका एक घर हो,
जिसके एक कोने में
बूढ़े बाप का छोटा सा कमरा हो।
मगर अब उसके पास
बड़ा फ्लैट, बड़ी गाड़ी है,
घर में खाना नहीं पकता
सब कुछ ऑर्डर पर आता है
पर उस आलीशान घर में
मेरा कमरा कहीं खो जाता है,
गाड़ियों के तेल के लिए पैसे हैं
पर मेरी दवा अकसर छूट जाती है
मेरी आंखों की रोशनी
धीरे-धीरे बुझ रही है,
बेटे की तरक्की
अंधेरे में उलझ रही है।

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

कविता में विचार

हाल में हेमंत देवलेकर का तीसरा कविता संग्रह 'प्रूफ रीडर' छपकर आया है। संग्रह में संकलित अधिकांश छोटी-छोटी कविताओं में हेमंत गहन विचारों के बीज रोपते दिखते हैं। दुनिया भर में इंसानी जीवन के समक्ष मौजूद संकटों पर दृष्टि डालते हुए कवि कहीं विचलित दिखते हैं तो कहीं छोटा-सा कोई भरोसा उनके भीतर उम्मीद की लौ भी प्रज्वलित कर देता है। 'एक नदी जिंदा चुन दी गई है/उसी का सन्नाटा है दीवार पर।' (रेत की हवस)। 'दुनिया कोरस में विलापती है/अब किसी का भरोसा नहीं रहा।' (भरोसा) जैसी पंक्तियां और 'लोरी', 'नई भूख' जैसी अनेक कविताएं हर संवेदनशील व्यक्ति को उद्वेलित करने में सक्षम हैं। *

पुस्तक: प्रूफ रीडर, **लेखक:** हेमंत देवलेकर, **मूल्य:** 250 रुपए
प्रकाशक: राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली

सम्मान

हाल में ही साहित्य अकादेमी ने वर्ष 2025 के लिए हिंदी की लोकप्रिय कथाकार ममता कालिया की संस्मरणात्मक पुस्तक 'जीते जी इलाहाबाद' को यह प्रतिष्ठित पुरस्कार देने की घोषणा की है। ममता जी के अब तक के रचनात्मक लेखन और इस पुस्तक की विशिष्टताओं को रेखांकित कर रहे हैं **पल्लव।**

ममता कालिया को जीते जी इलाहाबाद के लिए मिलेगा साहित्य अकादेमी सम्मान

साहित्य प्रेमियों को जिस खबर का पिछले कई वर्षों से इंतजार था, वह आ गई। साहित्य अकादेमी ने वर्ष 2025 के लिए हिंदी की प्रसिद्ध कथाकार ममता कालिया को यह पुरस्कार देने की घोषणा की है। उनकी संस्मरण पुस्तक 'जीते जी इलाहाबाद' को अकादेमी का यह प्रतिष्ठित पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। हालांकि इससे पूर्व उनके उपन्यास 'दुक्खम सुक्खम', लंबी कहानी 'दौड़', शहरनामे की किताब 'कितने शहरों में कितनी बार' और 'बोलने वाली औरत' कहानी संग्रह को भी साहित्य जगत में काफी प्रतिष्ठा मिल चुकी है।

ममता जी के लेखन का सिलसिला 1963 से प्रारंभ हुआ था और तब से उनका साहित्य सृजन निरंतर जारी है। उनके लेखन की मुख्य विशेषता यह है कि वे भारतीय मध्यवर्ग के सामान्य जनजीवन को अत्यंत कुशलता से अपने लेखन में चित्रित करती हैं। वे किसी विचारधारा या वाद से आक्रांत होकर नहीं लिखतीं बल्कि खांटी जीवनानुभवों को प्रगतिशील दृष्टि से लेखन में जगह देती हैं। आश्चर्य नहीं कि उनकी दो पुस्तकों के शीर्षक 'थोड़ा-सा प्रगतिशील' और 'खांटी घरेलू औरत' उनके लेखन की प्रतिज्ञाओं को भी दर्शाते हैं। पेशे से उच्च शिक्षा में अंग्रेजी की शिक्षक रहीं ममता जी को दिल्ली, मुंबई और इलाहाबाद में काम करने के अनुभव हैं। वे वर्धा के महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालय की अंग्रेजी पत्रिका 'हिंदी' की संपादक रहीं और कोलकाता की भारतीय भाषा परिषद की अध्यक्ष भी रहीं। विपुल मात्रा में लेखन करने वालीं ममता जी के गद्य को सदैव रोचकता, हार्दिकता और तरलता के लिए भी प्रशंसा मिली।

उनकी जिस कृति को अकादेमी ने पुरस्कार के लिए चुना है, वह संस्मरण की किताब है। ममता जी इससे पहले 'कितने शहरों में कितनी बार', 'अंदाज-ए-बयां उर्फ रवि कथा', 'कल परसों के बरसों', 'सफर में हमसफर' जैसी किताबें भी लिख चुकी हैं, जो कथेतर विधाओं की ही कृतियां हैं। कथेतर यानी कथा जैसी वे गद्य विधाएं, जो कथा तो नहीं हैं लेकिन कथा जैसा आस्वाद देती हैं। इनमें से 'कितने शहरों में कितनी बार' को विशेष रूप से आलोचनात्मक सराहना मिली, जो पहले 'तद्भव' पत्रिका में धारावाहिक रूप से प्रकाशित हुई और जिसने एक तरह से नई विधा का सूत्रपात किया। यह विधा है- शहरनामा। ऐसा नहीं है कि इसमें वे स्मृतियों की पुनर्रचना नहीं कर रही थीं बल्कि कोई चाहे तो इसे भी संस्मरण की ही कृति मान सकता है लेकिन यहां ममता जी का जोर उस शहर के चरित्र को ध्यान में रखकर अपने अनुभव लिखने पर रहा। 'जीते जी इलाहाबाद' इस रचना श्रृंखला की उच्चतम परिणति है, जहां इलाहाबाद (प्रयागराज) जैसे सांस्कृतिक शहर के चरित्र को लिखते हुए इसके भीतर वे अपने और अपने प्रियजनों के व्यक्तित्व की तलाश भी करती हैं। हिंदी में इस तरह की कृतियां बहुत अधिक नहीं मिलतीं और नई शताब्दी में साहित्य की विधाओं में आ रहे बदलावों तथा अंतर्क्रियाओं का भी श्रेष्ठ उदाहरण ममता जी का कथेतर लेखन बन गया है। पाठकों में कथेतर के आकर्षण का मुख्य कारण है जीवन यथार्थ की अंतरंग प्रस्तुति और उसमें कथा जैसी सूत्रबद्धता या पठनीयता। हिंदी गद्य के इतिहास में संस्मरण, रेखाचित्र और जीवनियां पुरानी विधाएं हैं लेकिन नई शताब्दी में इनका चोला पूरी तरह बदला हुआ नजर आता है। अब यहां अश्रु विगलित श्रद्धांजलियां नहीं होतीं और न पुरखों का अतिरिक्त महिमामंडन।

पिछली शताब्दी के अंतिम दशक में जिन कृतियों के साथ कथेतर साहित्य के नए दौर का आगमन हुआ, उनमें रवींद्र कालिया की संस्मरण पुस्तक 'गालिब छुटी शराब,' काशीनाथ सिंह की 'याद हो कि न याद हो', दूधनाथ सिंह की 'लौट आ, ओ धार' तथा कांतिकुमार जैन की 'लौट कर आना नहीं होगा' अग्रगण्य हैं। ध्यान देना चाहिए कि संस्मरणों के साथ हिंदी साहित्य में आत्म उद्घाटन का नया दौर भी शुरू हुआ, जो आगे यात्रा आख्यानों, आत्मकथाओं, डायरियों, रेखाचित्रों, शहरनामों और जीवनियों के साथ बढ़ता गया। ममता कालिया के संस्मरण, शहरनामे और रेखाचित्र कथेतर विधाओं की शक्ति और संभावनाओं को दर्शाते हैं। उनके रेखाचित्रों की किताब 'कल परसों के बरसों' में इलाहाबाद के अनेक साहित्यकारों के व्यक्ति चित्र आए हैं।

ममता जी का जन्म 2 नवंबर 1940 को वृंदावन में हुआ। उनके पिता विद्याभूषण अग्रवाल आकाशवाणी में थे और उनके चाचा भारतभूषण अग्रवाल जाने माने कवि-लेखक। उनकी प्रारंभिक और उच्च शिक्षा दिल्ली, मुंबई, पुणे, नागपुर और इंदौर जैसे अलग-अलग शहरों में हुई। उन्हें अनेक सम्मान एवं पुरस्कार प्राप्त हो चुके हैं, जिनमें व्यास सम्मान, साहित्य भूषण सम्मान, यशपाल स्मृति सम्मान, महादेवी स्मृति पुरस्कार, राममनोहर लोहिया सम्मान, कमलेश्वर स्मृति सम्मान, सावित्री बाई फुले स्मृति सम्मान, लमही सम्मान आदि प्रमुख हैं। उन्होंने हिंदी के यशस्वी कथाकार और संपादक रवींद्र कालिया से विवाह किया, जो पूरी तरह मसिजीवी थे। संघर्षों से भरा ममता जी और रवींद्र जी का जीवन इन दोनों के कथेतर साहित्य का आधार भी है। साहित्य अकादेमी का यह पुरस्कार उनके लेखन के महत्त्व की प्रतिष्ठा ही नहीं है अपितु नई शताब्दी में आ रहे बदलावों के मध्य कथेतर विधाओं के महत्व की भी उद्घोषणा है। उम्मीद की जानी चाहिए कि ममता जी की किताब के बहाने कथेतर विधाओं पर नए ढंग से चर्चा शुरू होगी और जीवन यथार्थ के उद्घाटन के लिए इनके सामर्थ्य को देखा-सराहा जाएगा। *

(लेखक दिल्ली के प्रसिद्ध हिंदू कॉलेज में सह आचार्य हैं)

जैकेट के शेष

29 दिग्गजों ने ....

लेकिन वे सदन में आक्रामक रहे। वहीं सत्ता पक्ष के विधायक अजय चंद्राकर आक्रामक भी रहे और सवाल भी 56 लगाए। 23 फरवरी से 20 मार्च तक विधानसभा का बजट सत्र में कुल 15 बैठकें हुईं। सत्ता पक्ष और विपक्ष के 29 सक्रिय विधायकों का हर दिन सवाल विधानसभा के प्रश्नकाल में आया। इनमें पुराने विधायक ज्यादा है वहीं नए विधायकों ने अपने क्षेत्र के मामलों को विधानसभा में उठाने में सफल रहे। देखा जाए तो सदन के वरिष्ठ विधायक सवाल लगाने में रूचि नहीं दिखा रहे हैं। विधायकों का कहना है कि जरूरी मामलों को विधानसभा में उठाने की रणनीति के चलते अधिक सवाल नहीं लगा पाए। वहीं कुछ विपक्ष के विधायक अपने क्षेत्र की समस्याओं को हर तरीके से सरकार के सामने लाने में सफल रहे।

यह हैं सबसे अधिक 56 ....

इंद्र साव, मोतीलाल साहू, अंबिका मरकाम, अजय चंद्राकर, ओंकार साहू, कुंवर सिंह निषाद, भावना बोहरा, यशोदा निलांबर वर्मा, हर्षिता स्वामी बघेल, दलेश्वर साहू, भोलाराम साहू, इंद्रसाव मंडावी, सावित्री मनोज मंडावी, लखेश्वर बघेल।

भूपेश आक्रामक अधिक...

धरमजीत सिंह ने 52 सवाल लगाए। राजधानी रायपुर के विधायकों में पुरंदर मिश्रा ने 39 तथा राजेश मूणत और सुनील सोनी ने 41-41 सवाल लगाए।

अधिकतम 56 ही ....

के दौरान 56 सवाल लगा सकते थे। जारी आंकड़ों को देखा जाए तो 29 ऐसे विधायक हैं जिनके 4 सवाल हर दिन लगे। कई सवालों पर चर्चा के दौरान विभागीय मंत्रियों ने जवाब भी दिया। 56 सवाल लगाने वाले विधायकों में विपक्ष के 21 और सत्ता पक्ष के 8 विधायक शामिल हैं।

लोग मानते हैं ....

प्रश्न- आपने कहा मैं उनसे सीखता हूं, लेकिन जो सफलता आपको मिली है, वो वह भी जानना चाहते हैं कैसे मिली।

उत्तर- देखिए पद से कोई बड़ा नहीं होता यह मेरा मानना है। मुझे यह एक अवसर अच्छा काम करने का दिया गया है। इन्हीं से मुझे यह अवसर मिला, जिसमें क्षेत्र और प्रदेश के विकास के लिए उसमें हम पीछे नहीं हटेंगे।

प्रश्न - दो साल पहले आप लोगों को अवसर क्यों मिला।

उत्तर - देखिए डॉ. रमन सिंहजी ने पिछले 15 सालों तक छत्तीसगढ़ का नेतृत्व किया, उनके नेतृत्व में प्रदेश में आमूल चूल परिवर्तन हुआ, जिससे प्रदेश की दिशा और दशा बदली। पिछले 5 सालों में हम स्वीकार करते हैं हममें कुछ कमियां रह गई। कही कुछ गलतियां रही होगी, जिसके कारण जनता ने हमें ठुकरा कर कांग्रेस को अवसर दिया था। 5 साल में जनता ने देख लिया कांग्रेस ने क्या किया। फिर से जनता को लगा बीजेपी का कार्यकाल अच्छा था तो फिर से जनता ने हमें मौका दिया।

प्रश्न - कांग्रेस ने क्या किया जो जनता को गलत लग गया?

उत्तर - मैं कोई राजनीतिक व्यक्ति नहीं हूं, मैं सकारात्मक सोच रखता हूं। जितना सोचता हूं, उस हिसाब से ऐसे कुछ कार्य कांग्रेस ने किए, जिसकी वजह से जनता ने उनको सत्ता से बाहर का रास्ता दिखा दिया। कांग्रेस ने पीएससी की परीक्षाओं में आमजन गरीबों का हक मारा, जिसकी वजह आज सब जेल में है। मां, बाप, अपना पेट काटकर अपने बच्चों को पीएससी की तैयारी करवाते हैं, लेकिन इनके अधिकारी और नेता द्वारा अपने बेटे बहू, दामाद का चयन करवाया गया। जो पात्र थे उनका चयन नहीं हो पाया और आज सब जेल में हैं। स्वामी आत्मानंद स्कूल की बात कर रहे थे कि हमारी सरकार ने बंद करवा दिया, हमारी सरकार ने आत्मानंद स्कूल को पीएम श्री आत्मानंद स्कूल में बदल दिया। दो-दो करोड़ रुपए उन स्कूल को दिया गया। शराब घोटाले में छत्तीसगढ़ के इतिहास में पहले मंत्री हैं, जो इतने दिनों जेल में रहे। इन्होंने बोरे बांसी जैसी योजना में सात करोड़ खर्च कर दिया। डीएमएफ के घोटाले में इनका डिप्टी सेक्रेटरी अभी भी जेल में है और कई तरह के इन्होंने भ्रष्टाचार किये। गांव में विकास कार्य बंद है की बात हो रही थी जबकि विष्णुदेव साय की सरकार में लगातार विकास कार्य हो रहे हैं। सारी योजनाओं का पैंसा आ रहा है। गांव में कहीं भी विकास कार्य बंद नहीं हुए है, प्रदेशभर में विकास हो रहा है। इन्होंने कमीशन के आधार नल जल योजना का काम बांटा, कहीं पानी टंकी बनी, तो कहीं पाइप लाइन नहीं थी। हमारी सरकार आने के बाद अरूण सावजी को विभाग मिला और काफी तेजी से कार्य हुआ। आदिवासी की जमीन हड़पने की बात आयी थी, जबकि अमरजीत भगत ने पहाड़ी जाति के लोगों की जमीन की फर्जी रजिस्ट्री कराकर हड़प लिया। हमारी सरकार आने के बाद हमने कहीं भी आदिवासीयों की जमीन को बेचने की अनुमति नहीं दी है।

प्रश्न- दो साल पहले बलौदाबाजार जिले में ऐसा क्या हुआ कि प्रदेश में बीजेपी आयी, लेकिन जिले में आपको छोड़कर बाकी सीटों में कांग्रेस आयी?

उत्तर- राजनीति में बहुत सारे समीकरण होते हैं, जीत और हार के बीच भी कहीं न कहीं कुछ समीकरण बनता है। जनता ने भाजपा की नीति और रीति को देखा तभी प्रदेश में हमारी सरकार बनी। शिवरतन शर्मा हमारे कद्दावर नेता है, आज विधायक नहीं है, फिर भी जनता की चिंता करते हैं।

प्रश्न- शैलेश नितिन त्रिवेदी के विषय में क्या मानना है आपका ?

उत्तर- शैलेश नितिन त्रिवेदी बहुत अच्छे आदमी हैं, जब मैं जिला पंचायत उपाध्यक्ष था, तो वह पाठ्यपुस्तक निगम के अध्यक्ष थे। हम दोनों तिल्दा में एक साथ कार्यक्रम में शामिल होते थे। विधानसभा में टिकट मिलने के बाद अलग-अलग हो गए, उनका कार्यक्रम अलग होने लगा, मेरा कार्यक्रम अलग होता है। वे काफी अनुभवी और कद्दावर नेता हैं। मैं तो कार्यकर्ता हूं।

प्रश्न - अभी जो जिम्मेदारी मिली है, कैसे निभा रहे हैं?

उत्तर- बहुत बढ़िया काम चल रहा है, चाहे हम विभाग की बता करें या क्षेत्र में विकास की बात करें। सीएम मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में हम कार्य कर रहे हैं। राजस्व विभाग की बात करें, तो राजस्व विभाग के प्रति लोगों का थोड़ा नकारात्मक भाव रहता है। लोगो की मानसिकता है, कि यह राजस्व विभाग है, यहां बहुत भ्रष्टाचार होता है, पटवारी को पैसे दिए बिना काम नहीं होता, उसमें हम कुछ नया बदलाव कर रहे हैं। कई संशोधन भी लाये हैं। इसके माध्यम से हमारा प्रयास है कि हम किसानों को भू मालिकों को सहुलियत दें, ताकि उन्हें तहसील व एसडीएम कार्यालय के चक्कर लगाना न पड़े, उसके परिणाम भी दिख रहा है।

प्रश्न - किसानों को रजिस्ट्री में बहुत पैसा लग रहा है?

उत्तर- भुईंया एप पहले से शुरू था, इसमें हमने जियो रिफ्रेनसिंग कराया है। आटो डायवर्सन, आटो नामांतरण और बडे-बड़े सुधार किए हैं। भूमाफियों को इसका फायदा नहीं मिल रहा है। दो दिन पहले विधानसभा में एक संशोधन पारित हुआ है, जब तहसीलदार से कोई केस खारिज हो जाता है, तो प्रथम अपील एसडीएम के पास करते थे और द्वितीय अपील के लिए कमिश्नर के पास जाना पड़ता था। कमिश्नर के पास जाना हर आदमी के लिए संभव नहीं हो पाता था, धन और समय दोनों लगता था। इसमें संशोधन किया, जिससे अब दूसरी अपील कलेक्टर आफिस में कर सकते हैं। इस तरह से कोशिश कर रहे हैं कि राजस्व विभाग में क्या नया कर सकते हैं, प्रक्रिया में सरलीकरण किया जा रहा है, जिससे किसानों और भू-मालिकों को सुविधा मिल सकें।

मछली पकड़ने पहुंचे, फूलों ....

के किसी प्लांट में नौकरी करने की बात भी कहते हैं। कुल मिलाकर मार्शल सांगा के बारे में भी बहुत ज्यादा गांव वालों को जानकारी नहीं है। वह आमाघाट साल- छह महीने में आता था। इस बीच जब उसकी पत्नी को पैसे की जरुरत पड़ती थी तो वह भेज दिया करता था। शादी को करीब 15 साल हो गया है, उसकी पत्नी अभी महीने भर पहले ही मां बनी है। पत्नी की डिलीवरी के लिए ही वह यहां आया था। उसके दो रिश्तेदार वहां रहते थे। शुक्रवार को गांव में अफीम खेती की सुगबुगाहट हुई तो दोनों चुपके से घर से निकल गए। किसी को इसका पता ही नहीं चला। बाद में पुलिस ने तलाशी ली तो तकिए के नीचे आधार कार्ड और साढ़े चार हजार रुपए मिला। साथ ही प्रोसेस किए गए अफीम वजन 3.02 किलो मिला। इतने अफीम की कीमत करीब 15 लाख बताई जा रही है।

सोशल मीडिया ने खोला राजः जहां अफीम की फसल लगाई थे वहीं पर कचकोबा के कुछ लोग गोढ़ी नाले में मछली पकड़ने गए थे। वहां कलर फूल देखे तो बरबस ही उनकी नजरें वहां तक चली गई। इसके बाद उसकी फोटो खींचे और सोशल मीडिया में डाल दिया । दूसरी ओर अभी प्रदेश में अफीम की खेती की चर्चा गांव-गांव में होने लगी है। उत्सुकता वश ही लड़कों ने इसे इंस्टाग्राम और अन्य सोशल मीडिया में पोस्ट कर दिया। इसमें गांव का नाम भी था, ऐसे में यह पुलिस तक पहुंची और गांव वालों ने भी सूचना दी। इसके बाद तो हड़कंप मच गया।

15 साल तक राजस्व विभाग ने नहीं किया अपडेट : राजस्व विभाग किस कदर लापरवाही से काम करता है इसकी बानगी आमाघाट अफीम कांड के बाद देखने को मिली है। यहां जिन लोगों की खेत में अफीम की खेती की गई है वह केलो परियोजना (लाखा डूबान) में आता है। इस जमीन का मुआवता 15 साल पहले ही मिल चुका है। इसके कारण लोग न तो वहां जाते थे और न ही खेती करते थे। याने वह बंजर जमीन के समान ही खाली पड़ी थी। बरसात में वहां पानी भरा रहता है। राजस्व विभाग ने पांच खसरों को 15 साल से अपडेट नहीं किया है। वहां किसानों के नाम पर खेत है और उड़द, धान की खेती दिखा रहा है।

सूरजमुखी लगाने के नाम पर लिया जमीन : मार्शल के ससुर मालिकराम ने बताया कि दोनों यहां काम करने के लिए आए थे। दिवाली के बाद आए थे और काम की तलाश कर रहे थे। इसी बीच उन्होंने उसे बताया कि सूरजमुखी की खेती करेंगे। तब गांव के इंद्रपाल गुप्ता, मेहत्तर राठिया समेत अन्य किसानों का जमीन लेकर वहां कुछ- कुछ लगाए थे। उनको तो आज पता चला कि वहां अफीम की खेती कर रहे थे। झारखंड से ही अफीम की बीज लेकर आए थे। उसे खेत को नाला पार करके जाना पड़ता था। इसके कारण भी लोग नहीं जाते थे।

अब बड़ा सवाल : लोकल नेटवर्क के बिना इतनी हिम्मत कोई नहीं करता। जमीन लेना और बाहर से बीज लाकर बोआई करना, इतना आसान नहीं है। सवाल यह है कि इसमें लोकल स्तर पर उनका साथ कौन दे रहा था और उनको फायनेंस कौन कर रहा था। कारण उनकी वास्तविक पोजीशन बहुत अच्छी नहीं थी। ऐसे में लोकल नेटवर्क और लोकल फायनेंस के दम पर ही इतनी हिम्मत से जोखिम भरी अफीम की खेती की जा रही थी।

अब ड्रोन से प्रशासन ढूंढ रहा अफीम : आमाघाट में अफीम की फसल मिलने के बाद कलेक्टर ने पूरे जिले में ड्रोन से सर्वे करने का निर्देश दिया है। इसमें एसडीएम, तहसीलदार, आरआई, पटवारी और कृषि विभाग के अधिकारियों को लगा दिया गया है। अब सभी अधिकारी खेत-खार में ड्रोन लेकर घूम रहे हैं। हर ब्लॉक में ड्रोन से सर्वे किया जा रहा है। अभी राजस्व और कृषि दोनों विभाग को इसका सर्वे करने के लिए तैनाती कर दी गई है। हालांकि बीते 12 मार्च से ही इसका सर्वे कराया जा रहा था। इसी बीच यह मामला सामने आ गया। 19 मार्च तक इसकी रिपोर्ट देना था।

रात में ही चला खेत पर जेसीबी और रोटावेटर : शुक्रवार को अफीम की खेती का मामला आने के बाद वहां पुलिस ने पहरेदारी बैठा दिया था। इसके बाद रात को खेत में रोटावेटर चलाकर समतल कर दिया गया था। ट्रैक्टर चला कर उसकी जड़ तक उखाड़ दिया गया है। अब वहां केवल मैदान ही नजर आएगा, एक भी पेड़-पौधा नहीं दिखेगा। 0 दो करोड़ की अफीम, 0 गिरफ्तार आरोपी मार्शल सांगा, 0 फरार आरोपी - इमानवेल भेंगरा, सीप्रियन भेंगरा, 0 अफीम के पौधे नग में – 60326, 0 वजन -2877 किला (करीब तीन टन), 0 कीमत- 1 करोड़ 90, तैयार अफीम वजन – 3.02 केजी, 0 कीमत – 15 लाख 10 हजार, 0 कुल कीमत - 2 करोड़ 5 लाख 10 हजार।

पेज एक के शेष

रायपुर ही नहीं, बिलासपुर ...

में छह मशीनें हैं जिनमें से तीन खराब हैं। यही हाल बिलासपुर, भिलाई और जगदलपुर का है। हालांकि अधिकतर निगम, पालिकाओं में मैन्युअल सफाई बंद करा दी गई है। रामकृष्ण अस्पताल की दुर्घटना के बाद हर जगह पाबंदी लगा दी गई है। सभी जगह मशीनों से ही सेप्टिक टैंक की सफाई की जा रही है।

दुर्ग-भिलाई निगम में सीवर सक्शन मशीनें लेकिन फायर बिग्रेड वाहन नहीं : दुर्ग/भिलाई। दुर्ग, भिलाई, रिसाली और भिलाई तीन चरोदा निगम में सेप्टिंग टैंकों की सफाई के लिए सीवर सक्शन मशीनें हैं। भिलाई निगम में 7 सीवर सक्शन मशीनें हैं। दुर्ग निगम के पास तीन सीवर सक्शन मशीनें हैं। रिसाली निगम और भिलाई तीन चरोदा निगम के पास 2-2 सीवर सक्शन मशीनें हैं। निगम की सार्वजनिक शौचालयों के सेप्टिंक टैंक की सफाई निगम अपने उपलब्ध सीवर सक्शन मशीनों से करवाती है।

बीएसपी पर निर्भर : भिलाई, दुर्ग ,रिसाली और भिलाई तीन चरोदा निगम के पास अग्निशमन वाहन नहीं है। बीएसपी और रिसाली निगम क्षेत्र में जब भी आगजनी की घटनाएं होती है वे बीएसपी से अग्निशमन वाहन बुलवाते हैं। दुर्ग निगम और भिलाई तीन चरोदा निगम क्षेत्र में आगजनी की स्थिति में नगर सेना के अग्निशमन वाहन पर निर्भरता है। भिलाई दुर्ग सहित आसपास के ग्राम्यांचल में भी बड़े अग्नि हादसे होने पर बीएसपी की दमकल गाड़ियों का सहयोग जिला व निकाय प्रशासन लेता रहता है। संयंत्र के अत्याधुनिक दमकल बेड़े में 40 से अधिक अग्नि शमन वाहन और अन्य केमिकल से आग बुझाने वाली आधुनिक मशीनें हैं।

जगदलपुर में दो मशीनें, आबादी के लिहाज से कम : जगदलपुर नगर निगम की आबादी करीब दो लाख है। वहां केवल दो मशीनें हैं। बताया जाता है कि रोजाना करीब दस से पंद्रह सीवर की सफाई होती है। कई बार मशीनें कम पड़ती है। हालांकि अब व्यक्तियों द्वारा सफाई बंद कर दी गई है। सफाई मशीनों के माध्यम से ही होती है।

600 करोड़ का प्रोजेक्ट...

की लागत एक करोड़ 30 लाख रुपए है। हालांकि शहर की प्रमुख ज्वाली नाला और दूसरी बड़ी नालियों की सफाई में मजदूरों को भी उतार दिया जाता है। राहत की बात यह रही है कि अभी तक कोई बड़ी दुर्घटना सामने नहीं आई है। निगम का दावा है कि सैप्टिक टैंक की सफाई भी मशीन से होती है।

निगम के पास पर्याप्त मशीनें: सीवरेज के साथ ही दूसरी नालियों की सफाई के लिए निगम के पास सुपर सकर मशीन है। इसमें सीवर लाइन में 10 से 15 फीट गहराई में जाकर सफाई करने के लिए ग्रेविंड एंड राडिंग मशीन भी है। इससे कर्मचारियों को सीवर लाइन के अंदर नहीं जाना पड़ता है। पहले जहरीली गैस, अंधेरा, बदबू और गंदगी की वजह से उन्हें सफाई करने में काफी परेशानी होती थी। - प्रकाश कुमार सर्वे, निगम आयुक्त, सेप्टिक टैंक सफाई के लिए तीन मशीन, **रायगढ़ में तीन मशीनें, एक दस साल पुरानी** : रायगढ़। नगर निगम रायगढ़ में सेप्टिक टैंक सफाई के लिए तीन मशीन है। इसमें से दो मशीनें पांच साल और एक मशीन 10 साल पुरानी है। दोनों मशीनें 2020 में 15वें वित्त की राशि से खरीदी गई थी। इसमें से दो वाहन ठीक है, एक बार बार खराब होती है। अधिकारियों का दावा है कि नगर निगम क्षेत्र में कहीं भी मेन पावर से सेप्टिक टैंक की सफाई नहीं कराई जाती है।

फायर टैंकर की आवश्यकता...

फायरमैन की कमी भी बनी हुई है। शहर की तंग गलियों में त्वरित आग बुझाने के लिए बुलेट फायर टैंकर की आवश्यकता है लेकिन अग्निशमन विभाग के पास वर्तमान में एक भी बुलेट फायर टैंकर नहीं है।

महाजंग की आग और ...

था। यह ईरान का सबसे बड़ा न्यूक्लियर सेंटर है, यहां यूरेनियम इनरिचमेंट किया जाता है। ईरानी मीडिया के मुताबिक, इस ताजा हमले की तीव्रता इतनी अधिक थी कि इसकी गूंज दूर-दराज के इलाकों तक सुनी गई। सरकार ने इस सैन्य कार्रवाई को अमेरिका-इजरायल के उस निरंतर अभियान का हिस्सा बताया है, जिसका मकसद ईरान के परमाणु कार्यक्रम को रोकना है।

बार-बार निशाने पर नतांज, पर हर बार बचा पर्यावरण : दरअसल, नतांज परमाणु केंद्र दुश्मनों के लिए हमेशा से टारगेट रहा है। साल 2025 से अब तक इस साइट को कई बार निशाना बनाया जा चुका है। हर बार यहां के ढांचे और मशीनों को नुकसान पहुंचता है, लेकिन गनीमत यह रही है कि अब तक पर्यावरण को कोई बड़ा नुकसान नहीं पहुंचा है। आपको बता दें कि पिछले साल जून में इजरायल और ईरान के बीच जो 12 दिनों का भीषण युद्ध चला था, उसमें भी नतांज ही मुख्य टारगेट था।

अफसर ने मंत्री का...

दी। मरने से पहले उन्होंने 12 सेकेंड का वीडियो जारी करके अपनी मानसिक परेशानी और मौत के लिए कुछ लोगों को जिम्मेदार ठहराया था, जिसमें सीधे तौर पर मंत्री भुल्लर का नाम शामिल था। इस वीडियो के सामने आते ही राज्य में सियासी बवाल मच गया है। मामले के तूल पकड़ने पर सीएम भगवंत मान ने मंत्री भुल्लर से इस्तीफा ले लिया है। मामले की जांच चीफ सेक्रेटरी केएपी सिन्हा को सौंप दी गई है। वहीं, मंत्री भुल्लर ने कहा कि आरोप झूठे हैं। जांच प्रभावित न हो, इसलिए मैंने पद छोड़ा है।

सीएम साय ने किया सरगुजा ...

के नेतृत्व में नक्सलवाद उन्मूलन के प्रयासों का उल्लेख करते हुए कहा कि बस्तर क्षेत्र अब तेजी से विकास की ओर बढ़ रहा है। कार्यक्रम में राष्ट्रमंडल खेलों की स्वर्ण पदक विजेता गीता फोगाट ने भी खिलाड़ियों को संबोधित किया। पर्यटन मंत्री राजेश अग्रवाल ने बताया कि सरगुजा ओलंपिक में 6 जिलों से कुल 3.49 लाख प्रतिभागियों ने पंजीयन कराया है। इस अवसर पर कृषि मंत्री राम विचार नेताम, मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े, सांसद चिंतामणि महाराज, विधायक प्रबोध मिंज, विधायक रामकुमार टोप्पो, छत्तीसगढ़ राज्य युवा आयोग के अध्यक्ष विश्व विजय सिंह तोमर, महापौर मंजूषा भगत प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

नवरात्रि में ही खुलते हैं...

के नौ दिनों में ही दर्शन के लिए बाहर निकाले जाते हैं। यह अनोखी परंपरा करीब दो शताब्दियों से भी ज्यादा समय से सतत चली आ रही है, जो इसे जिले के अन्य मंदिरों से अलग पहचान दिलाती है। मंदिर में विराजित मंदर माई, मढ़िया देव और लंगूर देव के विग्रह की चैत्र नवरात्र की शुभ तिथि पर ज्योत प्रज्वलित कर विधिवत पूजा-अर्चना प्रारंभ होती है, जो लगातार नौ दिनों तक चलती है। इसी दौरान झांपी में विराजमान देव विग्रहों को बाहर निकालकर श्रद्धालुओं के दर्शन हेतु स्थापित किया जाता है। अष्टमी के हवन के पश्चात पुनः विधिपूर्वक विग्रहों को झांपी में स्थापित कर दिया जाता है।

विसर्जन शोभायात्रा बनती है आकर्षण का केंद्र : प्रत्येक वर्ष भव्य विसर्जन शोभायात्रा निकाली जाती है, जिसमें पारंपरिक वाद्य यंत्रों की गूंज के बीच श्रद्धालु उत्साहपूर्वक शामिल होते हैं। मार्ग में विभिन्न स्थानों पर 'बाना' लेकर भक्त अपनी आस्था प्रकट करते हैं। यह प्रक्रिया क्वांर नवरात्र में ज्यादा भव्य होती है। वहीं चैत्र नवरात्र में सीमित श्रद्धालुओं की उपस्थिति में शीतला तालाब में विसर्जन संपन्न कराया जाता है। मंदर माई मंदिर की यह अनूठी परंपरा न केवल गहरी धार्मिक आस्था का प्रतीक है, बल्कि धमतरी की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को भी जीवंत बनाए रखने का सशक्त माध्यम बनी हुई है।

परंपरा में समाहित है....

अवसर मिलता है। मंदिर के पुजारी राजकुमार ध्रुव के अनुसार यह परंपरा लगभग 200 वर्षों से चली आ रही है और वर्तमान में चौथी पीढ़ी द्वारा विधिवत सेवा की जा रही है। यहां पूजा-पाठ, जप-तप, आरती, भोग, भंडारा और विसर्जन आदि सभी अनुष्ठान आदिवासी परंपराओं के अनुरूप संपन्न होते हैं।

बड़ा एक्शन, बीजद ने ...

वाली पार्टी की राजनीतिक मामलों की समिति ने विधायकों को जारी कारण बताओ नोटिसों के जवाबों की जांच के बाद यह सख्त फैसला लिया। अनुशासन समिति की सिफारिश पर अमल करते हुए बीजेडी ने स्पष्ट संदेश दिया कि सामूहिक निर्णयों का उल्लंघन बर्दाश्त नहीं होगा।

छ.ग. स्टेट पॉवर डिस्ट्री. कंपनी लिमि. मोहला संभाग

क्र./ कार्य. अभि./मोहला/3653 — दिनांक 20-03-2026

// विद्युत बंद की सूचना //

सम्माननीय विद्युत उपभोक्ताओं को सूचित किया जाता है। कि मोहला संभाग के अंतर्गत 33/11 के.व्ही. उपकेन्द्र खडगांव में अतिरिक्त पावर ट्रांसफार्मर की स्थापना का कार्य प्रस्तावित है। अतः तालिका अनुसार प्रदर्शित निम्नलिखित प्रभावित क्षेत्रो में प्रातः 12:00 बजे से शाम 4:00 बजे तक विद्युत प्रवाह बंद रहेगा।

क्र.	दिनांक	दिन	फीडर का नाम	प्रभावित क्षेत्र
01	23.03.2026	सोमवार	11 के.व्ही. खडगांव	खडगांव सबस्टेशन ,करियागोंदी सबस्टेशन, संबलपुर सबस्टेशन ,भटगांव सबस्टेशन फिडर से संबंधित समस्त गांव एवं आसपास के क्षेत्र ।
02			11 के.व्ही. कोसमी	कोसमी, मुरारगोटा, पेन्दुर, पुसेवाडा, कट्टापार,बोदरा, एवं दुलकी सबस्टेशन से संबंधित समस्त गांव एवं आसपास के क्षेत्र ।
03			11 के.व्ही. बोरिया	बोरिया, कहगांव, कहडबरी, दोडके, सिवनी एवं अडजाल सबस्टेशन फिडर से संबंधित समस्त गांव एवं आसपास के क्षेत्र ।

टीपः- आवश्यकतानुसार समय में परिवर्तन किया जा सकता है।

ए.के.रामटेके (92315216)
कार्यपालन अभियंता (सं./संधा.) संभाग
छ.ग.स्टे.पा.डिस्ट्री.कं.लिमि. मोहला

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड, राजनांदगांव

क्र. 013/11-00/सामान्य/8522 — राज. दिनांक 20/03/2026

आवश्यक सूचना
बिजली बिल भुगतान समाधान योजना- 2026

यह सूचना छ. ग.स्टे. पॉ. डिस्ट्री. कं. लिमि., के अंतर्गत "मुख्यमंत्री बिजली बिल भुगतान समाधान योजना 2026" से संबंधित है। इस योजना में 31 मार्च 2023 से पहले के बकाया बिलों पर बीपीएल, घरेलू व कृषि उपभोक्ताओं को 50% से 75% तक राहत दी जा रही है सरचार्ज (अधिभार) पर 100% छूट और पूरानी बकाया राशि पर भी आंशिक छूट दी जाएगी। उपभोक्ता एकमुश्त या किस्तों में भुगतान कर सकते हैं योजना का लाभ लेने के लिए अपने क्षेत्र के नजदीकी विद्युत विभाग कार्यालय में संपर्क करें। उक्त योजना 30.06.2026 तक प्रभावी रहेगी।

क्र.	वितरण केन्द्र / जोन का नाम	नोडल अधिकारी का नाम एवं पद नाम	मोबाईल नंबर
1	शहर पूर्व जोन राजनांदगांव	श्री रोहित कुमार मंडावी, सहायक अभियंता	9165915291
		सुश्री नेहा गढ़पायले, कनिष्ठ अभियंता	8223987044
2	शहर पश्चिम जोन राजनांदगांव	श्री हिमांशु भुआर्य, सहायक अभियंता	7987695332
		श्री कीर्ति देशमुख, कनिष्ठ अभियंता	9907246174
3	राजनांदगांव ग्रामीण वितरण केन्द्र	श्री प्रकाश नारायण वर्मा, सहायक अभियंता	8770340999
		सुश्री एकता साहु, कनिष्ठ अभियंता	6232921186
4	सिंघोला वितरण केन्द्र	सुश्री एकता साहु, कनिष्ठ अभियंता	8770340999
5	अर्जुनी वितरण केन्द्र	श्री शिवकुमार, कनिष्ठ अभियंता	8462977720
6	बोरी वितरण केन्द्र	श्री कुबेर सिंह मरकाम, सहायक अभियंता	9424122634
		श्रीमति मोनिका शाह मण्डावी, कनिष्ठ अभियंता	7646956300
7	तुमड़ीबोड़ वितरण केन्द्र	श्री सिद्धार्थ सिंह, कनिष्ठ अभियंता	8982223854
8	सोमनी वितरण केन्द्र	श्री राजेन्द्र साहू, सहायक अभियंता	8717988808
		श्री धरमशील खोब्रागढ़े, कनिष्ठ अभियंता	9179908100
9	ठेलकाडीह वितरण केन्द्र	श्री पुरनलाल कंवर, कनिष्ठ अभियंता	7587437477
10	घुमका वितरण केन्द्र	श्री आशिष कछवाहा, कनिष्ठ अभियंता	7470918189

(कौशलेन्द्र पाण्डेय - 11541422)
कार्यपालन अभियंता (संचा/ संधा) संभाग
छ.ग.स्टे. पॉ. डिस्ट्री.कं.लिमि., राजनांदगांव

MADHYA PRADESH BHOJ (OPEN) UNIVERSITY

Kolar Road, Bhopal-462016 (M.P.)
UGC Recognized 'A' Grade University
(Established under the Madhya Pradesh Legislative Assembly Act, 1991)

ADMISSION NOTICE

B.Ed. (Special Education – Distance Education) ID/HI/VI/LD Program, (2026–29)
Duration : 2.5 years (Recognized by RCI & UGC)

Eligibility : The candidate must have passed Bachelor's or Master's Degree or an equivalent examination from a recognized university with at least 50% marks. For technical or equivalent qualification courses, a minimum of 55% marks is mandatory. Candidates will receive 10 additional marks in the entrance examination if they meet any of the following criteria :

- Parents having a child with disability.
- Candidates possessing a disability certificate issued by a competent authority.
- Candidates possessing a Diploma or Degree recognized by the (RCI).

Programme Fee : Total Course Fee : **Rs. 36,000/-**, Registration Fee: Rs. 800/- and Portal Fee: **Rs. 50/-**

Entrance Examination : Computer Based Test (CBT) will be conducted at designated examination centres on: 06.06.2026.

M.Ed. (Special Education – Distance Education) ID/HI/VI/LD
Session: 2026–29, 2.5 Year Programme

Eligibility :

- A candidate who has successfully passed B.Ed. Spl.Ed. with minimum 50% marks in respective disability from a recognized university or any other degree considered equivalent to B.Ed Spl. Ed. from affiliating university and/or teaching department under any University recognized by U.G.C. & RCI.
- A candidate who has successfully passed the B.Ed. General course and has completed D.Ed. Special Education in respective disability area recognized by the RCI with minimum 50% marks in each course.
- A candidate having passed Post Graduate Professional Diploma in Special Education (PGPD-SE) (Till Academic session 2014-15) with 50% marks.

Programme Fee : Total Course Fee : **Rs. 55,000/-** and Registration Fee : **Rs. 2,000/-**

Entrance Examination : Computer Based Test (CBT) will be conducted at Designated Examination Centres on : 06.06.2026.

Application for entrance examination for the above programmes : Applications for the entrance examination Computer Based Test (CBT) for admission to the above programmes can be submitted through the MP Online portal from **20th March 2026 to 05th May 2026.** Applications may also be submitted up to 15 May 2026 with a Late fee of Rs. 300/- through online mode.

Note : Reservation of seats will be provided as per the Government of Madhya Pradesh rules. Admit cards for the entrance examination can be downloaded from the MP Online portal before the examination. Detailed advertisement and further information regarding admission are available on the university website : **http://mpbou.edu.in/.**

M.P. Madhyam/124992/2026 — REGISTRAR

राशिफल

मेष — मन प्रसन्न रहेगा। दाम्पत्य सुख में वृद्धि होगी। माता का सानिध्य मिलेगा। भाग-दौड़ अधिक रहेगी। कारोबार में कठिनाइयां आ सकती हैं।

वृष — आत्मसंयत रहें। धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें। नौकरी में कार्यभार में वृद्धि हो सकती है। आय में भी वृद्धि होगी। वस्त्रों पर खर्च बढ़ेंगे।

मिथुन — आत्मसंयत रहें। आय में वृद्धि होगी। शासन-सत्ता का सहयोग मिलेगा। कार्यक्षेत्र में सफलता मिलेगी। धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें।

कर्क — आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। नौकरी में परिवर्तन के अवसर मिल सकते हैं। कार्यक्षेत्र में भी परिवर्तन होगा। ऑफिस में उच्चाधिकारियों का सहयोग रहेगा।

सिंह — मन परेशान रहेगा। संयत रहें। व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। किसी पैतृक सम्पत्ति से धन की प्राप्ति हो सकती है। तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे।

कन्या — परिवार का साथ मिलेगा। कुछ पुराने मित्रों से भेंट हो सकती है। सुस्वादु खानपान में रुचि बढ़ेगी। भाइयों का सहयोग रहगा।

तुला — आत्मविश्वास से लबरेज रहेंगे। कला या संगीत के प्रति रुझान बढ़ सकता है। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। शैक्षिक कार्यों में अड़चनें आ सकती हैं।

वृश्चिक — धर्म-कर्म में रुचि बढ़ेगी। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। वाहन के रख-रखाव पर खर्च बढ़ सकते हैं। कारोबार में लाभ के अवसर मिलेंगे।

धनु — वाणी में मधुरता रहेगी। तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। आय में वृद्धि होगी। कार्यभार में भी वृद्धि होगी। धनलाभ के अवसर मिलेंगे।

मकर — दाम्पत्य सुख में वृद्धि होगी। नौकरी में विदेश जाना हो सकता है। वाहन सुख में वृद्धि होगी। कार्यक्षेत्र में परिश्रम अधिक रहेगा। सेहत का ध्यान रखें।

कुंभ — क्रोध एवं आवेश के अतिरेक से बचें। मन परेशान हो सकता है। परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान पर जा सकते हैं, परन्तु स्वास्थ्य का ध्यान भी रखें।

मीन — नौकरी में तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। आय में वृद्धि होगी। खर्च भी बढ़ेंगे। आत्मविश्वास भरपूर रहेगा, परन्तु संयत रहें।

शब्द पहेली - 6172

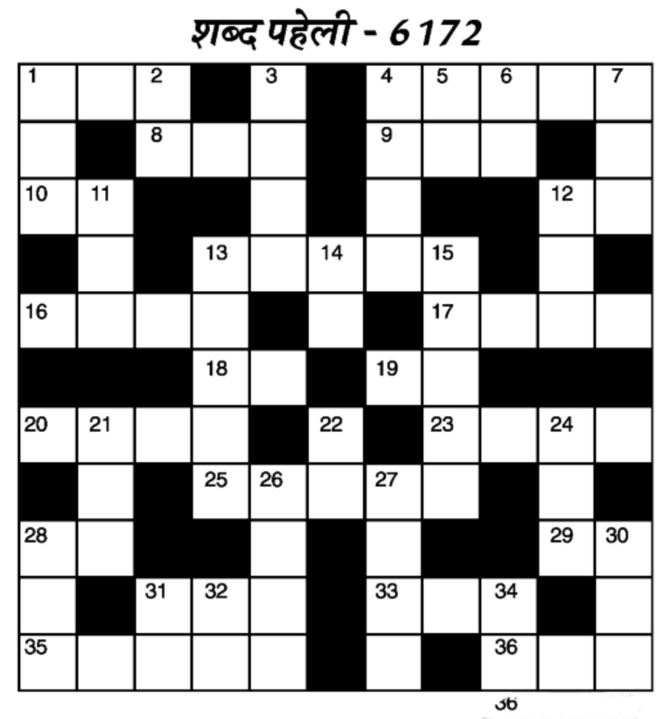

बाएँ से दाएँ
1.नियंत्रण,घोड़े की रास-3
4.पानी से सराबोर-5
8.अंधकार-3
9.आक्रमण-3
10.दम, सुट्टा-2
12.समय, वक्त-2
13.कहानी लेखक-5
16.अपराधी, गुंडा-4
17.आलोकित होना-4
18.उद्देश्य, मंजिल-2
19.छाती, सिलना-2
20.जागरण-4
23.सफल, उत्तीर्ण-4
25.पत्नी का नाना-2,3
28.मार्ग, रास्ता-2
29.जरा, थोड़ा-2
31.वैमनस्य-3
33.पाजेब-3
35.जरुरतमंद-3,2
36.गदर, क्रांति-3

ऊपर से नीचे
1.उत्साह-3
2.वोट,राय-2
3.हथियार, गोला-बारूद-4
4.सनसनी, रोमांच-4
5.एक विदेशी शराब-2
6.आफत, मुसीबत-2
7.उपपत्नी-3
11.बलिदानी-3
12.कार्य करने वाला-3
13.सिगरेट का सुट्टा मारना-2,3
14.पानी, जल-2
15.निर्माण करने वाला-5
21.प्रकार-3
22.उम्मीद, आशा-2
24.भिखारी-3
26.ख्यात,प्रसिद्ध-4
27.मदिरापान-4
28.मदद,आराम-3
30.इससे कच्ची शराब बनती है-3
31.उस समय-2
32.नागालैंड की एक जाति-2
34.अधर, होठ-2

शब्द पहेली- 6171 का हल

सूडोकू नवलाल - 6182

मध्यम

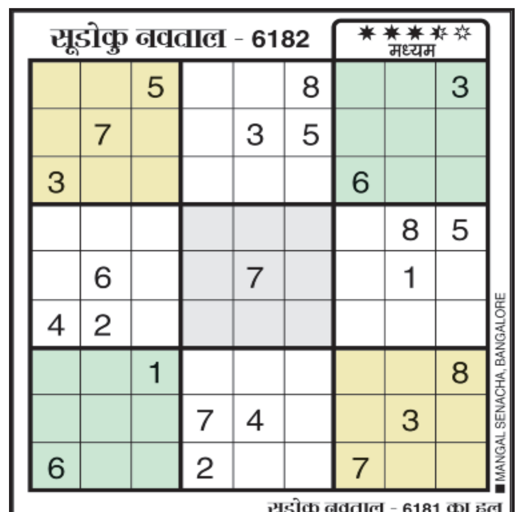

सूडोकू नवलाल - 6181 का हल

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

बिजनेस साइट

नवरात्रि पर श्री स्वास्तिक ग्रुप का बड़ा ऑफर

0% स्टाम्प ड्यूटी से घर खरीदना हुआ आसान

रायपुर। नवरात्रि के शुभ अवसर पर रियल एस्टेट कंपनी श्री स्वास्तिक ग्रुप ने होमबायर्स के लिए एक विशेष और आकर्षक योजना की घोषणा की है। कंपनी के अनुसार, चयनित प्रोजेक्ट्स में प्रॉपर्टी खरीदने पर ग्राहकों को 0% स्टाम्प ड्यूटी का लाभ मिलेगा, जिससे घर खरीदने की लागत में उल्लेखनीय कमी आएगी। इस ऑफर के तहत ईस्ट 12, रॉयल एवेन्यू, रोजबे ग्रीन्स, स्वास्तिक पार्क एवेन्यू, अरान्या लेक शोर सिटी, प्राइम प्लाजा और आस्था लैंडमार्क जैसे प्रीमियम प्रोजेक्ट्स शामिल हैं। ये सभी प्रोजेक्ट्स रायपुर के तेजी से विकसित हो रहे क्षेत्रों में स्थित हैं और आधुनिक सुविधाओं के साथ बेहतर कनेक्टिविटी प्रदान करते हैं। कंपनी के डायरेक्टर सुनील साहू ने बताया कि नवरात्रि नई शुरुआत का प्रतीक है और इस अवसर पर अधिक से अधिक लोगों को अपने घर का सपना साकार करने का मौका मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि 0% स्टाम्प ड्यूटी का यह ऑफर ग्राहकों को आर्थिक राहत देने के साथ-साथ निवेश के लिहाज से भी लाभकारी साबित होगा। कंपनी ने ग्राहकों की सुविधा के लिए आसान फाइनेंसिंग, पारदर्शी प्रक्रिया और भरोसेमंद सेवाएं उपलब्ध कराने का दावा किया है। 'अभी नहीं तो कभी नहीं' थीम पर आधारित यह ऑफर सीमित समय के लिए लागू रहेगा।

नए आवासीय प्रोजेक्ट 'वेदांता ग्रीन्स' के तीन दिवसीय लॉन्चिंग इवेंट का आज अंतिम दिन

अब तक 1000+ विजिट्स और 89 बुकिंग्स

रायपुर। अष्टविनायक रियल्टीज़ एवं शुभ ड्रीम होम्स प्रा. लि. के प्रीमियम आवासीय प्रोजेक्ट 'वेदांता ग्रीन्स' के तीन दिवसीय लॉन्चिंग इवेंट का आज अंतिम दिन है। ओल्ड धमतरी रोड, छछानपैरी स्थित इस प्रोजेक्ट ने लॉन्च के दूसरे दिन ही उल्लेखनीय सफलता दर्ज करते हुए निवेशकों और घर खरीदारों का ध्यान आकर्षित किया है। दो दिनों के भीतर 1000 से अधिक ग्राहकों ने साइट का दौरा किया, जबकि 89 परिवारों ने प्लॉट बुक कर प्रोजेक्ट पर भरोसा जताया है। शनिवार को आयोजन स्थल पर बड़ी संख्या में परिवारों और निवेशकों की उपस्थिति देखी गई, जिससे क्षेत्र में रियल एस्टेट की बढ़ती मांग का संकेत मिलता है। शुभ ड्रीम होम्स प्रा. लि. के डायरेक्टर अजय सिंधवानी ने कहा कि कंपनी का उद्देश्य केवल प्लॉट बेचना नहीं, बल्कि ग्राहकों के लिए सुरक्षित और समृद्ध भविष्य सुनिश्चित करना है। उन्होंने बताया कि भारतमाला परियोजना और प्रस्तावित सिक्स-लेन एक्सप्रेस-वे की निकटता इस क्षेत्र को एक प्रमुख आर्थिक कॉरिडोर में बदलने की क्षमता रखती है। वहीं, डायरेक्टर शुभम अदलखा ने प्रोजेक्ट की कनेक्टिविटी और आधुनिक सुविधाओं पर जोर देते हुए कहा कि एयरपोर्ट और रेलवे स्टेशन से निकटता इसे आदर्श आवासीय विकल्प बनाती है। अष्टविनायक रियल्टीज के सीएमडी संतोष लोहाना ने ओल्ड धमतरी रोड को रायपुर के विकास का नया केंद्र बताते हुए कहा कि क्षेत्र में तेजी से बुनियादी ढांचे का विस्तार हो रहा है। उन्होंने बताया कि रविवार को समापन अवसर पर विशेष ऑफर्स और लकी ड्रॉ का अंतिम मौका उपलब्ध रहेगा।

सहेली ज्वेलर्स का धमाकेदार ऑफर

गोल्ड ज्वेलरी पर फ्लैट 7% मेकिंग चार्ज, डायमंड पर 100% तक छूट

दुर्ग। छत्तीसगढ़ के प्रमुख और विश्वसनीय डिजाइनर ज्वेलरी शोरूम सहेली ज्वेलर्स ने ग्राहकों के लिए सीमित अवधि का आकर्षक ऑफर लॉन्च किया है। इस ऑफर के तहत गोल्ड प्राइस में आई हालिया गिरावट के बीच, शोरूम की ओर से सभी 22 कैरेट प्लेन गोल्ड एचयूआईडी हॉलमार्क आभूषणों पर फ्लैट 7% मेकिंग चार्ज लगाया जा रहा है, जिससे ग्राहक अपने पसंदीदा गहनों को बेहद किफायती कीमत में खरीद सकते हैं। इसके साथ ही, केवल 25% राशि देकर प्री-बुकिंग सुविधा भी उपलब्ध है, जिसमें ग्राहकों को सोने के बढ़ते या घटते दाम दोनों स्थितियों में लाभ मिलता है। डायमंड और पोल्की ज्वेलरी पर मेकिंग चार्ज पर 100% तक की छूट इस ऑफर का मुख्य आकर्षण है, जिससे प्रीमियम ज्वेलरी अब आम ग्राहकों की पहुंच में आ गई है। रायपुर सदर बाजार और दुर्ग के श्रीशिवम मॉल स्थित शोरूम में यह ऑफर लागू है। सहेली ज्वेलर्स में 100% एचयूआईडी हॉलमार्क गोल्ड, सर्टिफाइड डायमंड ज्वेलरी, ब्राइडल, एंटीक और मॉडर्न डिजाइनों का विशाल कलेक्शन उपलब्ध है। 1 लाख से अधिक डिजाइनों के साथ यह शोरूम गुणवत्ता और विश्वास का प्रतीक बना हुआ है। प्रबंधन ने ग्राहकों से अपील की है कि वे इस सीमित अवधि के ऑफर का लाभ उठाने के लिए शीघ्र शोरूम का दौरा करें। शोरूम रविवार को भी खुला रहेगा।

भिलाई स्टील प्लांट की 'गिफ्टमिल्क' पहल से बच्चों के पोषण स्तर में सुधार

भिलाई। स्टील क्षेत्र की अग्रणी संस्था स्टील ऑथोरिटी ऑफ इंडिया के भिलाई स्टील प्लांट द्वारा संचालित 'गिफ्टमिल्क' कार्यक्रम बच्चों के पोषण सुधार के क्षेत्र में एक प्रभावी और प्रेरणादायक पहल के रूप में उभरकर सामने आया है। इस कार्यक्रम को बीएसपी के वित्तीय सहयोग तथा एनडीडीबी फाउंडेशन फॉर न्यूट्रिशियन के सतत समर्थन से लागू किया जा रहा है। कार्यक्रम के तहत वर्तमान में 105 विद्यालयों में अध्ययनरत 3,602 बच्चों को प्रतिदिन 200 मिलीलीटर फोर्टिफाइड फ्लेवर्ड दूध उपलब्ध कराया जा रहा है। यह आपूर्ति रौघाट, महामाया और दुलकी खदान क्षेत्रों के अंतर्गत आने वाले स्कूलों में नियमित रूप से की जा रही है। पहल का उद्देश्य बच्चों के दैनिक पोषण स्तर को बेहतर बनाना और उनके समग्र शारीरिक एवं मानसिक विकास को प्रोत्साहित करना है। इस योजना के तहत 2.5 लाख लीटर से अधिक दूध का वितरण किया जा चुका है। शिक्षकों और अभिभावकों ने बच्चों के स्वास्थ्य में सुधार, ऊर्जा स्तर में वृद्धि और विद्यालयों में नियमित उपस्थिति जैसे सकारात्मक बदलावों की पुष्टि की है।

म्यूचुअल फंड में दमदार रिटर्न के लिए बनाएं मल्टी-एसेट की रणनीति

निवेश के लिए फ्लेक्सीकैप, मल्टी-एसेट फंड व गोल्ड-सिल्वर ईटीएफ में रहेगा बेहतर संतुलन

नया वित्त वर्ष वित्त 27 करीब है और निवेशकों के सामने सबसे बड़ा सवाल यही है। इस अनिश्चित बाजार में पैसा कहां लगाया जाए? पिछले 18 महीनों में इक्विटी बाजार ने कभी तेज रफ्तार पकड़ी, तो कभी अचानक ब्रेक लगा दिए। ऐसे में अब एक्सपर्ट्स साफ कह रहे हैं कि सिंगल स्ट्रैटेजी का दौर खत्म हो चुका है। अब समय है मल्टी-एसेट अप्रोच अपनाने का, जिससे न सिर्फ बेहतर रिटर्न मिल सकता है, बल्कि जोखिम भी नियंत्रित रखा जा सकता है। निवेशक इस उलझन में हैं कि बाजार की मौजूदा स्थिति में अपना पैसा कहां लगाएं। बाजार विशेषज्ञों ने निवेशकों को एक मल्टी-एसेट रणनीति अपनाने की सलाह दी है। विशेषज्ञों के मुताबिक, वित्त वर्ष 27 में बेहतर रिटर्न और जोखिम कम करने के लिए फ्लेक्सीकैप, मल्टीकैप और गोल्ड-सिल्वर ईटीएफ का मिश्रण एक समझदारी भरा फैसला साबित हो सकता है।

क्यों जरूरी है मल्टी-एसेट रणनीति

बाजार के उतार-चढ़ाव ने यह साफ कर दिया है कि केवल इक्विटी पर निर्भर रहना जोखिम भरा हो सकता है। जब शेयर बाजार गिरता है, तो पूरा पोर्टफोलियो प्रभावित होता है। ऐसे में अलग-अलग एसेट क्लास, इक्विटी, डेट और कमोडिटी-का संतुलन जरूरी हो जाता है। मल्टी-एसेट रणनीति का मूल सिद्धांत यही है। "सभी अंडे एक ही टोकरी में न रखें।

फ्लेक्सीकैप और मल्टीकैप फंड

एक्सपर्ट्स के मुताबिक, वित्त वर्ष 27 के लिए फ्लेक्सीकैप और मल्टीकैप फंड सबसे मजबूत आधार साबित हो सकते हैं। इन फंड्स की खासियत यह है कि फंड मैनेजर बाजार की स्थिति के हिसाब से लार्ज, मिड और स्मॉल-कैप स्टॉक्स में निवेश का अनुपात बदल सकते हैं। इसका फायदा यह होता है कि जब बाजार में किसी एक सेगमेंट में गिरावट आती है, तो दूसरा सेगमेंट पोर्टफोलियो को संतुलित रखता है। विशेषज्ञों का मानना है कि पोर्टफोलियो का बड़ा हिस्सा लार्ज-कैप ओरिएंटेड फंड्स में होना चाहिए, क्योंकि ये अपेक्षाकृत स्थिर और कम जोखिम वाले होते हैं।

मिड और स्मॉल-कैप में क्यों जरूरी है सतर्कता

हालांकि मिड और स्मॉल-कैप सेगमेंट में रिटर्न की संभावनाएं ज्यादा होती हैं, लेकिन जोखिम भी उतना ही अधिक होता है। हाल के समय में इन सेगमेंट्स में तेज उतार-चढ़ाव देखने को मिला है। एक्सपर्ट्स की सलाह है कि इन फंड्स में सीमित निवेश करें। लंबी अवधि (5 साल या उससे ज्यादा) का नजरिया रखें। एकमुश्त बड़ी राशि लगाने से बचें। यानी "हाई रिटर्न" के लालच में जोखिम को नजरअंदाज करना नुकसानदायक हो सकता है।

गोल्ड और सिल्वर ईटीएफ

वैश्विक अनिश्चितताओं जैसे युद्ध, महंगाई या आर्थिक संकट के दौर में सोना हमेशा एक सुरक्षित निवेश माना गया है। सोना पोर्टफोलियो को स्थिरता देता है, जबकि चांदी में ग्रोथ की संभावना अधिक होती है। एक्सपर्ट्स का सुझाव है कि कुल पोर्टफोलियो का करीब 10% हिस्सा गोल्ड या सिल्वर ईटीएफ में जरूर होना चाहिए।

हाइब्रिड और मल्टी-एसेट फंड

जो निवेशक ज्यादा जोखिम नहीं लेना चाहते, उनके लिए हाइब्रिड और मल्टी-एसेट फंड बेहतरीन विकल्प हो सकते हैं। ये फंड इक्विटी (शेयर बाजार), डेट (बॉन्ड्स), गोल्ड अच्छे विकल्प हैं। इससे अगर एक एसेट क्लास कमजोर पड़ता है, तो दूसरा उसे संभाल लेता है। यही कारण है कि ऐसे फंड्स को "ऑटोमैटिक बैलेंसिंग टूल" भी कहा जाता है।

कैसे बनाएं स्मार्ट पोर्टफोलियो?

- 50–60%: फ्लेक्सीकैप/लार्ज-कैप/मल्टीकैप फंड
- 10–20%: मिड और स्मॉल-कैप (सीमित निवेश)
- 10%: गोल्ड/सिल्वर ईटीएफ
- 10–20%: हाइब्रिड या डेट फंड

निवेशकों के लिए जरूरी सीख

निवेश की सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि आप कितना "डाइवर्सिफाइड" पोर्टफोलियो बनाते हैं। सिर्फ रिटर्न के पीछे भागने के बजाय जोखिम प्रबंधन पर भी उतना ही ध्यान देना होगा। बाजार हमेशा एक दिशा में नहीं चलता। हर गिरावट एक अवसर भी हो सकती है। धैर्य और अनुशासन सबसे बड़ी ताकत हैं।

मल्टी-एसेट मंत्र

- **डाइवर्सिफिकेशन जरूरी:** कभी भी निवेश के लिए एक ही एसेट पर निर्भर न रहें
- **फ्लेक्सीकैप को प्राथमिकता:** बाजार के हिसाब से बदलाव की सुविधा
- **मिड-स्मॉल कैप में सावधानी:** सीमित और लंबी अवधि का निवेश
- **गोल्ड ईटीएफ जरूर रखें :** अनिश्चितता में सुरक्षा
- **हाइब्रिड फंड अपनाएं:** जोखिम और रिटर्न का संतुलन बहुत जरूरी
- **नियमित समीक्षा:** हर 6–12 महीने में अपने बनाए हुए पोर्टफोलियो को जरूर जांचें

बाजार में अस्थिरता के बीच लंपसम निवेश करना मौका या फिर जोखिम

- इस समय वैल्यूएशन 10 साल के औसत से भी नीचे पहुंची
- एक्सपर्ट्स बोले, डर नहीं, रणनीति के साथ निवेश का वक्त
- भू-राजनीतिक तनाव ने निवेशकों के भरोसे को हिलाया

हालिया गिरावट ने शेयर बाजार में निवेशकों की धड़कनें जरूर बढ़ा दी हैं, लेकिन बाजार के जानकार इसे खतरे के बजाय अवसर के रूप में भी देख रहे हैं। सेंसेक्स और निफ्टी-50 अपने ऐतिहासिक औसत के मुकाबले नीचे आ चुके हैं, जिससे वैल्यूएशन आकर्षक नजर आ रहे हैं। ऐसे में बड़ा सवाल यह है क्या यह एकमुश्त (लंपसम) निवेश का सही समय है? या जोखिम होगा। पिछले कुछ महीनों में बाजार में उतार-चढ़ाव तेज हुआ है। वैश्विक स्तर पर बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव, कच्चे तेल की कीमतों में उछाल और आर्थिक अनिश्चितता ने निवेशकों के भरोसे को हिलाया है। लेकिन इतिहास गवाह है कि बाजार की गिरावट अक्सर लंबे समय के निवेशकों के लिए मौके लेकर आती है। विशेषज्ञों का मानना है कि मौजूदा गिरावट "टाइम करेक्शन" का परिणाम है, जहां बाजार ने समय के साथ अपने वैल्यूएशन को संतुलित किया है। यही वजह है कि अब बाजार पहले की तुलना में ज्यादा "वाजिब" स्तर पर नजर आ रहा है।

वैल्यूएशन क्यों हैं आकर्षक

मार्केट एक्सपर्ट्स के अनुसार, सेंसेक्स और निफ्टी का वन-ईयर फॉरवर्ड पीई मल्टीपल करीब 17.8 गुना तक आ चुका है, जो पिछले कुछ सालों के निचले स्तरों में से एक है। इसका सीधा मतलब है कि शेयर अब पहले के मुकाबले सस्ते मिल रहे हैं। जब बाजार अपने ऐतिहासिक औसत से नीचे ट्रेड करता है, तो लंबी अवधि के निवेशकों के लिए यह एक मजबूत एंट्री पॉइंट बन सकता है।

लंपसम निवेश सही फैसला?

अगर आपका निवेश नजरिया 3 से 5 साल या उससे ज्यादा का है, तो मौजूदा स्तर पर लंपसम निवेश फायदेमंद हो सकता है। बाजार में गिरावट के समय निवेश करने का सबसे बड़ा फायदा यह होता है कि आपको अच्छे शेयर या फंड्स कम कीमत पर मिल जाते हैं। हालांकि, हर निवेशक के लिए एक ही रणनीति सही नहीं होती। बाजार में अभी भी अस्थिरता बनी हुई है, इसलिए पूरी रकम एक साथ लगाना जोखिम भरा हो सकता है।

बैलेंस्ड अप्रोच अपनाएं

विशेषज्ञों का सुझाव है कि निवेशकों को "स्टैगर्ड" यानी चरणबद्ध निवेश की रणनीति अपनानी चाहिए। इसका मतलब है कुछ हिस्सा अभी निवेश करें। बाकी पैसा अगले 3–6 महीनों में धीरे-धीरे लगाएं। इस तरीके से आप बाजार के उतार-चढ़ाव का फायदा उठा सकते हैं और जोखिम भी कम कर सकते हैं।

किन फंड्स में करें निवेश

- लंपसम निवेश के लिए एक्सपर्ट्स निम्न विकल्पों को बेहतर मानते हैं।
- लार्ज-कैप फंड्स: स्थिर और कम जोखिम वाले
- फ्लेक्सी-कैप फंड्स: अलग-अलग कैटेगरी में निवेश का फायदा
- मल्टी-कैप फंड्स: विविधता के साथ संतुलित रिटर्न
- मिड-कैप और स्मॉल-कैप सेगमेंट में अभी भी कुछ हिस्सों में वैल्यूएशन ऊंचे हैं, इसलिए वहां थोड़ा सतर्क रहना जरूरी है।

वैश्विक कारकों का असर

- बाजार की दिशा सिर्फ घरेलू कारकों से तय नहीं होती। अंतरराष्ट्रीय घटनाएं भी इसमें बड़ी भूमिका निभाती हैं। कच्चे तेल की कीमतें, वैश्विक युद्ध जैसी स्थितियां और आर्थिक नीतियां—ये सभी बाजार में अस्थिरता बढ़ा सकती हैं।
- ऐसे में निवेशकों को जल्दबाजी में फैसले लेने से बचना चाहिए और लंबी अवधि के नजरिए के साथ आगे बढ़ना चाहिए।

निवेश से पहले रखें ध्यान?

- अपनी जोखिम क्षमता को समझें
- निवेश का समय कम से कम 3–5 साल रखें
- एकमुश्त निवेश के साथ एसआईपी या एसटीपी का मिश्रण अपनाएं
- घबराकर बाजार से बाहर निकलने की गलती न करें

South East Central Railway
No. P-HQ/GAZ/Re-engagement/ E-159902/232 Date 16.03.2026
NOTIFICATION
Short Notification regarding extension of time for Re-engagement of Retired Railway Gazetted Officers

Notification inviting applications from willing retired railway officers for re engagement as Consultant in exigencies of services on fixed monthly remuneration for a period of 01 year in SECR has been issued vide this office **Notification No. P-HQ/GAZ/Re-engagement/E-159902/117 dated 11.02.2026.** The last date for submission of the applications against above notification is hereby extended up to **02.04.2026(18.00 hrs).**
The other terms and conditions are same as published in above notification.
For more details i.e. eligibility, qualifications, age, experience, Terms of references and other terms and conditions may please log in to SECR website **http://secr.indianrailways.gov.in.**
Dy. Chief Personnel Officer (GAZ)
CPR/10/AM/765 S.E.C. Rly., Bilaspur
South East Central Railway @secrail

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे
निविदा सूचना
निविदा सूचना सं: टीआरएस-बीएसपी-2025-26/12, दिनांक: 19/03/2026
1. निविदा क्र.: टीआरएस-बीएसपी-2025-26-ओटी-14R
कार्य का नाम: एयर ड्रायर (M/s SIL, FTIL, KB, Trident एवं Prag Polymers) का 03 वर्षों की अवधि के लिए विद्युत लोको शेड बिलासपुर में ओवरहॉलिंग कार्य । **अनुमानित लागत: रू. 19,03,106.69/-, प्रतिभूति राशि: रू. 38,100/-, निविदा जमा करने का समय: दिनांक: 10.04.2026 को 15:00 बजे तक ।**
2. निविदा क्र.: टीआरएस-बीएसपी-2025-26-ओटी-17
कार्य का नाम: ईएलएस/बीएसपी पर इलेक्ट्रिक लोकोमोटिव के यांत्रिक घटकों की सफाई, स्ट्रिपिंग/डिसमेंटलिंग/अनकपलिंग ।
अनुमानित लागत: रू. 1,79,72,909.57/-, प्रतिभूति राशि: रू. 2,39,900/-, निविदा जमा करने का समय: दिनांक: 10.04.2026 को 15:00 बजे तक ।
विस्तृत जानकारी, पात्रता का मापदंड तथा अन्य विस्तृत विवरण हेतु वरिष्ठ मण्डल विद्युत अभियंता (टीआरएस)/बिलासपुर के कार्यालय में संपर्क करें अथवा निविदा कागजात जो हमारी वेबसाईट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है, उससे डाउनलोड कर/देख सकते हैं ।
मंडल विद्युत अभियंता (क.च.स्टा.)
सीपीआर/10/776 द.पू.मध्य रेलवे, बिलासपुर
South East Central Railway @secrail

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे
ई–निविदा सूचना
क्र.सं. (1) ई-निविदा संख्या:- डीआरएम-इंजी.-बीएसपी-टी-13-26-27, दिनांक: 17.03.2026
कार्य: सहायक मंडल अभियंता/ पेंड्रा के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत भनवारटंक से खोडरी और खोंगसरा से भनवारटंक के बीच घाट अनुभाग में पक्की साइड ड्रेन सह रिटेनिंग वॉल का प्रावधान । **निविदा मूल्य (रू.):** 9,01,03,847.00/-, **अमानत राशि (रू.):** 18,02,100.00/-, **कार्य पूर्णता की अवधि:** 18 माह, **निविदा जमा की आरंभ तिथि:-** दिनांक: 31.03.2026 के 11.00 बजे से । **निविदा जमा की अंतिम तिथि:-** दिनांक: 14.04.2026 के 11:00 बजे तक ।
उपरोक्त ई-निविदा सूचना की पूरी जानकारी **https://www.ireps.gov.in** वेबसाइट पर उपलब्ध है । उपरोक्त निविदाओं हेतु ई-टेंडर के अलावा अन्य टेंडर स्वीकार नहीं की जाएगी ।
मंडल रेलवे प्रबंधक (अभि.)
सीपीआर/10/767 द.पू.मध्य रेलवे, बिलासपुर
South East Central Railway @secrail

पश्चिम मध्य रेल
वाणिज्य विभाग, जबलपुर मंडल
No JBP/C/Cleaning/E-Tender/26,Date 20.03.2026
मंडल रेल प्रबंधक (वाणिज्य) पश्चिम मध्य रेलवे, जबलपुर भारत संघ के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से निम्नलिखित हेतु निर्धारित ई–बोली आमंत्रित करता है।, **Category-** साफ–सफाई के कोटेशन हेतु ठेकेदारों की अनुमोदित सूची, **Tender Notice No.& Date.-** Approved list1 Dated- 19/03/2026, **Assets Details-** ठेकेदारों की अनुमोदित सूची– जबलपुर मंडल के विभिन्न रेलवे स्टेशनों पर कोटेशन प्रणाली के माध्यम से संविदा आधार पर सफाई सेवाएं प्रदान करने हेतु पात्रता मानदंड के उद्देश्य से।, **Lot End Date time- 13/04/2026, 15:30,** सभावित बोलीदाताओं से अनुरोध है कि वे IREPS वेबसाइट (www.ireps.gov.in) पर E-Tender Works मॉड्यूल देखें। लॉट वार विवरण उपर्युक्त कैटलॉग के तहत उपलब्ध है। ई–बोली सूचना मंडल रेल प्रबंधक (वाणिज्य), पश्चिम मध्य रेल जबलपुर के नोटिस बोर्ड पर भी उपलब्ध है।
(हस्ता.)
सहायक वाणिज्य प्रबंधक
पश्चिम मध्य रेल, जबलपुर
स्वच्छ भारत अभियान एक कदम स्वच्छता की ओर

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे
भंडार प्रबंधन विभाग
ई–टेंडर नोटिस नं. एन.आई.टी/14/26/11, तिथि :– 17–मार्च–2026

क्र. सं.	निविदा सं.	विवरण	निविदा बंद/ खुलने की तिथि	मात्रा
1	06250117B	एनसीआर जीआरएसपी फॉर थिक वेब स्विच एक्सपेंशन जॉइन्ट (टीडब्ल्युएसईजे) कनफर्मिंग टू आरडीएसओ ड्रॉईंग टी–8822 विथ लेटेस्ट अल्टेरेशन।	02.04.2026	1442 सेट
2	05255480A	सप्लाए ऑफ 25 वाट डिजिटल व्हीएचएफ सेट एज पर आरडीएसओ स्पेसिफिकेशन नं. आरडीएसओ/एसपीएन/टीसी/107–2018 वर्सन.2.1 ऑर लेटेस्ट।	07.04.2026	758 नग
3	06265021	आरजीसी फॉर मेनुफेक्चर एंड सप्लाए ऑफ प्रेस्ट्रेस्ड मोनो–ब्लॉक कंक्रीट लाईन स्लीपर्स (आरटी–8746) (प्री–टेंसंड टाईप) फॉर ब्रोड गेज (1673 एमएम)।	07.04.2026	1645210 नग
4	02254026A	आईओएच किट फॉर आरआर 20100 कम्प्रेसर ईएलजी मेक।	31.03.2026	221 सेट
5	06265006A	डिजाईन्ग, मेनुफेक्चर एंड सप्लाए एंड कमिसनिंग ऑफ इलेक्ट्रिक ओवरहेड ट्रेवेलिंग (ईओटी) केन ऑफ कैपेसिटी 50 टन।	08.04.2026	02 नग

निविदा खुलने/बंद होने का समय : At 10:30 बजे।
रेलवे को किसी निविदा के लिए शुद्धिपत्र जारी करने का अधिकार है। शुद्धिपत्र और ई–खरीद की जरूरी सूचना वेंडर www.ireps.gov.in पर देख सकते हैं।
सीपीआर/10/766 सहायक सामग्री प्रबंधक–III, कृते प्रधान मुख्य सामग्री प्रबंधक
South East Central Railway @secrail

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे
ई-निविदा सूचना
क्रम सं (1): ई- निविदा संख्या: डीआरएम इंजी. बीएसपी-टी-07-26-27 दिनांक: 14.03.2026
कार्य: बिलासपुर मंडल के वरिष्ठ मंडल अभियंता /सेटलमेंट/बिलासपुर के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत सामान्य प्रकाश व्यवस्था को बढ़ाने हेतु बीसीएन परीक्षण यार्ड में पोर्टल पर लगे लाइट्स, अंडर गियर परीक्षण लाइट्स तथा वेल्डिंग सुविधाएँ प्रदान की सुविधाएं उपलब्ध कराकर सामान्य रोशनी को बढ़ाने का कार्य।
निविदा मूल्य (रु): 16,00,327.78 **अमानत राशि (रु):** 32,000.00 **कार्य पूर्णता की अवधि:** 04 माह
क्रम सं (2) ई निविदा संख्या: डीआरएम इंजी. बीएसपी-टी-08-26-27 दिनांक 14.03.2026
कार्य: वरिष्ठ मंडल अभियंता /सेटलमेंट /बिलासपुर के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत, नई दिल्ली में एस. ई. सी. रेलवे अधिकारियों के लिए नए अधिकारी विश्राम गृह का निर्माण कार्य जिसमें बिजली के कार्यों की व्यवस्था भी शामिल है।
निविदा मूल्य (रु): 3,81,90,977.16 **अमानत राशि (रु):** 7,63,900.00 **कार्य पूर्णता की अवधि:** 12 माह
क्रम. सं (3) ई निविदा संख्या: डीआरएम इंजी. बीएसपी-टी-09-26-27 दिनांक: 14.03.2026
कार्य: वरिष्ठ मंडल अभियंता / सेटलमेंट/ बिलासपुर के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत बिलासपुर में नर्मदा अधिकारी विश्राम गृह एवं न्यू अधिकारी विश्राम गृह का सुधार कार्य ।
निविदा मूल्य (रु): 3,17,18,070.03 **अमानत राशि (रु):** 6,34,400.0 **कार्य पूर्णता की अवधि:** 12 माह
क्रम. सं (4): ई निविदा संख्या: डीआरएम इंजी. बीएसपी टी-10-26-27 दिनांक: 14.03.2026
कार्य: वरिष्ठ मंडल अभियन्ता/सेटलमेंट/बीएसपी के अधिकार क्षेत्र के तहत बिलासपुर में रेलवे स्टेशन के पास 30 बिस्तरों वाले स्टाफ रेस्ट हाउस का निर्माण और मौजूदा सुपरवाइजर रेस्ट हाउस का नवीनीकरण, जिसमें फर्नीचर और बिजली के कार्यों की व्यवस्था भी शामिल है।
निविदा मूल्य (रु): 4,14,14,384.85 **अमानत राशि (रु):** 8,28,300.00 **कार्य पूर्णता की अवधि: 12 माह निविदा जमा की आरंभ तिथी:** दिनांक 24/03/2026 । **निविदा जमा की अंतिम तिथी:** दिनांक 07.04.2026 के 11.00 बजे तक ।
उपरोक्त ई-निविदा सूचना की पूरी जानकारी **https://www.ireps.gov.in** वेबसाइट पर उपलब्ध है। उपरोक्त निविदाओ हेतु ई-टेंडर के अलावा अन्य टेन्डर स्वीकार नहीं की जाएगी ।
मंडल रेलवे प्रबंधक (अभि.)/BSP
सीपीआर/10/AM/762 द.पू.म.रेलवे बिलासपुर
South East Central Railway @secrail

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायगढ़ (छ.ग.)
क्रमांक 10995/ न.पा.नि. / 2026 रायगढ़ दिनाँक 20/3/26.
ई-प्रोक्योरमेन्ट निविदा आमंत्रण सूचना
नगर पालिक निगम, रायगढ़ द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाईन (Online) निविदा आमंत्रित की जाती है :-

क्र.	सि.नि. क्र.	कार्य का विवरण	अनु. लागत राशि रू. (लाख में)	निविदा डाउनलोड करने की अंतिम तिथि
1	2	3	4	5
1	187547	CANAL LINK ROAD FROM KEWDABADI CHOWK TO MARINE DRIVE ROAD. (3rd Call)	2255.81	02.04.2026

उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेन्ट वेब पोर्टल https://eproc.cgstate.gov.in से डाउनलोड की जा सकती है।
कार्यपालन अभियंता,
न.पा.नि., रायगढ़

कार्यालय आबकारी आयुक्त, छत्तीसगढ़
(वाणिज्यिक कर (जी.एस.टी.) भवन, नार्थ ब्लॉक, सेक्टर-19, नया रायपुर अटल नगर- 492002)
// सूचना पत्र //
नवा रायपुर, दिनांक 19 मार्च, 2026
आबकारी आरक्षक पद हेतु छ.ग. व्यापम द्वारा आयोजित भर्ती परीक्षा (ABA25) में व्यापम द्वारा जारी मेरिट सूची के आधार पर विभाग में दस्तावेज सत्यापन एवं शारीरिक मापदण्ड में पात्र पाये गये अभ्यर्थियों में से चयन हेतु उपयुक्त पाये गये अभ्यर्थियों के संबंध में 200 अभ्यर्थी के चयन की मुख्य सूची एवं 43 अभ्यर्थियों के संबंध में अनुपूरक सूची कार्यालयीन पत्र क्रमांक/आब./स्था.(अराज.)/ 2026/ 2421, नवा रायपुर, दिनांक 19.03.2026 द्वारा जारी कर चयन परिणाम घोषित किया जाकर चयन परिणाम में अंकण / टंकण/ मुद्रण/ प्रक्रिया संबंधी त्रुटि होने पर व्यापम द्वारा विभाग को उपलब्ध कराये गये मूल डाटा के आधार पर तैयार सूची ही मान्य होगी एवं तद्नुसार चयन परिणाम संशोधित किया जा सकेगा संबंधी निर्देश प्रसारित किया गया है ।
अतएव विभाग द्वारा जारी उपरोक्त चयन परिणाम के संबंध में यदि किसी अभ्यर्थी को कोई दावा-आपत्ति प्रस्तुत करना हो तो वे सूचना पत्र जारी होने के 07 दिवस के भीतर कार्यालय आबकारी आयुक्त, छत्तीसगढ़, वाणिज्यिक कर (जी.एस.टी.) भवन, नार्थ ब्लॉक, सेक्टर-19, नवा रायपुर अटल नगर, पिन कोड- 492002 में कार्यालयीन समय पर उपस्थित होकर अथवा विभागीय आधिकारीक ई.मेल आई.डी. excise.comm.cg@gov.in पर अपना अभ्यावेदन मय दस्तावेजों के प्रस्तुत कर सकते है। उपरोक्त समय-सीमा के पश्चात इस संबंध में विभाग में प्राप्त कोई भी दावा-आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा ।
उक्त समय-सीमा में विभाग में प्रस्तुत होने वाले दावा-आपत्ति पर नियमानुसार विचारोपरांत निर्णय लिया जाकर तत्संबंध में पृथक से सूचना प्रसारित की जावेगी ।
आबकारी आयुक्त
छत्तीसगढ़
G- 252607320/1

कार्यालय नगर पालिक निगम, बीरगांव जिला - रायपुर (छ.ग.)
Email Id: birgaonmcp@gmail.com http://www.nagarnigambirgaon.com
क्रं./ 5482/न.पा.नि./ लो. नि. शाखा / 2025 बीरगांव, दिनांक 20/03/2026
ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा आमंत्रण सूचना
e-Procurement Tender Notice (2nd Call)
(System Tender **187491,** Bid Start Date **21.03.2026,** Bid Due date. **07.04.2026,** Physical Submission Last Date **10.04.2026,** Open Date **13.04.2026**)
नगर पालिक निगम बीरगांव द्वारा मुख्यमंत्री नगरोत्थान योजनान्तर्गत वार्ड क्रं. 38 कुदरगढ़ी रोड सरोरा शिवम वायर से लेकर शीतला तालाब तक सड़क एवं नाली निर्माण कार्य (कुल 01 कार्य) के लिए System Tender No 187491 अनुसार लोक निर्माण विभाग में [Following work as per schedule of rates for Road works issued by Engineer-In-Chief PWD Raipur in force from 01.01.2025, Building S.O.R. in force from 01.01.2015, ELECTRICAL S.O.R 01.06.2020, and amendments applicable upto date of issue of NIT.] से प्रचलित एस. ओ. आर. में प्रतिशत दर पर (System Tender 187491 Bid Start Date 21.03.2026, Bid Due date. 07.04.2026, Physical Submission Last Date 10.04.2026, Open Date 13.04.2026) तक ई - निविदा आमंत्रित की जाती है । इच्छुक सक्षम पात्र निविदाकार, निविदा प्रपत्र, अनुमानित लागत राशि, नियम एवं शर्ते, धरोहर राशि, Key Date एवं विस्तृत जानकारी कार्यालयीन अवधि में निकाय कार्यालय से प्राप्त कर सकेंगे। साथ ही यह जानकारी नगर पालिक निगम बीरगांव की वेबसाईट www.nagarnigambirgaon.com व संचालनालय की वेबसाईट www.uad.cg.gov.in में भी उपलब्ध है। इसे https://eproc.cgstate.gov.in से डाउनलोड / प्राप्त कर ई-टेण्डरिंग के माध्यम से निविदा भरने की कार्यवाही कर सकते है ।
कार्यपालन अभियंता
नगर पालिक निगम बीरगांव
जिला - रायपुर (छ.ग.)

OFFICE OF THE SUPERINTENDING ENGINEER
CHHATTISGARH RURAL ROAD DEVELOPMENT AGENCY
PROJECT CIRCLE RAIGARH, DISTT-RAIGARH (C.G.)
-: e-Procurement Tender Notice :-
NIT NO 151 1st Call /Tender/CGRRDA/2026 **Raigarh Date: 20-03-2026**
Superintending Engineer, CGRRDA, Project Circle Raigarh (C.G.) on behalf of Governor of Chhattisgarh invites package wise bids in electronic tendering system for construction of road under PMGSY (D.M.F.) work for District of the state as per BOQ from the eligible Contractors/Firms registerd with unified registration system (e-registration) for the work mentioned below. Date of release of invitation for bids through e-procurement.

No.	NIT No	Work Name	Package No. /Amount (Rs. in Lakh i/c GST)	Districts	Category of Contractor	Rate invited
1	151 1st	Construcion Work Under PMGSY (D.M.F.)	DMF JNG-01 = 484.92 DMF JNG-02 = 701.13 DMF JNG-03 = 865.90 Total = 2051.95	Janjgir-Champa	B & Above	Percentage rate of PMGSY SOR Date 22-02-2018 issued by CEO, CGRRDA, Raipur

Availability of Bid Document and mode of submission:- The bid document is available online, should be submitted in https://eproc.cgstate.gov.in. The bidder would be required to register in the web-site which is free of cost. For submission of the bid, the bidder is required to have a valid Digital Signature Certificate (DSC) from one of the authorised certifying authorities.
Detailed N.I.T. and others Detailed can be viewed on our website https://eproc.cgstate.gov.in from Date **25.03.2026, 5:00** PM & onwards. In future any releated corrigendum would be seen in the notice section of this website.
(Sunil Namdeo)
Superintending Engineer
Chhattisgarh Rural Road Development Agency
Project Circle, Raigarh (C.G.)
S-47270/2

विंबलडन में पहली बार 'वीडियो रिव्यू सिस्टम' की शुरुआत, छह कोर्ट में खिलाड़ियों के लिए होगा उपलब्ध

एजेंसी ▶▶| लंदन

विंबलडन चैंपियनशिप 2026 का आयोजन 29 जून से 12 जुलाई के बीच होगा। ऑल-इंग्लैंड लॉन टेनिस क्लब (एईएलटीसी) ने पुष्टि की है कि इस सीजन में पहली बार टूर्नामेंट में एक नया वीडियो रिव्यू सिस्टम (वीएआर) पेश किया जाएगा। इस प्रतिष्ठित ग्रास कोर्ट टूर्नामेंट में वीएआर के टेनिस वर्जन का इस्तेमाल किया जाएगा, जो ग्रैंड स्लैम में छह कोर्ट पर खेलने वाले खिलाड़ियों के लिए उपलब्ध होगा। वीएआर टेक्नोलॉजी चैंपियनशिप के दौरान सेंटर कोर्ट और कोर्ट वन पर हर समय उपलब्ध रहेगी। वहीं, अन्य कोर्ट (कोर्ट नंबर 2, कोर्ट नंबर 3, कोर्ट 12 और कोर्ट 18 शामिल हैं) पर यह सुविधा तभी उपलब्ध होगी, जब उन पर पुरुषों और महिलाओं के सिंगल्स मैच खेले जा रहे होंगे।

जोड़ा गया ईएलसी में नया अपग्रेड

टूर्नामेंट में इस बार इलेक्ट्रॉनिक लाइन कॉलिंग (ईएलसी) में एक नया अपग्रेड जोड़ा गया है। 2026 से सभी कोर्ट्स पर लाइव ईएलसी के विजुअल संकेत स्कोरबोर्ड पर भी दिखाए जाएंगे, जिससे दर्शकों का अनुभव और अधिक रोमांचक और पारस्परिक बनेगा। वहीं, एईएलटीसी ने विंबलडन परिसर का आकार लगभग तीन गुना करने की योजना बनाई है। इस दिशा में उन्हें बड़ी सफलता मिली है, क्योंकि लंदन हाई कोर्ट ने फैसला दिया कि यह विकास योजना भूमि उपयोग नियमों से बाधित नहीं है। मौजूदा सिंगल्स चैंपियन जैनिक सिनर और इगा स्वियातेक अपने खिताब का बचाव 29 जून से शुरू करेंगे।

चैंपियनशिप का आयोजन 29 जून से 12 जुलाई के बीच

वीएआर टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करने वाला तीसरा ग्रैंड स्लैम

इस घोषणा के साथ, विंबलडन यूएस ओपन और ऑस्ट्रेलियन ओपन के बाद वीएआर टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करने वाला तीसरा ग्रैंड स्लैम बन गया है। वीएआर से खिलाड़ियों को कई तरह से फायदा होगा। इसके साथ ही मैदानी अंपायर की ओर से लिए गए फैसलों की सटीकता भी बनी रहेगी। यह सिस्टम खिलाड़ियों को कई तरह के विवादित फैसलों को चुनौती देने की सुविधा देता है, जैसे कि डबल बाउंस, फाउल शॉट या बाधा से जुड़े फैसले।

यूएस ओपन 2023 में पहली बार हुआ था वीएआर का इस्तेमाल

यूएस ओपन 2023 में वीएआर का इस्तेमाल करने वाला पहला बड़ा टूर्नामेंट था। अब फरवरी 2025 से यह नौ एटीपी मास्टर्स 1000 टूर्नामेंट के सभी कोर्ट पर उपलब्ध है। विंबलडन का डिजिटल अपग्रेड बीते साल शुरू हुआ था, जब टूर्नामेंट ने इलेक्ट्रॉनिक लाइन कॉलिंग (ईएलसी) की शुरुआत की थी। इस कदम के साथ ही पिछले 147 वर्षों से लाइन जजों की ओर से निभाई जा रही भूमिका समाप्त हो गई थी।

खबर संक्षेप

50 मीटर फ्रीस्टाइल में मैकएवॉय ने तोड़ा विश्व रिकॉर्ड

शेनजेन। ओलंपिक और विश्व चैंपियन तैराक कैमरन मैकएवॉय ने पुरुषों की 50 मीटर फ्रीस्टाइल में 17 साल पुराना विश्व रिकॉर्ड तोड़ दिया है। ऑस्ट्रेलिया के 31 वर्षीय खिलाड़ी ने शेन्ज़ेन में चाइना ओपन में 20.88 सेकंड का समय दर्ज किया, जो ब्राजील के खिलाड़ी सेसार सिएलो के पिछले रिकॉर्ड से 0.03 सेकंड कम है। सिएलो ने 2009 में तैराकी के तथाकथित 'सुपर सूट' युग के दौरान 20.91 सेकंड का विश्व रिकॉर्ड बनाया था। बाद में इस तरह की प्रतियोगिताओं को बंद कर दिया गया था।

चेन्नईयिन एफसी और एफसी गोवा में मुकाबला आज

चेन्नई। चेन्नईयिन एफसी रविवार को इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) के अपने पहले घरेलू मैच में चौथे स्थान पर काबिज एफसी गोवा के खिलाफ जीत की लय को जारी रखना चाहेगा। चेन्नईयिन की टीम प्रतिद्वंद्वी केरला ब्लास्टर्स एफसी के खिलाफ मिली जीत की लय को बरकरार रखना चाहेगी।

आईपीएल : 28 मार्च को चिन्नास्वामी स्टेडियम पर भिड़ेंगे आरसीबी और सनराइजर्स हैदराबाद

कोहली ने साथी खिलाड़ियों को दिया गुरु मंत्र, कहा- 'एक भी मिनट बर्बाद न करें'

एजेंसी ▶▶| बेंगलुरु

करिश्माई बल्लेबाज विराट कोहली ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के अपने साथी खिलाड़ियों से 'स्विच आन' करने का आग्रह किया और कहा कि आईपीएल खिताब बरकरार रखने की तैयारी में अब उन्हें अभ्यास सत्र का एक मिनट भी बर्बाद नहीं करना है। एम चिन्नास्वामी स्टेडियम पर पहले अभ्यास सत्र के दौरान कोहली ने कहा कि उसी जज्बे को बरकरार रखना है, जिसके दम पर उन्होंने पिछले साल खिताब जीता था। कोहली ने कहा,' हमने पिछले दो तीन सत्र में काफी मेहनत की है, जिसके दम पर पिछले साल यह उपलब्धि हासिल कर सके। अब रास्ता और कठिन होगा क्योंकि बाकी टीमें भी पूरी चुनौती देंगी।' आरसीबी को 28 मार्च को चिन्नास्वामी स्टेडियम पर पहले मैच में सनराइजर्स हैदराबाद से खेलना है ।

हमें आगे रहना है तो स्विच आन करो : कोहली

कोहली ने कहा, ' हमें समय बर्बाद नहीं करना है। हमें आगे रहना है तो स्विच आन कर लीजिए। किसी भी सत्र का एक मिनट भी व्यर्थ नहीं करना है। हमें अगले ढाई महीने में अपना 120 प्रतिशत देना होगा।' आरसीबी ने टीम में वेंकटेश अय्यर, मंगेश यादव, जोर्डन कॉक्स, विकी ओस्तवाल और सात्विक देसवाल को शामिल किया है।

हमारी टीम बेहतर : कोच एंडी फ्लावर

मुख्य कोच एंडी फ्लावर ने कहा, 'नीलामी काफी रोचक थी और हमारी टीम बेहतर हुई है। हमने कुछ बेहतरीन खिलाड़ियों को लिया है। विराट और रजत की अगुवाई में स्थापित खिलाड़ियों के साथ उन्हें आरसीबी का हिस्सा बनाना रोमांचक होगा।' उन्होंने यह भी कहा, 'इस साल बात अलग होगी क्योंकि अब हम खिताब जीत चुके हैं। आरसीबी के सभी प्रशंसकों के लिए यह गर्व की बात है। लेकिन अब पिछला सत्र बीत गया है और नई चुनौती सामने है। यह काफी रोमांचक है और हम आईपीएल जीतने आए हैं।' विकेटकीपर बल्लेबाज जितेश शर्मा ने कहा , ' सभी एक दूसरे से मिलकर बहुत खुश हैं। सभी कोचों से फिर मिलकर और अभ्यास करके बहुत अच्छा लग रहा है।'

आकाशदीप पीठ की चोट के कारण आईपीएल से बाहर

कोलकाता। चोटिल खिलाड़ियों की समस्या से जूझ रहे कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) को तब एक और झटका लगा जब उसके प्रमुख तेज गेंदबाज आकाशदीप पीठ के निचले हिस्से में दर्द के कारण इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) से बाहर हो गए।

आकाशदीप कम से कम आठ सप्ताह तक नहीं खेल पाएंगे, जिससे दाएं हाथ के इस तेज गेंदबाज का जून की शुरुआत में अफगानिस्तान के खिलाफ होने वाले एकमात्र टेस्ट मैच में खेलना भी संदिग्ध है। बीसीसीआई के एक सूत्र ने बताया, 'आकाशदीप की पीठ के निचले हिस्से में दर्द फिर से उबर गया है और उन्हें ठीक होने में आठ से 12 सप्ताह तक लग सकते हैं। वह आईपीएल में नहीं खेल पाएंगे और उनका अफगानिस्तान के खिलाफ होने वाले एकमात्र टेस्ट मैच में खेलना भी संदिग्ध है।' इस 29 वर्षीय गेंदबाज ने अपना आखिरी मैच जम्मू कश्मीर के खिलाफ रणजी ट्रॉफी सेमीफाइनल के रूप में खेला था। तब वह पूरी तरह से फिट नहीं दिख रहे थे। उन्होंने पहली पारी में केवल 13 ओवर और दूसरी पारी में सात से कम ओवर फेंके थे।

ओलंपिक में स्क्वाश का पदार्पण ऐतिहासिक : घोषाल

नई दिल्ली। भारत के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी सौरव घोषाल ने 2028 लॉस एंजिलिस ओलंपिक में स्क्वाश को शामिल किए जाने को ऐतिहासिक पल बताते हुए कहा कि खेल के विकास के लिए बेहतर कोचिंग और 'इकोसिस्टम' को मजबूत बनाने की जरूरत है। हाल ही में विश्व प्रीमियर स्क्वाश के खेल कमिश्नर नियुक्त किए गए घोषाल ने कहा,' मैं खुशकिस्मत रहा हूं कि मैंने भारत के लिए 20 साल से ज्यादा पेशेवर स्क्वाश खेला है। यह उस सारे अनुभव को साथ लाने का दौर है और मुझे खुशी है कि वैश्विक स्तर पर योगदान दे पा रहा हूं।' उन्होंने कहा,' मैंने दबाव के हालात को हमेशा मौके की तरह देखा है। यह खेल के लिए कुछ खास करने का मौका है।' स्क्वाश में भारत के बढते ग्राफ के बारे में घोषाल ने कहा,' ताकत आंकड़ों में दिखती है। ज्यादा से ज्यादा खिलाड़ी खेलेंगे तो चैम्पियन निकलेंगे। भविष्य भी उज्ज्वल दिख रहा है।'

तुमकुरु में पहला आईटीएफ महिला डब्ल्यू35 टूर्नामेंट

बेंगलुरु। कर्नाटक के टेनिस में बढ़ते कद को बढ़ावा देने के लिए तुमकुरु में 4 से 10 मई तक पहला आईटीएफ महिला विश्व टेनिस टूर डब्ल्यू35 टूर्नामेंट खेला जाएगा। टूर्नामेंट तुमकुर यूनिवर्सिटी परिसर स्थित जिला टेनिस स्टेडियम में खेला जाएगा। इससे पहले दो दशक से पूर्व एक आईटीएफ महिला टूर्नामेंट का आयोजन हुआ था। इस टूर्नामेंट में उदीयमान अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी और भारत के शीर्ष पेशेवर 32 खिलाड़ियों के एकल मुख्य ड्रॉ और क्वालीफाइंग दौर में भाग लेंगे। तुमकुरु में आखिरी बार 2003 में एटीपी चैलेंजर टूर्नामेंट खेला गया था, जिसमें रोहन बोपन्ना और प्रकाश अमृतराज जैसे खिलाड़ियों ने भाग लिया था।

Mint : 9399463415

Healing Hands

मित्तल हॉस्पिटल रायपुर

NABH ACCREDITED

कैंसर की अत्याधुनिक जाँच अब बहुत ही किफायती दरों पर

PET CT SCAN

CONTACT FOR APPOINTMENT

78801 58729, 78801 58706

सीमित दिनों के लिए
35% की छुट
मात्र 13000/- में

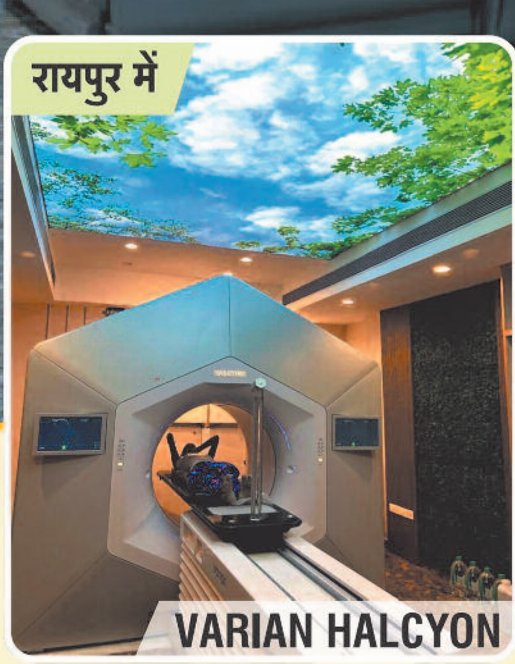

रेडिएशन सिंकाई मशीन रायपुर

रेडिएशन सिंकाई मशीन भिलाई

Deepak Advertisers

- **Advance modular theatre for cancer surgery**
- **Advanced Radiotherapy (IMRT/IGRT/VMAT)**
- **Bone Marrow Transplant Unit**

Comprehensive Systemic Therapy Services
1. Chemotherapy, **2.** Targeted Therapy,
3. Immunotherapy, **4.** Hormonal Therapy,
5. Supportive Biologics

Multidisciplinary Tumor Board
to Individualized Treatment Strategies.

SECR RAILWAY — रेलवे कर्मचारियों के लिए विशेष कैशलेस ट्रीटमेंट की सुविधा

CGHS — CGHS से मान्यता प्राप्त हॉस्पिटल (शासकीय कर्मचारियों के इलाज हेतु मान्यता प्राप्त)

ECHS — पूर्व सैनिकों, आश्रितों के निशुल्क स्वास्थ्य टेस्ट

CSPDCL — छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड

एन.एम.डी.सी.

एसईसीएल

ईएसआइसी.

मुख्यमंत्री विशेष सहायता योजना

22 Carporate & 32 TPA — मान्यता प्राप्त अस्पताल

रायपुरः होली क्रॉस स्कूल के पास, अवंति बाई चौक, पंडरी. फोनः 91313 99570, 93430 79151, 0771 4014442 / 4094443

भिलाईः जुनवानी रोड, सुर्या टी.आई. मॉल के पास. फोनः 0788 2294443, 90392 38971, 77228 80844

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अनिल कुमार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से मुद्रित एवं हरिभूमि काम्पलेक्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक धनंजय वर्मा, संपादक (समन्वय) ब्रह्मवीर सिंह। RNI No. CHHHIN/2002/07457, फोन : 0771-4242222, e-mail:raipur@haribhoomi.com